Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 18
लखनऊ, मंगलवार, 5 नवंबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

Established 1865

पायनियर

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

स्पोर्ट्स 12

गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल में पेगुला को हराया

पटाखा बैन की उड़ीं धज्जियां, सर्वोच्च न्यायालय सख्त

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण रोकने के लिए पटाखे फोड़ने पर प्रतिबंध के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी में दिवाली के जश्न के दौरान जमकर पटाखों को फोड़ने पर दिल्ली सरकार और पुलिस कमिश्नर से प्रतिबंध के उल्लंघन पर जवाब मांगा है। जस्टिस अभय एस. ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने समाचार पत्रों में छपी उन खबरों को गंभीरता से लिया, जिनमें पटाखे फोड़ने पर सरकार के प्रतिबंधों का पूरी तरह से पालन नहीं किए जाने का संकेत दिया गया। कोर्ट ने एक सप्ताह में हलफनामा दाखिल करने को कहा है, जिसमें उन कदमों का भी विवरण होना चाहिए जो यह सुनिश्चित करने के लिए उठाए जाएंगे ताकि अगले साल दिवाली के जश्न के दौरान पटाखों से संबंधित प्रदूषण की समस्या फिर से न हो।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में और उसके आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण से संबंधित एक याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा, हम चाहते हैं कि दिल्ली सरकार तुरंत जवाब दे कि ऐसा क्यों हुआ। कोर्ट ने यह भी कहा कि इसके साथ ही दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी करेंगे कि प्रतिबंध का अनुपालन क्यों नहीं हुआ। शीर्ष न्यायालय ने कहा, हमें इस पर तुरंत सुनवाई करनी होगी। असली समस्या यह है कि यह सब वायु रोकथाम अधिनियम, 1981 के तहत है, जिसमें इस वर्ष संशोधन के बाद केवल दंड का प्रावधान है। बेंच ने दिल्ली सरकार से राष्ट्रीय राजधानी में पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लागू करने पर विचार करने को भी कहा है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन कदमों में ऐसे प्रदूषण के खिलाफ जनता को जागरूक करने के लिए सार्वजनिक अभियान चलाने के उपाय शामिल होने चाहिए। कोर्ट के आदेश में कहा गया, दिल्ली सरकार और पुलिस आयुक्त द्वारा हलफनामा एक सप्ताह में दाखिल किया जाना चाहिए...। इस बीच, दिल्ली सरकार और अन्य अधिकारियों को भी इन पटाखों पर स्थायी प्रतिबंध लगाने पर निर्णय लेना चाहिए। न्यायालय दिवाली से संबंधित प्रदूषण के इस पहलू पर 14 नवंबर को फिर से विचार करेगा।

न्यायालय ने अपने आदेश में आगे कहा, इस बात पर कोई विवाद नहीं हो सकता कि पटाखों पर प्रतिबंध का शायद ही कभी पालन किया गया हो। पटाखों पर प्रतिबंध का पालन न किया जाना एमिकस की रिपोर्ट से बहुत स्पष्ट है, जो यह है कि इस बार प्रदूषण का स्तर अब तक के उच्चतम स्तर पर रहा। यहां तक कि एक रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि खेतों में आग लगाने की घटनाएं भी उच्च स्तर पर थीं। न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा राज्यों को पिछले दस दिनों में पराली जलाने की घटनाओं का विवरण प्रस्तुत करने के लिए एक सप्ताह का समय भी दिया।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता में गिरावट के कारण, राज्य सरकार ने हाल ही में 1 जनवरी, 2025 तक राष्ट्रीय राजधानी में विभिन्न प्रकार के पटाखों के उत्पादन, बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया था। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) अर्चना पाठक दवे ने इस बात पर सहमति जताई कि इस साल दिवाली के दौरान इन प्रतिबंधों का बिल्कुल भी पालन नहीं किया गया। एमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कहा कि एक रिपोर्ट से पता चलता है कि दिवाली के दिन वायु प्रदूषण में भारी वृद्धि होती है, प्रदूषण का प्रतिशत 10 प्रतिशत से बढ़कर 27 प्रतिशत हो जाता है। न्यायालय ने कहा कि इस मुद्दे को सुलझाने के लिए कुछ किया जाना चाहिए। जो लोग प्रतिबंध के बावजूद पटाखे बेच रहे हैं, उनके परिसर को सील करने पर हम विचार करेंगे। न्यायालय ने कहा, एमिकस क्यूरी ने बताया कि एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि दिवाली के दिन प्रदूषण में भारी वृद्धि हुई थी। प्रदूषण का प्रतिशत 10 प्रतिशत से 27 प्रतिशत हो गया है... इस पर तुरंत जवाब दिया जाना चाहिए। न्यायाधीशों ने पटाखों पर प्रतिबंध का उल्लंघन करने के लिए अन्य राज्यों से दिल्ली में पटाखे लाने वाले लोगों पर भी चिंता जताई। बेंच ने टिप्पणी की, लोग अन्य राज्यों से पटाखे ला रहे हैं। दिवाली से पहले एक सार्वजनिक अभियान चलाया जाना चाहिए, लोगों में समझ की कमी है।

न्यायालय के समक्ष मामला पंजाब जैसे पड़ोसी राज्यों में पराली जलाने के कारण होने वाले प्रदूषण से भी संबंधित है, जिसे दिल्ली में वायु प्रदूषण का एक प्रमुख कारक माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को इस तरह के प्रदूषण से निपटने के लिए पर्याप्त कदम उठाने में विफल रहने के लिए फटकार लगाई थी। इसने पंजाब और हरियाणा के मुख्य सचिवों को तलब भी किया था, क्योंकि उसने पाया था कि पराली जलाने की घटनाओं के खिलाफ एक भी मुकदमा नहीं चलाया गया है। अक्टूबर में, न्यायालय ने प्रथम दृष्टया यह माना था कि केंद्र सरकार पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं कर रही है। इसने केंद्र सरकार को कानून में संशोधन करने का निर्देश दिया था, ताकि पराली जलाने वाले किसानों पर लगाए जाने वाले जुर्माने को बढ़ाया जा सके।

14 विस उपचुनावों की तारीख बदली

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों के अनुरोध पर सोमवार को केरल, पंजाब और उत्तर प्रदेश में 14 विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनावों की तारीख 13 नवंबर से 20 नवंबर तक पुनर्निर्धारित कर दी। 14 निर्वाचन क्षेत्रों के उपचुनाव महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव और झारखंड चुनाव के दूसरे चरण के साथ होंगे। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया कि कई राजनीतिक दलों ने कल्पती राठौड़ोत्सवम (13-15 नवंबर), कार्तिक पूर्णिमा (15 नवंबर) और श्री गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व (15 नवंबर) जैसे त्योहारों का हवाला देते हुए मतदान की तारीख में बदलाव करने का अनुरोध किया था। दलों ने कहा था कि इन त्योहारों के कारण इन राज्यों में मतदान प्रतिशत प्रभावित हो सकता है। चुनाव आयोग ने कहा, कई मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों (भाजपा, कांग्रेस, बसपा, रालोद सहित) और कुछ सामाजिक संगठनों से 13 नवंबर, 2024 को उपचुनाव वाले कुछ विधानसभा क्षेत्रों में मतदान की तिथि में बदलाव के लिए आयोग को अभ्यावेदन प्राप्त हुए हैं, क्योंकि उस दिन बड़े पैमाने पर सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम होंगे, जिससे बड़ी संख्या में लोगों को असुविधा हो सकती है, विभिन्न लॉजिस्टिक मुद्दे पैदा हो सकते हैं और मतदान के दौरान मतदाताओं की भागीदारी कम हो सकती है। केरल में पलक्कड़ विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव पुनर्निर्धारित किया गया है, जबकि चेलाक्कारा (शेष पृष्ठ 9)

उत्तराखंड के अल्मोड़ा में कुपी इलाके में एक यात्री बस के खाई में गिर जाने के बाद से बचाव और राहत कार्य जारी है। पीटीआई

अल्मोड़ा में खचाखच भरी बस खाई में गिरी, 36 मरे

पूर्णिमा बिष्ट। देहरादून

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में मरचूला के पास सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे 63 यात्रियों को ले जा रही 42 सीटों वाली एक निजी बस के 200 मीटर गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई जबकि दुर्घटना में 27 अन्य यात्री घायल हो गए हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जानमाल के नुकसान पर शोक व्यक्त किया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पौड़ी और अल्मोड़ा जिलों के सहायक क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को निलंबित करने का आदेश दिया है, साथ ही कुमाऊं आयुक्त को दुर्घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश दिए हैं।

गढ़वाल मोटर ओनर्स यूनियन लिमिटेड की बस पौड़ी जिले के नैनी डांडा से नैनीताल जिले के रामनगर जा रही थी, तभी सोमवार सुबह करीब 7.30 बजे सरद बेंड के पास चालक ने बस से नियंत्रण खो गया और वह एक नाले के किनारे खाई में जा गिरी। गिरने के बाद कुछ यात्री बाहर निकल गए, जबकि अन्य किसी तरह से बच निकलने में सफल रहे जो लोग सुरक्षित बाहर निकल आए, उन्होंने अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस और राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल ने तत्काल बचाव व राहत का काम शुरू किया।

राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की एक टीम दो से तीन घंटे के भीतर बचाव अभियान में शामिल हो गई। अधिकारियों के अनुसार, स्थानीय ग्रामीणों ने भी मलबे में फंसे यात्रियों को खोजने में मदद की। शुरुआत में, घटनास्थल पर 28 यात्री मृत पाए गए और बाद में, आठ और लोगों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। दोपहर में छह यात्रियों को भी एम्स ऋषिकेश ले जाया गया, जबकि अन्य छह को हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सभी पीड़ित पौड़ी, नैनीताल और अल्मोड़ा जिलों के निवासी थे। अल्मोड़ा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पिंचा ने पायनियर को बताया कि शुरुआती जांच से पता चलता है कि बस में क्षमता से अधिक सामान भरा होना और तकनीकी खराबी दुर्घटना का संभावित कारण हो सकती है। सीएम के आदेश के अनुसार, संयुक्त परिवहन आयुक्त सनत कुमार सिंह ने रामनगर और पौड़ी के दो एआरटीओ क्रमशः नेहा झा और कुलवंत सिंह को निलंबित कर दिया है। परिवहन विभाग की प्रमुख एजेंसी जांच करेगी और उसके अनुसार दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कनाडा में भारतीयों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता : विदेश मंत्रालय

पायनियर समाचार सेवा। एजेंसी/नई दिल्ली/ओटावा

कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हुए हमले पर कड़ी आपत्ति जताते हुए भारत ने सोमवार को चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की घटनाओं की निंदा की। नई दिल्ली ने जस्टिन ट्रूडो सरकार से अनुरोध किया है कि देश में सभी पूजा स्थलों की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां कहा, वह हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने की अपील करते हैं कि सभी पूजा स्थलों को ऐसे हमलों से बचाया जाए। साथ ही यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर मुकदमा चलाया जाए।

कनाडा में भारतीय उच्चायोग के अनुसार ब्रैम्पटन, ओंटारियो में एक वाणिज्य दूतावास शिविर में रविवार 3 नवंबर को हिंसक गतिविधि देखी गयी। पीटीआई

रविवार को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में खालिस्तानी झंडे लेकर प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने लोगों के साथ झड़प की, जिसके बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने भारत विरोधी तत्वों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा करते हुए एक बयान जारी किया।

जायसवाल ने यह भी बताया कि भारत कनाडा में अपने नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा के बारे में गहरी चिंता में है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीयों को काउंसलर सेवाएं प्रदान करने वाले राजनयिक अधिकारी धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से नहीं डरेंगे। हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा के बारे में गहराई से चिंतित हैं। भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे काउंसलर अधिकारियों की पहुंच को धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से नहीं रोका जाएगा। ओटावा से एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्रैम्पटन में एक हिंदू मंदिर में (शेष पृष्ठ 9)

कनाडा में हिंदू मंदिर पर जानबूझकर किए गए हमले की कड़ी निंदा करता हूं, इसके साथ हमारे राजनयिकों को डराने-धमकाने की कायराना कोशिशें भी भयावह हैं। ऐसी हरकतें भारत के संकल्प को कभी कमजोर नहीं कर पाएंगी। हम कनाडा सरकार से न्याय सुनिश्चित करने और कानून के शासन को कायम रखने की उम्मीद करते हैं। -प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जम्मू-कश्मीर विधानसभा का द्वार छह साल बाद फिर खुला

मोहित कंधारी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के द्वार छह साल से अधिक समय के अंतराल के बाद सोमवार को खोला गया ताकि नवनिर्वाचित सदस्य उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पहले अभिभाषण में शामिल हो सके। केंद्र शासित प्रदेश के तौर पर यह पहली विधानसभा है, जो धारा 370 और 35-ए के निरस्त होने के बाद बनी है। इसके पहले महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी-भारतीय जनता पार्टी (पीडीपी-बीजेपी) गठबंधन सरकार के अंतिम बजट सत्र को 13 फरवरी, 2018 को स्पीकर ने अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया था। बाद में जून 2018 में गठबंधन सरकार गिर गई, जिसके कारण राज्यपाल शासन लागू हो गया। 5 अगस्त, 2019 को, तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठित किया गया।

इस बीच, नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता अब्दुल रहीम राथर के सर्वसम्मति से सदन के अध्यक्ष चुने जाने के तुरंत बाद विधानसभा में हंगामा

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, प्रोटेम स्पीकर मुबारक गुल और स्पीकर अब्दुल रहीम राथर

शुरू हो गया। पीडीपी विधायक वहीद उर रहमान पारा ने बिना अध्यक्ष को कोई पूर्व सूचना दिए अनुच्छेद 370 को हटाने के खिलाफ प्रस्ताव लाकर चर्चा में आने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस पर तुरंत प्रतिक्रिया देते हुए इसे महज फोटो खिंचवाने का प्रयास बताया। भाजपा विधायकों ने भी इसका जोरदार विरोध किया। विधानसभा अध्यक्ष राथर ने भाजपा सदस्यों के गुस्से को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा, यह मेरा अधिकार क्षेत्र है, मैं इसकी जांच करूंगा और उसके अनुसार ही प्रस्ताव पर फैसला लूंगा। हालांकि, 28 भाजपा विधायकों ने बैठने से इनकार कर दिया और पीडीपी विधायकों के कदम का विरोध करना जारी रखा।

अपने संक्षिप्त बयान में उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में कहा कि अध्यक्ष के चुनाव पर टिप्पणी के दौरान एक विधायक के निजी प्रस्ताव का कोई मतलब नहीं है। सदन इस पर कैसे विचार करेगा और इस पर किस तरह चर्चा करेगा, यह कोई एक सदस्य तय नहीं करेगा। (शेष पृष्ठ 9)

'मल्लू हिंदू ऑफिसर्स' व्हाट्सएप ग्रुप किसने बनाया !

कुमार चेल्लप्पन। कोच्चि

केरल की वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार को हिंदू भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के एक व्हाट्सएप ग्रुप ने हिलाकर रख दिया है। इस व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के पीछे किसकी शरारत है, इसका पता लगाने के लिए राज्य सरकार की तरफ से उच्च स्तरीय जांच चल रही है। केरल के कानून और उद्योग मंत्री पी राजीव, जो कि संभावित मुख्यमंत्री भी हैं, ने सोमवार को कोच्चि में मीडिया को बताया कि सरकार ने इस घटनाक्रम को पूरी गंभीरता से लिया है और इस ग्रुप के गठन के पीछे सभी कारकों को सामने लाने के लिए जांच चल रही है। यह ग्रुप 31 अक्टूबर को राज्य के आईएएस अधिकारी के गोपालकृष्णन द्वारा इस्तेमाल किए गए फोन से बनाया गया था। 'मल्लू हिंदू ऑफिसर्स' डब्ल्यूए ग्रुप के गठन की खबर पूरे केरल में जंगल की आग की तरह फैल गई और इसे 24 घंटे के भीतर साइबरस्पेस से हटा दिया गया। हालांकि, गोपालकृष्णन ने कहा कि उनका फोन हैक हो गया था (शेष पृष्ठ 9)

सेंसेक्स लुढ़का, निवेशकों को 5.99 लाख करोड़ का झटका

एजेंसी। नई दिल्ली

शेयर बाजार में भारी बिकवाली के चलते सोमवार को निवेशकों की संपत्ति 5.99 लाख करोड़ रुपये घट गई। वहीं बीएसई सेंसेक्स में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज, बैंकिंग शेयरों और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण बाजार में गिरावट आई। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव और इस सप्ताह के अंत में घोषित होने वाले फेडरल रिजर्व ब्याज दर निर्णय से पहले निवेशक भी सतर्क हो गए। बीएसई बेंचमार्क 941.88 अंक या 1.18 प्रतिशत गिरकर 78,782.24 पर बंद हुआ, जो 6 अगस्त के बाद का सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। जबकि दिन के दौरान यह 1,491.52 अंक या 1.87 प्रतिशत गिरकर 78,232.60 पर आ गया था। इक्विटी में कमजोर रुझान के चलते बीएसई-सूचीबद्ध फर्मों का बाजार पूंजीकरण 5,99,539.5 करोड़ रुपये घटकर 4,42,11,068.05 करोड़ रुपये (5.26 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर) रह गया।

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) प्रशांत तापसे ने कहा, बाजार में व्यापक बिकवाली देखी गई क्योंकि निवेशकों ने अगले कुछ दिनों में अमेरिकी चुनाव के महत्वपूर्ण नतीजों और फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले जोखिम से बचने के लिए ऐसा किया। हालांकि कुछ समय से मूल्यांकन संबंधी चिंताएं बनी हुई हैं, लेकिन लगातार विदेशी फंड के बाहर जाने से निवेशकों के बीच काफी अनिश्चितता के हालात पैदा होने के परिणामस्वरूप भारी गिरावट आई है। इसके अलावा, कॉरपोरेट आय उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी है, जिससे निवेशकों की धारणा और भी कमजोर हुई है। (शेष पृष्ठ 9)

भगवान सूर्य देव की उपासना, छठ पूजा की शुभकामनाएं

सौम्या शुक्ला। नई दिल्ली

लोक आस्था का महापर्व छठ नहाय खाय के साथ मंगलवार से शुरू हो रहा है। इसको लेकर बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड के लोगों में जबरदस्त उत्साह है। देशभर के बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। राष्ट्रीय राजधानी के अलग-अलग बाजारों में भी श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। दिल्ली में बड़ी संख्या में पूरबिया लोग रहते हैं। इस उत्साह के बीच भगवान सूर्य की पूजा करने वाले इस पावन त्योहार से देशभर में करीब 12,000 करोड़ रुपये के कारोबार होने की उम्मीद है, जो भारत की लोक संस्कृति का सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है। नहाय खाय छठ पूजा का पहला और सबसे महत्वपूर्ण दिन है। यह दिन पूरे उपवास और अनुष्ठानों की शुरुआत का प्रतीक है। इस दिन व्रती स्नान करते हैं और शुद्ध भोजन ग्रहण करते हैं। जिसमें करीब 15 करोड़ श्रद्धालु, खास तौर पर महिलाएं नदियों, खास तौर पर गंगा में डुबकी लगाकर खुद को शुद्ध करती हैं। यह आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक है। बुधवार को दूसरे दिन खरना होता है, जिसमें पूरे दिन कठोर उपवास रखा जाता है। इस दौरान व्रति सूर्योदय से सूर्यास्त तक भोजन और यहाँ तक कि पानी भी नहीं पीते हैं। शाम को, भगवान सूर्य को अर्घ्य देने देने के देने के बाद पारंपरिक भोजन (प्रसाद) के साथ उपवास तोड़ा जाता है, जिसमें आमतौर पर चावल की खीर और चपाती शामिल होती है।

तीसरा दिन छठ पूजा का मुख्य दिन होता है, जिसमें बिना पानी के पूर्ण उपवास किया जाता है क्योंकि व्रति नदी के किनारे या अन्य जल निकायों में डूबते सूर्य को पहला अर्घ्य देने के लिए जमा होते हैं। शुक्रवार को अंतिम दिन, भक्त अंतिम दिन का व्रत रखेंगे, जिसे उषा अर्घ्य के रूप में जाना जाता है। इस दिन सुबह-सुबह उगते सूर्य की उपासना के साथ अर्घ्य दिया जाता है। इस अनुष्ठान के पूरा होने के साथ, 36 घंटे का उपवास समाप्त हो जाता है, और

भक्त अपने छठ पूजा अनुष्ठान के अंत का जश्न परिवार और दोस्तों के साथ उत्सव का भोजन साझा करके मनाते हैं। उगते और डूबते सूर्य की पूजा करने वाला यह पर्व सिर्फ श्रद्धालुओं के लिए ही नहीं, बल्कि इससे जुड़े उत्पादों की बिक्री से लाभ उठाने वाले व्यापारियों के लिए भी खुशी लेकर आता है। इस साल त्योहारी बिक्री पर नजर रखने वाले कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स ने सोमवार को पवित्र त्योहार के दौरान अपेक्षित बिक्री के आंकड़े जारी किए, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि इससे पूरे भारत में लगभग 12,000 करोड़ रुपये का व्यापार होगा।

राष्ट्रीय राजधानी में भी पूर्वांचली आबादी छठ पूजा को बड़े पैमाने पर मनाती है। चांदनी चौक, सदर बाजार, मॉडल टाउन, अशोक विहार, शालीमार बाग, पीतमपुरा, रानी बाग, उत्तम नगर और तिलक नगर समेत शहर भर के बाजारों में पारंपरिक छठ पूजा की खरीदारी करने वालों की भीड़ उमड़ रही है। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया के अनुसार, बिहार और झारखंड के अलावा पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश में भी छठ पूजा बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है। भरतिया ने कहा, इन राज्यों में कई पूर्वांचली रहते हैं, जो स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। यह त्योहार, जिसमें डूबते और उगते सूर्य दोनों की पूजा की जाती है, भारतीय संस्कृति की समावेशी प्रकृति का प्रतीक है। इस साल बांस की टोकरियाँ, केले के पत्ते, गन्ना, मिठाई, फल और सब्जियाँ (विशेष रूप से नारियल, सेब, केले और हरी सब्जियाँ) जैसी छठ पूजा की आवश्यक वस्तुओं की माँग बहुत अधिक रही है। एसोसिएशन ने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए साड़ी, लहंगा-चुन्नी, सलवार-कुर्ता और पुरुषों के लिए कुर्ता-पायजामा, धोती सहित पारंपरिक परिधान बड़ी मात्रा में खरीदे जा रहे हैं, जिससे स्थानीय व्यापारियों और लघु उद्योगों को लाभ हो रहा है। छोटे पैमाने पर उत्पादित हस्तनिर्मित वस्तुओं की भी अच्छी खासी बिक्री हो रही है। कैट के महासचिव और चांदनी चौक से भारतीय जनता पार्टी के सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने इस बात पर जोर दिया कि छठ पूजा (शेष पृष्ठ 9)

विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए योगी सरकार की पहल, एफडीआई नीति में किया संशोधन

कैबिनेट के फैसले

अब इक्विटी के साथ अन्य स्रोत से पैसों की व्यवस्था करने वाली कंपनियां भी होंगी पात्र

● निवेश की न्यूनतम सीमा 100 करोड़ में 10 प्रतिशत इक्विटी की सीमा होगी जरूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश में विदेशी निवेश को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। सोमवार को लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में एफडीआई एवं फॉर्च्यून 500 कंपनियों के निवेश हेतु प्रोत्साहन नीति 2023 में संशोधन को मंजूरी दे दी। इस संशोधन के माध्यम से योगी सरकार ने विदेशी निवेशकों को बड़ी राहत दी है। इसके माध्यम से अब ऐसी विदेशी कंपनियां भी प्रदेश में निवेश कर सकेंगी जो इक्विटी के साथ-साथ लोन या किसी अन्य स्रोत से पैसों की व्यवस्था करती हैं। योगी सरकार के इस निर्णय से प्रदेश में विदेशी निवेश के बढ़ने की संभावना है।

योगी कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि 1/11/2023 को फॉरेन डायरेक्टर इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) की नीति आई थी, इसमें थोड़ा संशोधन किया गया है। नीति में अर्हता के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा 100 करोड़ रुपए रखी गई है। आरबीआई द्वारा जो एफडीआई की परिभाषा दी गई है, उसके अनुसार अभी तक मात्र इक्विटी में किए गए निवेश को ही एफडीआई में सम्मिलित किया जाता है। नीति में जो संसोधन किया गया है उसमें हमने इसे फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट का रूप दिया है। उन्होंने कहा कि अभी तक एफडीआई के तहत कंपनी के पास अपनी इक्विटी होती थी लेकिन ज्यादातर कंपनी अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए बाहर से लोन के साथ ही दूसरे माध्यमों से भी पैसा मैनेज करती हैं। हमने उसको भी अलाऊ कर दिया है। यदि किसी कंपनी के पास इक्विटी केवल 10 प्रतिशत है और 90 प्रतिशत निवेश राशि की व्यवस्था दूसरे स्रोतों से कर रखी होगी तो हम उसको भी बेनिफिट प्रदान करेंगे। उन्होंने बताया कि अब इस नीति को फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट, फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट एंड फॉर्च्यून ग्लोबल 500 एंड फॉर्च्यून इंडिया 500 इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023 कहा जाएगा। फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट के रूप में इक्विटी में निवेश करने वाली विदेशी कंपनी के लिए प्रिफरेंश शेयर, डिवेंचर्स, एक्सटर्नल कॉमर्शियल बॉरोइंग, स्टैंड बाई लैटर ऑफ क्रेडिट, लैटर्स ऑफ गारंटी व अन्य डेब्ट सिक्योरिटी को भी शामिल कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, अन्य मोड जो आरबीआई के द्वारा फ्रेमवर्क ऑन एक्सटर्नल कॉमर्शियल बॉरोइंग, ट्रेड क्रेडिट, स्ट्रक्चर्ड ऑब्लीगेशंस के अंतर्गत किए गए 100 करोड़ के विदेशी निवेश की गणना के लिए अर्ह होंगे। विदेशी निवेशक कंपनी द्वारा की गई फॉरेन कैपिटल इन्वेस्टमेंट राशि (जिसमें इक्विटी में न्यूनतम 10 प्रतिशत तथा शेष ऋण व अन्य इंस्ट्रूमेंट के माध्यम से मिलाकर 100 करोड़ रुपए का निवेश) को इस नीति के अंतर्गत पात्र माना जाएगा तथा पूंजी निवेश की गणना में सम्मिलित किया जाएगा।

बिना नॉमिनी भी हो सकेगा ग्रेच्युटी का भुगतान

योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश रिटायरमेंट बेनिफिट्स रूल्स 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी है। इसके तहत यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु सेवा में रहते हुए अथवा सेवानिवर्त्ति के उपरांत ग्रेच्युटी की धनराशि प्राप्त किए बिना हो जाती है और उसने अपने पीछे कोई परिवार नहीं छोड़ा है और न ही कोई नॉमिनी बनाया है तो ग्रेच्युटी का भुगतान उस व्यक्ति को किया जा सकता है जिसके पक्ष में किसी न्यायालय द्वारा उत्तराधिकार प्रमाण पत्र प्रदान किया गया हो। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि पहले कि व्यवस्था में ऐसे व्यक्ति की ग्रेच्युटी की धनराशि सरकार को चली जाती थी।

अंग्रेजी व विदेशी भाषा विवि के लखनऊ परिसर के लिए निशुल्क भूमि आवंटित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में सुधारों की दिशा में एक और बड़ा कदम बढ़ाते हुए सोमवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में उच्च शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय को मंजूरी दी। अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय के लखनऊ परिसर के लिए निशुल्क भूमि का प्रावधान और उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 में संशोधन का प्रस्ताव पास कर दिया गया।

योगी सरकार ने लखनऊ में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) के परिसर की स्थापना के लिए कुल 2.3239 हेक्टेयर भूमि को नि:शुल्क प्रदान करने का प्रस्ताव पास किया। यह भूमि ग्राम चकौली, परगना बिजनौर, तहसील सरोजनी नगर, लखनऊ में स्थित है। जिलाधिकारी द्वारा इस भूमि का सर्किल रेट के आधार पर मूल्यांकन 9.29 करोड़ रुपये किया गया है। यह विश्वविद्यालय प्रतिवर्ष 2000 से 2500 छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करेगा और उन्हें अंग्रेजी एवं अन्य विदेशी भाषाओं में दक्ष बनाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि यह निर्णय राज्य के युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने और विदेशों में नौकरी करने के अवसरों में वृद्धि करने में सहायक सिद्ध होगा। साथ ही सम्पूर्ण देश में जिन संस्थाओं में विदेशी भाषा ज्ञान की आवश्यकता होती है उनमें भी रोजगार के अवसर में सहायक होगा।राज्य सरकार का उद्देश्य है कि सीमित संसाधनों के बावजूद छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए। इस परिसर की स्थापना से राज्य के शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ाई के स्तर में सुधार होगा और छात्रों को बेहतर अवसर प्राप्त होंगे।

उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 में संशोधन: मंत्रिपरिषद ने उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 में संशोधन को भी मंजूरी दी है। इस संशोधन का उद्देश्य अन्य राज्यों में पंजीकृत सोसाइटी/ न्यास/ कंपनियों को उत्तर प्रदेश में निजी विश्वविद्यालय स्थापित करने का अवसर प्रदान करना है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी (भारत में विदेशी उच्चतर शिक्षा संस्थानों के परिसरों की स्थापना और संचालन) विनियम, 2023 के तहत विदेशी विश्वविद्यालयों को राज्य में अपने परिसर स्थापित करने की अनुमति देने का प्रावधान जोड़ा गया है। उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह कदम शिक्षकों और छात्रों के लिए नई संभावनाएं लेकर आएगा और राज्य की शिक्षा प्रणाली को अधिक समृद्ध बनाएगा। इस बदलाव से निजी विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर खरा उतरने का अवसर मिलेगा, जो प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम होगा।

सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों को सीएम की बड़ी सौगात

अब सिर्फ तीन साल में मिलेगा स्थानान्तरण का अवसर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार ने प्रदेश के सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। सोमवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया, जिसमें अब शिक्षकों को 5 वर्षों की न्यूनतम सेवा के बजाय केवल 3 वर्षों की सेवा के बाद स्थानांतरण का अधिकार मिल सकेगा। इस निर्णय से घर से दूर प्रदेश के विभिन्न जिलों में सेवाएं दे रही महिला शिक्षकों को विशेष लाभ होगा, क्योंकि उन्हें अपने परिवार के पास वापस आने का अवसर पहले से कम समय में मिल सकेगा।

नई उच्चतर सेवा नियमावली 2024 के अनुसार, प्रदेश के सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेजों में कार्यरत शिक्षक, जो नियमित आधार पर नियुक्त और स्थायी रूप से पदस्थापित हैं, अब केवल 3 वर्षों की सेवा के बाद अपने स्थानांतरण का अनुरोध कर सकेंगे। इससे पहले यह सीमा 5 साल थी। नई नियमावली के अंतर्गत यह प्रावधान भी है कि शिक्षक अपने संपूर्ण सेवा काल में केवल एक बार स्थानांतरण के हकदार होंगे। इस निर्णय के पीछे योगी सरकार की मंशा है कि इससे शिक्षक समुदाय में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। घर से दूर रहने के कारण कठिनाई महसूस कर रही महिला शिक्षकों और अन्य शिक्षकों को इस नियमावली से काफी राहत मिलेगी। योगी सरकार के इस कदम को शिक्षा प्रणाली में संतुलन और स्थिरता बनाए रखने की दिशा में एक ठोस प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। योगी सरकार ने हाल ही में उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम-2023 को लागू किया है, जो कि 23 अगस्त 2023 को प्रख्यापित किया गया था। इस अधिनियम के तहत उत्तर प्रदेश

● कैबिनेट ने नई उच्चतर सेवा नियमावली 2024 को दी मंजूरी

उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग अधिनियम-1980 को निरसित कर दिया गया है, जिससे 1980 के अधिनियम के तहत जारी स्थानांतरण नियम स्वत: समाप्त हो गए हैं। इसके बाद 2005 में जारी नियमावली भी निरस्त कर दी गई है, जिससे नई नियमावली बनाने की आवश्यकता उत्पन्न हुई। अधिनियम-2023 की धारा-31 (1) के तहत शिक्षा सेवा में चयन की नई व्यवस्था लागू की गई है, जो शिक्षक समुदाय में स्थानांतरण की प्रक्रिया को और सुगम बनाएगी। इस नई व्यवस्था के तहत शिक्षक केवल अपने महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र और विश्वविद्यालय के अनुमोदन के साथ स्थानांतरण का आवेदन कर सकेंगे, जिसे निदेशक, उच्च शिक्षा को प्रस्तुत करना होगा। इस नई नियमावली के तहत एक महाविद्यालय से दूसरे महाविद्यालय में एकल अथवा पारस्परिक स्थानांतरण करने के लिए शिक्षकों को विधिवत आवेदन प्रक्रिया का पालन करना होगा। आवेदन पत्र संबंधित महाविद्यालय के प्रबंधतंत्र के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा, जो विश्वविद्यालय द्वारा अनुमोदित होगा। प्रबंधतंत्र की सहमति के बाद ही आवेदन को निदेशक, उच्च शिक्षा के पास भेजा जा सकेगा। इससे स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्पष्टता आएगी, साथ ही अनावश्यक देरी से भी बचा जा सकेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि यह निर्णय शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि बढ़ाने में सहायक होगा। साथ ही, यह कदम शिक्षा क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण के उद्देश्य को भी पूरा करता है, क्योंकि इससे उन महिला शिक्षकों को लाभ मिलेगा जो अपने परिवारों से दूर सेवा देने को मजबूर हैं। योगी सरकार का यह निर्णय राज्य के शैक्षिक ढांचे में संतुलन और सुधार की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। योगी सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में सुधार के लिए हाल ही में कई पहल की हैं। इस नई नियमावली के साथ, योगी सरकार का उद्देश्य है कि सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षकों को उनकी सेवाओं में स्थायित्व और संतोष का अनुभव हो। योगी सरकार ने इसके माध्यम से शिक्षकों को उनके घरों के निकटतम क्षेत्रों में स्थानांतरण का विकल्प देकर संतुलन बनाने की कोशिश की है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस पहल से प्रदेश के शिक्षा संस्थानों में स्थायित्व बढ़ेगा और इससे छात्र-शिक्षक संबंधों में भी सुधार होगा।

उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि इस नियमावली के लागू होने के बाद से शिक्षकों को अपने गृह जनपद में लौटने का अवसर मिलेगा, जिससे शिक्षण कार्य में अधिक समर्पण और प्रतिबद्धता आएगी। इससे ना केवल शिक्षकों के कार्यस्थल पर संतोष का स्तर बढ़ेगा, बल्कि छात्रों को भी लाभ होगा, क्योंकि शिक्षक अधिक सहज और संतुष्ट होकर अपने कर्तव्यों का पालन कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि योगी सरकार द्वारा सहायता प्राप्त डिग्री कॉलेज के शिक्षकों के स्थानांतरण नियमों में किए गए इस बदलाव से राज्य के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। शिक्षकों को अपने परिवार के निकट कार्य करने का अवसर मिलेगा, जिससे उनका कार्यस्थल पर संतोष और उत्साह बढ़ेगा। योगी सरकार की यह पहल न केवल शिक्षक समुदाय को संतुष्टि देगी बल्कि इससे प्रदेश के शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता भी सुधरेगी।

विरासत संपत्तियों को पर्यटकों के लिए उपयोगी बनाएगा पर्यटन विभाग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग राज्य की विरासत संपत्तियों को उपयोगी बनाएगा, ताकि इसकी सुरक्षा-संरक्षण के साथ-साथ राजस्व की भी प्राप्ति हो। इसी क्रम में छतर मंजिल लखनऊ, चुनार का किला मीरजापुर और बरुआसागर किला झांसी को पीपीपी मोड पर विकसित किया जाएगा। कैबिनेट ने सोमवार को इसकी मंजूरी दे दी। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह ने दी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासतों तथा समृद्ध प्राकृतिक वन संपदा की दृष्टि से उत्तर प्रदेश में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। अनुकूली पुन: उपयोग के अंतर्गत निजी निवेश द्वारा प्रदेश सरकार के 01 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी के लक्ष्य प्राप्ति की परिकल्पना में मददगार होगा। प्रदेश के प्राचीन तथा विरासत भवनों को एडाप्टिव री-यूज के अंतर्गत सार्वजनिक निजी सहभागिता पीपीपी मॉडल पर हेरिटेज होटल, रिजार्ट, म्यूजियम, माइस एवं टूरिज्म

● छतर मंजिल, चुनार किला और बरुआसागर किला को पीपीपी मोड पर विकसित करने की मिली मंजूरी

हॉस्पिटैलिटी आदि पर्यटन इकाई के रूप में विकसित की जाएगी। पहले से तीन परिसंपत्तियों बरसाना जल महल मथुरा, कोठी, रोशन-उद-दौला लखनऊ और शुक्ला तालाब के सन्निकट बारादरी कानपुर को पीपीपी के तहत विकसित किया जा रहा है। जयवीर सिंह ने बताया कि लखनऊ में 5.55 एकड़ में स्थित छतर मंजिल, मीरजापुर जिले में 21.94 एकड़ में स्थित चुनार किला और झांसी जिले में 7.39 एकड़ में स्थित बरुआ सागर किला को पीपीपी मोड पर दिया जा रहा है। इसकी निविदा पूरी हो चुकी है। इन्हें पहले 30 वर्षों, फिर 30-30 वर्षों के लिए दो बार नवीनीकरण किया जा सकेगा, जिसकी अधिकतम सीमा 90 वर्ष होगी। उन्होंने बताया कि चयनित निविदादाताओं द्वारा विरासत भवन में स्थलों को संरक्षित करते हुए पौराणिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को पर्यटकों एवं जन सामान्य के मध्य प्रसारित किया जाएगा। विरासत भवनों या किलों में स्थित धार्मिक स्थलों का विकास एवं जीर्णोद्धार और संपर्क मार्ग का निर्माण किया जाएगा। चयनित निविदादाताओं द्वारा स्थानीय विकास और रोजगार सृजन हेतु समीपवर्ती गांव को गोद लिया जाएगा तथा यहां के समुचित विकास हेतु कार्य किए जाएंगे। 25 प्रतिशत स्थानीय नागरिकों को रोजगार दिया जाएगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) प्रदर्शित करने के लिए मार्ट विकसित किया जाएगा। इसके विरासत सपंत्ति के ऐतिहासिक महत्व को प्रदर्शित करने के लिए डिस्प्ले एरिया भी विकसित की जाएगी, जो कि जन सामान्य के लिए खुला रहेगा।

पर्यटकों को यहां स्थानीय व्यंजन भी उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि बागपत जिले में पीपीपी मोड पर योग और आरोग्य केंद्र की स्थापना कराई जाएगी। इसके निर्माण के लिए कैबिनेट ने 68.40 हेक्टेयर भूमि क्रय किए जाने तथा ग्राम सभा की 1.069 हेक्टेयर भूमि को पर्यटन विभाग को निशुल्क हस्तांतरित करने की मंजूरी दी है।

पशुपालन डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स से संवरेगी यूपी के ग्रामीण युवाओं की तकदीर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में पशुपालन डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स की नीति तैयार करने का फैसला

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी मंत्रीपरिषद ने सोमवार को राज्य में पशुपालन और परापशुचिकित्सा के क्षेत्र में डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करने के लिए नीति तैयार करने का फैसला लिया है। यह पहल ग्रामीण इलाकों में पशु चिकित्सा सेवाओं को मजबूत करने और पशु चिकित्सा विज्ञान में प्रशिक्षित पैरावेट्स की संख्या बढ़ाने के उद्देश्य से की जा रही है। इस नई नीति के तहत राज्य में निजी संग सरकारी संस्थानों में पशुपालन डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स संचालित किए जा सकेंगे, जिससे पैरावेट्स को जरूरी प्रशिक्षण और कौशल विकास में सहायता मिलेगी।

प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को लोकभवन में इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में पैरावेट्स की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां पशु चिकित्सकों की संख्या सीमित है। पूरे देश में लगभग 34,500 पशु चिकित्सक हैं, जबकि उत्तर प्रदेश में वर्तमान में मात्र 8,193 पशु चिकित्सक ही उपलब्ध हैं। इस कमी के कारण पैरावेट्स को कई बार टीकाकरण, घावों की पट्टी, प्राथमिक उपचार और देखभाल जैसे कार्यों में पशु चिकित्सकों के पर्यवेक्षण में सहायक भूमिका निभानी पड़ती है। ग्रामीण क्षेत्रों में पैरावेट्स को पशु स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तैयार किया जाता है, लेकिन संसाधनों की कमी और अपर्याप्त प्रशिक्षण के कारण वे कई प्रकार की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

पशुधन मंत्री ने बताया कि बेहतर पशु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए पैरावेट्स के प्रशिक्षण और कौशल में वृद्धि की आवश्यकता को देखते हुए योगी सरकार ने डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से उन्हें प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है। इस नीति के तहत पैरावेट्स को टीकाकरण, प्राथमिक चिकित्सा, घावों की देखभाल और पशु स्वास्थ्य सेवाओं के अन्य आवश्यक पहलुओं में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह कदम पशुपालन और परापशुचिकित्सा के क्षेत्र में एक नई दिशा प्रदान करेगा और पैरावेट्स को पेशेवर रूप से सशक्त बनाएगा।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पशुपालन के क्षेत्र में कार्यरत मुख्य संस्थान पं. दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा है। इसके अलावा, आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कुमारगंज और सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मेरठ भी पशु चिकित्सा महाविद्यालय संचालित कर रहे हैं। अब इन विश्वविद्यालयों द्वारा निजी महाविद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान करने के मानक तय किए जाएंगे, जिससे निजी क्षेत्रों में भी पशुपालन और परापशुचिकित्सा के पाठ्यक्रम संचालित हो सकें।

नीति के क्रियान्वयन के लिए विशेषज्ञ समिति गठित

योगी सरकार ने नीति तैयार करने के लिए पशुधन विभाग के विशेष सचिव की अध्यक्षता में चार सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। समिति ने विस्तृत अध्ययन के बाद एक रिपोर्ट तैयार की है, जिसके आधार पर राज्य में परापशुचिकित्सा और पशुपालन से जुड़े कोर्स की नीति बनाई गई है। इस नीति के तहत संस्थानों की सम्बद्धता, पाठ्यक्रमों की एकरूपता और मानक निर्धारण किया जाएगा।

पशुधन मंत्री के अनुसार योगी सरकार की ये नीति केवल सरकारी संस्थानों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि निजी महाविद्यालयों में भी इन पाठ्यक्रमों का संचालन संभव होगा। इस कदम से ग्रामीण इलाकों में पैरावेट्स की संख्या बढ़ेगी और वे पशु चिकित्सा सेवाओं में अधिक योगदान दे सकेंगे। राज्य सरकार का यह निर्णय प्रदेश के पशु पालन और कृषि क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा। योगी सरकार का यह निर्णय पशुपालन क्षेत्र में एक नई दिशा तय करेगा और ग्रामीण इलाकों में पशु चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को बढ़ाएगा।

झारखंड से चुनावी दौरे का आगाज करेंगे सीएम योगी

● आज झारखंड में तीन विधानसभा क्षेत्र में भाजपा व सहयोगी दलों के लिए मांगेंगे वोट

पायनियर समाचार सेवा। लखऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव के साथ ही झारखंड व महाराष्ट्र में भी काफी डिमांड है। सीएम योगी मंगलवार से चुनावी दौरे पर उतरेंगे। पहले दिन वे झारखंड के चुनावी दौरे पर रहेंगे। सीएम योगी की पहली जनसभा कोडरमा विधानसभा क्षेत्र की प्रत्याशी के लिए होगी। वे यहां तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। तीसरी जनसभा में सीएम योगी चार प्रत्याशियों के लिए एक साथ वोट मांगेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली जनसभा मंगलवार को कोडरमा विधानसभा क्षेत्र में होगी। यहां से भाजपा उम्मीदवार डॉ. नीरा यादव के पक्ष में सीएम योगी चंद्रावती स्कूल ग्राउंड, डोमचांच में वोट मांगेंगे। सीएम योगी की दूसरी जनसभा बरकागांव विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार के लिए होगी। भाजपा ने यहां से रोशन लाल चौधरी को टिकट दिया है। सीएम योगी की तीसरी जनसभा आमबागान ग्राउंड जमशेदपुर में होगी। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जमशेदपुर पूर्वी से भाजपा प्रत्याशी पूर्णिमा दास साहू, जमेशदपुर पश्चिमी से प्रत्याशी सरयू रॉय, पोटका से उम्मीदवार मीरा मुंडा और जुगसलाई से उम्मीदवार रामचंद्र सहिस के पक्ष में वोट मांगकर कमल पर बटन दबाने की अपील करेंगे।

स्वास्थ्य, शिक्षा व कानून-व्यवस्था सहित सभी मोर्चे पर यूपी सरकार फेल: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने पूरी व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, कानून व्यवस्था के हर मोर्चे पर सरकार फेल है। शासन-प्रशासन अकर्मण्यता का शिकार है। डेंगू, मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियों से राजधानी लखनऊ समेत प्रदेश के तमाम शहरी इलाके बेहाल हैं। लखनऊ के अस्पतालों में डेढ़ हजार से ज्यादा बुखार के मरीज भर्ती हैं। लखनऊ में अब तक बड़ी संख्या में लोग डेंगू और मलेरिया की चपेट में आ चुके हैं। साफ-सफाई के अभाव में मच्छर जनित बीमारियां बढ़ती जा रही है। 03 नवम्बर 2024 तक मिले डेंगू के मरीजों का आंकड़ा 2111 तक पहुंच गया है।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में ही प्लेटलेट को लेकर मारामारी है तो अन्य जिलों की स्थिति क्या होगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। भाजपा सरकार में स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त है। टीबी जैसे रोग के 86 प्रतिशत मरीज उत्तर प्रदेश में हैं। प्रदेश में 31 अक्टूबर तक 5 लाख 59 हजार टीबी मरीजों की पहचान की जा चुकी है। मलेरिया के जनवरी से अब तक 475 मरीज मिल चुके हैं। सरकारी अस्पतालों के इंतजाम नाकाफी है। लोग मजबूरी में निजी अस्पतालों में जाने के लिए विवश है। मरीजों से निजी ब्लड बैंक मनमानी वसूली कर रहे हैं।

सपा ने आयोग से की कुंदरकी व मैनाठेर के थानाध्यक्षों को मुरादाबाद से से बाहर स्थानान्तरित करने की मांग

लखनऊ। सपा अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन देकर मुरादाबाद 29-कुन्दरकी विधान सभा उप-चुनाव क्षेत्र में पुलिस थाना कुन्दरकी के थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सेहरावत व पुलिस थाना मैनाठेर के थानाध्यक्ष किरनपाल सिंह को तत्काल प्रभाव से जनपद से बाहर स्थानान्तरित कराने की मांग की है ताकि स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव हो सके। ज्ञापन में आरोप लगाया है कि थाना कुन्दरकी थानाध्यक्ष मतदाताओं के घर-घर जाकर उन्हें घर से उठा ले जाकर गॉव से बाहर सुनसान जगह में प्रताड़ित करते है और मतदान के दिन जनपद से बाहर अजमेर चले जाने के लिए दबाव बनाते है, इन्कार करने पर फर्जी मुकद्मों में फंसाने, जेल भिजवाने, मकान पर बुलडोजर चलवाने की धमकी दे रहे है। थाना मैनाठेर के थानाध्यक्ष मतदाताओं को पुलिस थाना में बुलाकर मोबाइल बाहर रखवाकर चुनाव प्रचार से दूर रहने के लिए चेतावनी व धमकी दे रहे है, कहते है कि जान बचानी है तो भाजपा के लिए प्रचार एवं मतदान जरूरी है। ज्ञापन के अनुसार थाना कुन्दरकी के थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सेहरावत व थाना मैनाठेर के पुलिस थानाध्यक्ष किरणपाल सिंह द्वारा पूरे निर्वाचन क्षेत्र में भय का वातावरण बना दिया गया है। पुलिस कर्मियों का तांडव जारी है, मतदाता भयभीत हो गये है इससे चुनाव प्रभावित हो रहा है निष्पक्ष चुनाव सम्भव नहीं है।

सपा प्रमुख ने अल्मोड़ा बस हादसे में हुई मौतों पर दुख जताया

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा में एक यात्री बस के 150 फीट गहरी खाई में गिरने से तीन दर्जन मौतों और कई यात्रियों के घायल होने पर गहरा दुख जताते हुए दिवंगत आत्माओं की शांति की प्रार्थना करते हुए संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। अखिलेश यादव ने उत्तराखण्ड सरकार से मृतक आश्रितों को उचित मुआवजा देने और घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था किये जाने की मांग की है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं के लिए मोदी सरकार की सुरक्षा नीति जिम्मेदार: प्रमोद तिवारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने जम्मू कश्मीर में लगातार खौफनाक आतंकी घटनाओं को लेकर मोदी सरकार की सुरक्षा नीति को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होने कहा कि केन्द्र के हाथों में जम्मू कश्मीर की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा उठी है। तिवारी ने राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में इस विफलता के लिए पीएम मोदी की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्हे एक कमजोर तथा असफल प्रधानमंत्री भी करार दिया है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने कहा था कि नोटबंदी से बाहर का पैसा नहीं आ सकेगा और इससे आतंकवाद पर लगाम लगेगा। यही नहीं धारा तीन सौ सत्तर को लेकर भी प्रधानमंत्री ने इसके हटने पर आतंकवाद के खात्मे का दावा किया था। उन्होनें सवाल उठाया कि आखिर मोदी सरकार बताये कि जो आतंकवाद वहां सिर्फ कुछ जिलों व अंचलों में सीमित था वह बढकर घाटी तक कैसे आ पहुंचा। उन्होंने कहा कि आतंकवाद की चपेट में उत्तर प्रदेश तथा बिहार समेत कई राज्यों के मजदूर कीमत चुका रहे है। तिवारी ने कड़े अंदाज में कहा कि आतंकवाद का दुस्साहस अब तो भारत की सेना के वाहनों तक पर हमले के जरिए निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के संडे बाजार में ताजा आतंकी विस्फोट को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद चिंताजनक करार दिया। वहीं उन्होंने कनाडा में दीपावली के त्यौहार पर वहां की बैंम्पटन शहर में हिन्दू मंदिरों पर हुए हमले की भी कड़ी निन्दा की। उन्होने कहा कि कनाडा की इस दिल दहला देने वाली घटना से यह तस्वीर भी साफ हो गयी है कि मोदी सरकार ने अर्थव्यवस्था की नीति चौपट करते हुए अब विदेश नीति को भी बर्बाद कर दिया है।

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 5 नवंबर 2024

बुजुर्ग ने सीएम से लगाई गुहार तो रविवार को बैंक खोलकर मिली मदद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● **पत्नी के देहांत के बाद ज्वाइंट अकाउंट से पैसे निकालने के लिए कई दिनों से बैंक के लगा रहे थे चक्कर बुजुर्ग**

योगी सरकार की सीएम हेल्पलाइन (1076) प्रदेशवासियों की समस्याओं के निस्तारण में अहम भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सतत मॉनीटरिंग का नतीजा है कि कई मामलों में सीएम हेल्पलाइन के जरिये प्रदेशवासियों की समस्याओं का निस्तारण कुछ ही घंटों में किया जा रहा है। इसका ताजा उदाहरण राजधानी के इंदिरानगर के एक बुजुर्ग की समस्या का निस्तारण में देखा भी गया, जिनकी समस्या का निस्तारण कुछ ही घंटों में कर दिया गया। इतना ही नहीं बुजुर्ग की समस्या के निस्तारण के लिए मुख्य सचिव ने संज्ञान लिया तो संडे को बैंक खोलकर बैंक अधिकारियों मामले का निपटारा किया और अकाउंट से पैसे निकालकर दिये जबकि इसके लिए बुजुर्ग काफी दिनों से बैंक के चक्कर लगा रहे थे।

राजधानी के इंदिरानगर स्थित कैलाशपुरी निवासी मुकेश कुमार ने बताया कि उनके पिता सोहनलाल और माता राजेश्वरी का एक बैंक में ज्वाइंट अकाउंट था। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले इलाज के दौरान उनकी माता का देहांत हो गया। मुकेश ने बताया कि पिता सोहनलाल को पैसे की जरूरत थी। इस पर वह बैंक गये और पत्नी के देहांत की सूचना के साथ पैसे निकालने के लिए चेक दी। वहीं बैंक अधिकारियों ने ज्वाइंट अकाउंट से पैसे न निकलने की बात कही। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी का देहांत हो गया है, ऐसे में उन्हें कुछ कागजी कार्रवाई करनी होगी, इसके बाद ही ज्वाइंट अकाउंट से पैसे निकल पाएंगे। बुजुर्ग सोहनलाल ने बताया कि बैंक अधिकारियों द्वारा जो भी कागजी कार्रवाई बतायी गयी, उसे पूरा किया गया। इसके बाद भी पैसे नहीं निकल सके। उन्होंने वजह पूछी तो अधिकारियों ने बताया कि प्रोसेस में समय लग रहा है। इसके बाद सोहनलाल लगातार कई दिनों तक बैंक के चक्कर लगाते रहे, लेकिन पैसे नहीं मिले। इससे परेशान होकर बुजुर्ग ने 26 अक्टूबर शाम को सीएम हेल्पलाइन (1076) पर अपनी समस्या बतायी। साथ ही पैसे की जरूरत की बात कही। इस पर सीएम हेल्पलाइन के अधिकारियों ने उनकी समस्या के जल्द निस्तारण की बात कही।

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सीएम हेल्पलाइन पर सोहनलाल की समस्या के बारे में बताया। इस पर उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को बैंक के जीएम और मैनेजर से संपर्क कर तत्काल समस्या के निस्तारण के निर्देश दिये। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के हस्तक्षेप के बाद बैंक अधिकारियों ने सोहनलाल की समस्या का कुछ ही घंटों में निस्तारण कर दिया, जबकि इसके लिए वह काफी दिनों से बैंक के चक्कर लगा रहे थे। इतना ही नहीं मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के निर्देश पर बैंक अधिकारियों ने रविवार को बैंक खोलकर सोहनलाल को पैसे दिये। इस पर सोहनलाल और उनके परिवार की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने योगी सरकार की सीएम हेल्पलाइन की तारीफ कर मुख्य सचिव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति अपना आभार व्यक्त किया।

घाटों व पूजा स्थलों पर पर्याप्त संख्या में लगाई जाए पुलिस कर्मियों की ड्यूटीः प्रशांत कुमार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● **डीजीपी ने छठ पूजा पर प्रदेशभर में सुरक्षा इंतजाम चाक-चौबंद करने के अफसरों को निर्देश दिए**

डीजीपी ने छठ पूजा पर प्रदेशभर में सुरक्षा इंतजाम चाक-चौबंद करने के फील्ड में तैनात सभी पुलिस अफसरों को निर्देश दिए हैं।

अपने निर्देशों में डीजीपी ने कहा है कि छठ पर्व के अवसर पर घाटों/पूजा स्थलों, नदियों/तालाबों/जलाशयों पर महिलाओं के अतिरिक्त बड़ी संख्या में पुरुष एवं बच्चे आदि एकत्रित होते है, जिनकी सुरक्षा व्यवस्था हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगायी जाए तथा प्रकाश/ साफ-सफाई, गोताखोरों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सार्वजनिक व भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत सादे वस्त्रों में महिला व पुरुष पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगायी जाए तथा एण्टी रोमियो स्क्वायड को सक्रिय रखा जाए। पर्व के दौरान प्रमुख घाटों पर लोग पटाखे इत्यादि भी छुड़ाते है, सुरक्षा के दृष्टिगत अग्नि शमन की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

छठ पर्व के अवसर पर काफी संख्या में लोगों का ट्रेन व बसों के माध्यम से आवागमन रहता है, जिसके दृष्टिगत इस ओर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस सम्बन्ध में पूर्व से ही कार्य योजना तैयार कर ली जाये तथा रेलवे स्टेशनों एवं बस अड्डों पर सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस प्रबन्ध किये जाये। सार्वजनिक जगहों तथा भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर फुट पेट्रोलिंग की जाये तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल लगाया जाये, जिससे कि आम जनमानस में पुलिस की सक्रियता परिलक्षित हो।

स्थानीय अभिसूचना इकाई के अधिकारियों /कर्मचारियों को सतर्क रखा जाय तथा असामाजिक एवं अवॉछनीय तत्वों की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाय एवं अभिसूचना इकाईयों के माध्यम से प्राप्त होने वाली लाभप्रद सूचनाओं के आधार पर प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मो की सघन मॉनीटरिंग की जाय तथा किसी भी प्रकार के आपत्ति जनक/ भ्रामक पोस्टों का तत्काल संज्ञान लेते हुए उनका खण्डन कर वैधानिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

बहराइच ध्वस्तीकरण मामले में अब कल होगी सुनवाई

विधि संवाददाता। लखनऊ

बहराइच के महाराजगंज में लोक निर्माण विभाग की सड़क पर कथित अतिक्रमण को हटाने के विरुद्ध दाखिल जनहित याचिका पर सोमवार को वकीलों के न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में सुनवाई नहीं हो सकी। जस्टिस एआर मसूदी एवम जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ के समक्ष अब इस मामले की सुनवाई बुधवार के लिए सूचीबद्ध की गई है। दूसरी तरफ राज्य सरकार की ओर से इस याचिका को खारिज करने की अर्जी जवाबी हलफनामे के साथ दाखिल कर दी गई है।

पीठ ने एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स की इस जनहित याचिका पर पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान ध्वस्तीकरण की नोटिस से प्रभावित लोगों को जवाब देने के लिए 15 दिन का समय देने का आदेश दिया था। साथ ही मुख्य स्थाई अधिवक्ता को आदेश दिया था कि वह मामले में सरकार से विस्तृत निर्देश प्राप्त करें कि जिस सड़क पर कथित अतिक्रमण का आरोप है, उस सड़क की कैटेगरी क्या है। क्या यह एक मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड है या अन्य किसी प्रकार की सड़क है। पीठ ने इस संबंध में भी अवगत कराने को कहा था कि कुंडसार-महसी-नानपारा-महाराजगंज रोड के किलोमीटर 38 पर कितने घर बने हैं और इस सड़क के संबंध में कौन से नियम लागू होते हैं।

मुख्य सचिव के समक्ष एचसीएल फाउंडेशन और यूपी सरकार के मध्य हुआ एमओयू

● **संडीला में सरकारी पशु चिकित्सा अस्पताल को कृत्रिम गर्भाधान और पशुपालन विस्तार सेवा केंद्र के रूप में किया जाएगा विकसित**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के समक्ष हरदोई में पशु चिकित्सा सेवाओं को बढ़ाने के लिए एचसीएल फाउंडेशन और यूपी सरकार के मध्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान उत्तर प्रदेश सरकार के पशुपालन विभाग के प्रमुख सचिव के. रविन्द्र नायक और एचसीएल फाउंडेशन के समुदाय और माई क्लीन सिटी के परियोजना निदेशक आलोक वर्मा द्वारा किया गया। एमओयू के तहत हरदोई के संडीला में सरकारी पशु चिकित्सा अस्पताल को कृत्रिम गर्भाधान और पशुपालन विस्तार सेवा (सीएएईएस) के केंद्र के रूप में विकसित किया जायेगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि आज का दिन ग्रामीण डेयरी विकास और पशु स्वास्थ्य को बढ़ाने में एक बड़ी प्रगति का प्रतीक है। एचसीएल फाउंडेशन के साथ यह सहयोग किसानों को सुलभ, उच्च गुणवत्ता वाली पशु चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पशुधन कल्याण और उत्पादकता में सुधार करने तथा सतत विकास को बढ़ावा देने में पशु अस्पताल एक प्रमुख भूमिका निभायेगा। एचसीएल फाउंडेशन में समुदाय और माई क्लीन सिटी के परियोजना निदेशक आलोक वर्मा ने बताया कि हम सतत डेयरी विकास के माध्यम से ग्रामीण आजीविका में सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस समझौता ज्ञापन के तहत एचसीएल फाउंडेशन सीएएईएस बनाएगा और डेयरी किसानों को उन्नत पशुपालन प्रथाओं और पशु चिकित्सा सेवाओं के साथ सहायता करेगा। हमारा लक्ष्य पशु उत्पादकता को बढ़ावा देना, दूध की गुणवत्ता में सुधार करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। इस पहल का उद्देश्य पशुधन और किसानों दोनों के लिए स्थायी परिवर्तन को बढ़ावा देना है। एमओयू का मुख्य उद्देश्य अस्पताल की तकनीकी क्षमता को बढ़ाना है, जिसमें यूएसजी और एक्स-रे सुविधाओं के साथ-साथ पैथोलॉजिकल और डायग्नोस्टिक सेवाओं की स्थापना भी शामिल है, जिससे स्थानीय पशुपालन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर मुख्य सचिव ने डेयरी किसानों के लिए बेहतर पशु प्रबंधन प्रथाओं पर एचसीएल फाउंडेशन की एक प्रशिक्षण पुस्तिका का अनावरण किया। इस अवसर पर हरदोई के मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अशोक कुमार भी मौजूद थे।

प्रदेश में किसी भी तालाब में न डाला जाए अशोधित जलः मनोज कुमार सिंह

लखनऊ। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि एक शहर में एक टेंडर ही किया जाए। अमृत 1.0 के तहत जो प्रोजेक्ट चल रहे हैं, उसमें शत प्रतिशत परिवारों को नल कनेक्शन मिलना चाहिए। किसी भी तालाब में अशोधित जल (अनट्रीटेड वाटर) नहीं जाना चाहिए। मुख्य सचिव सोमवार को अमृत 2.0 की राज्य स्तरीय उच्चाधिकार संचालन समिति (एसएचपीएससी) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।बैठक में अमृत 2.0 की 27 परियोजनाओं की डीपीआर को अनुमोदन प्रदान किया गया। डीपीआर की कुल लागत 133667.12 लाख है, जिसमें 104010.15 लाख रुपये कैपेक्स और 29656.97 लाख रुपए ओएण्डएम शामिल है। इन परियोजनाओं के पूरा होने पर 1,76,394 हाउसहोल्डस को कनेक्शन प्राप्त होगा। इसी क्रम में अमृत 2.0 में 16 वाटर बॉडी रीजुविनेशन के डीपीआर को बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई, जिसकी कुल लागत 2783.77 लाख रुपये है। इसके अलावा अमृत 2.0 में 5 पार्क एण्ड ग्रीन स्पेस प्रोजेक्ट्स को अनुमोदन प्रदान किया गया, जिसकी कुल लागत 2107.54 लाख रुपये है। इसमें केतकी फ्लावर वाले मेहंदी बाग पार्क का संरक्षण (मोहम्मदी-खीरी), बाबू कल्याण सिंह मेमोरियल पार्क (छिबरामऊ-कन्नौज), मैंगो पार्क कली पश्चिम (लखनऊ), ग्रीन स्पेस डेवलपमेंट दुर्गा मंदिर से जानकी घाट के मध्य (मऊ) तथा परधा में अम्बेडकर पार्क का विकास (मऊ) शामिल है। अनुमोदित 27 परियोजनाओं के डीपीआर में गौतमबुद्ध नगर में धनकौर नगर पंचायत पुनर्गठन जल आपूर्ति योजना, राबूपुर नगर पंचायत पुनर्गठन जल आपूर्ति योजना, नगर पंचायत पुनर्गठ जल आपूर्ति योजना बिलासपुर तथा जहांगीरपुर नगर पंचायत जल आपूर्ति योजना शामिल है।

रिटायर डीजी सुबेश कुमार के निधन पर पुलिस मुख्यालय में हुई शोकसभा

● **डीजीपी सहित वरिष्ठ पुलिस अफसरों ने अर्पित की श्रद्धांजलि**

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सेवानिवृत्त डीजी सुबेश कुमार सिंह के निधन पर गोमतीनगर विस्तार स्थित पुलिस मुख्यालय में शोकसभा का आयोजन किया गया। उनका निधन बीती 29 अक्टूबर को हो गया है। शोकसभा में डीजीपी प्रशान्त कुमार सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा दिवंगत पुलिस अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सुबेश कुमार सिंह का जन्म 3 जनवरी 1956 को भागलपुर (बिहार) में हुआ था। सुबेश कुमार सिंह वर्ष 1984 में भारतीय पुलिस सेवा में चयनित हुए। प्रशिक्षण के उपरान्त सुबेश कुमार सिंह, सहायक पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर एवं अपर पुलिस अधीक्षक जनपद वाराणसी, पुलिस अधीक्षक जनपद पिथौरागढ़, मऊ, जौनपुर, देहरादून, उप्र पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद, सेनानायक 9 वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद, 11 वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर, 35वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद फैजाबाद, गोरखपुर, फतेहगढ़, मेरठ, इलाहाबाद, लखनऊ, आगरा के पदों पर नियुक्त रहे। वर्ष 2000 में पुलिस उप महानिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत होने के उपरान्त पुलिस उप महानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र, अभिसूचना लखनऊ एवं भ्रष्टाचार निवारण संगठन उप्र के पद पर नियुक्त रहते हुए वर्ष 2002 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर प्रस्थान किये। वर्ष 2010 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आने के पश्चात पुलिस महानिरीक्षक इलाहाबाद परिक्षेत्र, लखनऊ परिक्षेत्र, एसटीएफ के पदों पर नियुक्त रहे। वर्ष 2011 में अपर पुलिस महानिदेशक के पद पर प्रोन्नत होने के उपरान्त अपर पुलिस महानिदेशक, अपराध एवं कानून-व्यवस्था उप्र, प्रशिक्षण निदेशालय उप्र के पदों पर नियुक्त रहे। वर्ष 2015 में पुलिस महानिदेशक के पद पर प्रोन्नत होने के उपरान्त पुलिस महानिदेशक, आर्थिक अपराध अनुसंधान विभाग, उप्र के पद पर नियुक्त रहते हुए जनवरी 2016 में अधिवर्षता आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्त हुए।

जेसी बोस वार्ड सहित तीनों जोनों से वसूला गया 4.56 लाख का गृहकर

लखनऊ। शहर में बकाया भवन स्वामियों की कुर्की एवं सीलिंग की गयी। हजरतगंज के जेसी बोस वार्ड सहित तीन जोन में बकाया गृहस्वामियों क ा गृहकर जमा न करने पर जोनल अधिकारी द्वारा कार्रवाई की गयी। अभियान में कर इंस्पेक्टरों द्वारा 13 भवनों पर कार्रवारं करते हुए 4.56 लाख रुपए का भवनकर जमा किया गया। सोमवार को नगर निगम ने बकाया गृहकर पर भवनस्वामियों पर कार्रवाई की। नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह के निर्देश पर लाखों रुपए की बकाएदारी पर भवनस्वामियों से गृहकर वसूलने का अभियन चलाया। हजरतगंज के कर इंस्पेक्टर ने जेसीबोस वार्ड में भवन संख्या 126/14 बीएन रोड क ा बकाया गृहकर वसूलने पहुंचे। मकान मालिक मनीष मल्होत्रा द्वारा गृहकर 3,11,420 रुपए जमा न करने पर सीलिंग कार्रवाई की गयी। अभियान में तीन जोनो की टीमो ने कुल 13 भवनों पर सीलिंग कार्यवाही की।

गरीबों को भोजन व वस्त्र देकर मनाया गया आध्यात्मिक गुरु का जन्म दिन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

'सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर' की आध्यात्मिक गुरु दिव्य शक्ति मां पूनम का जन्मोत्सव सोमवार को 'सत्य प्रेम विश्वास दिवस' के रूप में मनाया गया। इस मौके पर प्रदेश के ही नहीं देश के श्रद्धालुजनों ने हिस्सा लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

प्रवक्ता ने बताया कि शक्ति मां पूनम वाणी समिति,वाणी प्रचार समिति,सत्यतीर्थ पशु पक्षी संरक्षण केंद्र,सत्यतीर्थ आश्रम निर्माण कोष संचालन समिति,वाणी पब्लिकेशन, भक्तवत्सल श्री कृष्ण मासिक पत्रिका की अध्यक्षा भी हैं। उन्होंने बताया जन्मोत्सव पर लखनऊ के सिद्ध शक्तिपीठ सत्य मंदिर में एवं अपने-अपने शहरों में रहने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को भोजन एवं वस्त्र वितरित किया और विभिन्न स्थानों पर स्टॉल लगाकर जनमानस को मांसाहार छोड़ने एवं शाकाहार अपनाने के लिए प्रेरित किया। जिससे प्रेरणा पाकर कई लोगों ने मांसाहार त्यागने का भी संकल्प लिया। आध्यात्मिक गुरु शक्ति मां एवं दिव्य शक्ति योगीराज अभिनव महाराज के नेतृत्व में चल रहे अनेक जागरूकता अभियानों से समाज के हर वर्ग पर चमत्कारिक प्रभाव पड़ा है लोगों ने जाति प्रथा अंधविश्वास की बेडियो को ही नहीं काटा है, बल्कि दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को भी छोड़ा है। ह्यूमैनिटी फाउंडेशन ऑफ इंडिया पिछले 25 वर्षों से मानवता के उत्थान के लिए सतत प्रयत्नशील है।

डीएम को सुनाई फरियाद, आपबीती बताकर फफक पड़े बुजुर्ग माता प्रसाद

संवाददाता। मोहनलालगंज

● **नपाई के लिए दौड़ा रहे कानूनगो की डीएम से शिकायत फूट फूट कर रोए बुजुर्ग**

कागजों में मृतक दर्शाए गए बुजुर्ग भाजपा नेता माता प्रसाद ने सोमवार को डीएम सूर्यपाल गंगवार और सीडीओ अजय जैन से मिलकर न्याय की गुहार लगाई। अफसरों ने बुजुर्ग की आपबीती सुनकर जिला समाज कल्याण अधिकारी को फौरन उनकी पेंशन दोबारा शुरू कराने की हिदायत दी। जबकि बीडीओ से पूरे मामले की जांच रिपोर्ट तलब की गई है। उधर शिकायत के फर्जी निस्तारण को लेकर डीएम ने एक्सइएन को फटकार कर बिजली विभाग के जेई को शोकाज नोटिस देने के निर्देश दिए। जबकि बंटवारे में मिली जमीन की नपाई के लिए बुजुर्ग को दौड़ाने पर डीएम ने कानूनगो से गहरी नाराजगी जताई।

मोहनलालगंज तहसील में सोमवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में भद्दी सिर्स निवासी बुजुर्ग भाजपा नेता माता प्रसाद डीएम सूर्यपाल गंगवार और सीडीओ अजय जैन को वृद्धावस्था पेंशन का स्टेटस दिखाते हुए फफक पड़े। माता प्रसाद ने आरोप लगाया कि पेंशन सत्यापन में उन्हें फर्जी तरीके से मृतक दर्शा दिया गया। जिससे दीपावली पर उन्हें पेंशन नही मिल सकी। माता प्रसाद ने कहा 25 अक्टूबर से लगातार शिकायत करने बावजूद ब्लॉक अधिकारी उन्हें न्याय दिलाने के बजाए जांच कराने का आश्वासन देकर टरका रहे हैं। सीडीओ अजय जैन ने फौरन जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनीता सिंह को बुलाकर चौबीस घण्टे में पेंशन पोर्टल पर बुजुर्ग की पेंशन सत्यापन रिपोर्ट दुरुस्त कराने की हिदायत दी। जबकि बीडीओ आशुतोष श्रीवास्तव से मंगलवार तक पूरे मामले की जांच रिपोर्ट तलब की है। शेरपुर लवल निवासी अधिवक्ता रामस्वरूप रावत ने बिजली के जर्जर पोल को दुरुस्त कराए बिना ही आईजीआरएस पर शिकायत का फर्जी निस्तारण करने का आरोप लगाया। रामस्वरूप ने डीएम को आईजीआरएस की निस्तारण रिपोर्ट और टेढ़े पोल की फोटो भी दिखाई। जिसे लेकर नाराज डीएम सूर्यपाल गंगवार ने एक्सइएन श्रवण कुमार सिंह को फटकार लगाकर जेई से स्पष्टीकरण तलब कर कार्रवाई के निर्देश दिए। खुझौली निवासी बुजुर्ग वंशीलाल डीएम को फरियाद सुनाते हुए बिलख पड़े। वंशीलाल ने बताया 28 फरवरी को एसडीएम कोर्ट से बंटवारे का आदेश हो चुका है। तब से लगातार तहसील के चक्कर काट रहा हूं लेकिन कानूनगो नपाई के लिए तारीख पर तारीख देकर दौड़ा रहे हैं। नाराज डीएम ने फटकार लगाकर कानूनगो को फौरन बुजुर्ग की समस्या दूर करने की हिदायत दी।

बिजली कनेक्शन दे रहे न हटा रहे पोलः मोहनलालगंज कस्बा निवासी अजय गुप्ता ने डीएम सूर्यपाल गंगवार से उनके भवन के पास खतरनाक स्थिति में लगे पोल को हटाने के लिए स्टीमेट जमा करने के लिए तैयार होने के बावजूद विद्युत विभाग द्वारा पोल नही हटाए जाने की शिकायत दर्ज कराई। अजय गुप्ता ने अधिकारियों पर बिजली कनेक्शन नही देने का भी आरोप लगाया। नाराज डीएम ने एक्सइएन को तलबकर फौरन पोल हटाने और कनेक्शन देने के निर्देश दिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर 41 प्रकरण मौके पर निस्तारित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीएम ने गुणवत्तापूर्ण, निश्चित समयावधि में शिकायतों को निस्तारित करने के दिए निर्देश

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तहसील मोहनलालगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी द्वारा शिकायतों का निस्तारण करके शिकायतकर्ताओं को जानकारी देने के निर्देश दिए गए। साथ निश्चित समय में गुणवत्तापूर्ण शिकायतों के निस्तारण करने के लिए कहा गया। पांचो तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 173 प्रकरण प्राप्त हुए, 41 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर किया गया।

सोमवार को जिलाधिकारी सूर्य पाल गंगवार ने बताया कि जनपद की पांचों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किये । जिलाधिकारी ने कहा कि जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना सरकार की प्राथमिकता है जिसमें तहसील व थानों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया जाता है। इसमें स्थानीय नागरिक उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का समाधान करा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनता की इन शिकायतों का निस्तारण त्वरित एवं समयबद्ध तरीके से एक सप्ताह में करना सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में यदि कोई समस्या है तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए अवगत कराना सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का वरिष्ठ अधिकारी मौके पर जाकर जांच कर गुणवत्तापूर्वक निस्तारण करायें। साथ ही निस्तारण में लापरवाही बरती गयी है तो सम्बन्धित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी। तहसील मोहनलालगंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 75 प्रकरण प्राप्त हुये, जिसमें से 32 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों को निस्तारण के लिए सम्बन्धित विभागों को इस निर्देश के साथ उपलब्ध करा दिये गये कि उनका निस्तारण एक सप्ताह में सुनिश्चित करा दिया जायें। सम्पूर्ण समाधान दिवसो में तहसील सदर में 11 में से 1 प्रकरण का निस्तारण प्रकरण, तहसील मलिहाबाद में 29 में से 5 प्रकरण का निस्तारण, तहसील बीकेटी में 27 में से 3 प्रकरण का निस्तारण, तहसील मोहनलालगंज में 83 में से 32 प्रकरण का निस्तारण और तहसील सरोजनीनगर में 23 में से 00 प्रकरण का निस्तारण मौके पर किया गया। शेष प्रकरणों को समयबद्ध निस्तारण के लिए सम्बन्धित विभागों को उपलब्ध करा दिये गये। पुलिस 23, राजस्व एवम पुलिस संयुक्त 2, राजस्व 102, विकास 15, शिक्षा 1, समाज कल्याण 4, चिकित्सा 00 तथा अन्य 26 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए है। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी तहसील मोहनलालगंज बृजेश वर्मा, तहसीलदार मोहनलालगंज, पुलिस, समाज कल्याण सहित विभिन्न स्तरों के अधिकारी उपस्थित रहे।

समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी ने सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि तहसील दिवसों और जन सुनवाई में बार बार प्रकरण आते है उनका गंभीरता से संज्ञान लिया जाए। अगर प्रकरण निस्तारण योग्य है उसको तत्काल निस्तारित करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने बताया कि अभियान चलाकर चक मार्गो को चिन्हित करते हुए उन पर यदि अतिक्रमण है तो उनको अतिक्रमण मुक्त किया जाए। साथ ही जिन क्षेत्र में प्लाटिंग चल रही है उसमे सभी लेखपाल अपने अपने क्षेत्र में शासकीय भूमियों को बोर्ड लगाकर सुरक्षित करे। जिलाधिकार ने सभी लेखपालों को निर्देश दिए कि अंश निर्धारण के कार्य को तुरंत पूरा किया जाए। अगले 15 दिनों में अभियान चला कर कार्य को पूरा किया जाए। साथ ही निर्देश दिया कि धारा 24 के लिए कानूनगोवार पैमाईश के लिए प्रतिदिन का रोस्टर प्लान बना कर उपलब्ध कराया जाए। साथ ही इस रोस्टर प्लान को पुलिस विभाग से भी साझा किया जाए। ताकि पैमाईश के दौरान पुलिस बल प्राप्त करने में असुविधा न हो।

परियोजनाओं में गड़बड़ी मिलने पर जेई से लेकर चीफ इंजीनियर तक सब की जवाबदेही तयः योगी

● एग्रीमेंट के नियमों के उल्लंघन पर कांट्रेक्टर/फर्म होगा ब्लैकलिस्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सोमवार को लोक निर्माण विभाग की विभिन्न परियोजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और निर्माणकार्यों की समयबद्धता और गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए विभिन्न आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री जी द्वारा दिए गए प्रमुख दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण की परियोजना तैयार करते समय स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखें। प्रत्येक परियोजना के लिए समयबद्धता और गुणवत्ता अनिवार्य शर्त है, इससे समझौता नहीं किया जा सकता। गड़बड़ी पर जेई से लेकर चीफ इंजीनियर तक सबकी जवाबदेही तय होगी। एग्रीमेंट के नियमों का उल्लंघन होगा तो कांट्रेक्टर/फर्म को ब्लैकलिस्ट होगा और कठोर कार्रवाई भी होगी। पेटी कॉन्ट्रेक्टर/सबलेट की व्यवस्था स्वीकार नहीं की जानी चाहिए। कार्य प्रारंभ करने और समाप्त होने की तिथि सुनिश्चित कर ली जानी चाहिए और फिर इसका कड़ाई से अनुपालन किया जाए। बजट की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। पूर्ण हो चुके कार्यों की थर्ड पार्टी ऑडिट भी कराई जाए। सड़क और सेतु हो अथवा आमजन से जुड़ी अन्य निर्माण परियोजनाएं, स्वीकृति देने से पहले उसकी लोक महत्ता का आंकलन जरूर किया जाए। विकास में संतुलन सबसे आवश्यक है। पहले आवश्यकता की परख करें, प्राथमिकता तय करें, फिर मेरिट के आधार पर किसी सड़क अथवा सेतु निर्माण की स्वीकृति दें। विकास कार्यों का लाभ सभी 75 जनपदों को मिले। दीन दयाल उपाध्याय तहसील/ब्लाक मुख्यालय योजना अंतर्गत प्रदेश के समस्त तहसील/ब्लॉक मुख्यालय को जिला मुख्यालय से न्यूनतम दो लेन मार्गों से जोड़े जाने का कार्य तेजी से पूरा किया जाए। एक भी तहसील-एक भी ब्लॉक इससे अछूता न रहे। प्रदेश के अंतरराज्यीय तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भव्य %मैत्री द्वार% बनाने का कार्य तेजी के साथ पूरा कराएं। जहां भूमि की अनुपलब्धता हो, तत्काल स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें। द्वार सीमा पर ही बनाए जाएं। यह आकर्षक हों, यहां प्रकाश व्यवस्था भी अच्छी हो। अब तक 96 मार्गों पर प्रवेश द्वार पूर्ण/निर्माणाधीन हैं। अवशेष मार्गों पर प्रवेश द्वार निर्माण की कार्यवाही यथाशीघ्र पूरी कर ली जाए। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग की सड़कों का निर्माण अब लोक निर्माण विभाग द्वारा ही किया जा रहा है। यह किसानों-व्यापारियों के हित से जुड़ा प्रकरण है, इसे प्राथमिकता दें। यहां गड्ढे नहीं होने चाहिए।अभी लगभग 6000 किमी सड़कों का पुनर्निर्माण/चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण किया जाना है। इन्हें एफडीआर तकनीक से बनाया जाना चाहिए। इसके लिए बजट की कमी नहीं होने दी जाएगी।

हर व्यक्ति की समस्या का होगा निदानः केशव

● उप मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन कार्यक्रम में सुनीं समस्याएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने कैम्प कार्यालय 7- कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन में आये फरियादियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि हर व्यक्ति को हर समस्या का हर सम्भव निदान किया जायेगा।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक फरियादी की समस्या का त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान किया जाय। निर्देश दिए कि समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान किया जाय और समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित की जवाबदेही तय होनी चाहिये। निर्देश दिए कि जन समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्पीड़न, भूमि पर अवैध कब्जों के मामलों को बेहद गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ हल किया जाय और जहां जरूरत हो, कठोर कार्यवाही की जाय। उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक-एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार-बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओं, दिव्यांग जनो, बुजुर्गों आदि की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए । जनता दर्शन में भूमि विवाद ,दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, भूमि पर कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विद्युत, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, उत्पीड़न आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी। उप मुख्यमंत्री फरियादियों के पास खुद चलकर गये और एक-एक व्यक्ति की समस्या को उनसे सीधे संवाद करते हुए सुना।

जनता दर्शन मे कौशाम्बी, आगरा, लखनऊ, लखीमपुर, गोण्डा, जौनपुर, एटा, सोनभद्र, मथुरा, फिरोजाबाद, रायबरेली, कानपुर नगर, शामली, बलिया, फतेहपुर, कन्नौज, मुरादाबाद बलरामपुर सहित लगभग 2 दर्जन से अधिक ज़िलों से कई सैकड़ा लोगों ने आकर अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री ने समस्याओं के निस्तारण के बावत जालौन, बांदा व चित्रकूट के जिला अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद, पुलिस कमिश्नर प्रयागराज, पुलिस अधीक्षक भदोही, व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता करते हुए यथोचित दिशा निर्देश दिए।

15 डिपो में मेंटिनेंस का कार्य करेंगी निजी कंपनियांः दयाशंकर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

परिवहन निगम की कार्यशालाओं की दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से 19 डिपो के वर्कशॉप को आउटसोर्सिंग के माध्यम से निविदा पर दिए जाने हेतु टेंडर किया गया था। 19 डिपो में से 15 डिपो की निविदा का अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है।

परिवहन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दयाशंकर सिंह ने बताया कि 15 डिपो में कुल 1255 बसों के लिए दरें तीन रुपए 57 पैसे प्रति किलोमीटर से लेकर 5 रुपए 48 पैसे तक प्राप्त हुई हैस इस निविदा के माध्यम से 15 डिपो वर्कशॉप में बस के मेंटीनेंस का कार्य निजी कंपनियों को दे दिया जाएगास जिसमें मुख्य रूप से श्याम इंटरप्राइजेज, एसडीएल एंटरप्राइजेज, आर.के. ऑटोमोबाइल है। परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर इस निविदा कार्रवाई के सफलतापूर्वक कराए जाने के उपरांत अन्य 100 डिपो का भी मेंटीनेंस का कार्य निजी कंपनियों को सौप जाएगास उन्होंने कहा कि कार्यशालाओं में तकनीकी कर्मचारियों एवं अधिकारियों की कमी के कारण परिवहन निगम में बसों के मेंटीनेंस की समस्या का सामना करना पड़ रहा है स इस निविदा प्रक्रिया से निजी कंपनियों को मेंटीनेंस करने का अवसर प्रदान किया जाएगा, जिससे कि अच्छी गुणवत्ता की बसों की मेंटीनेंस हो सकेगी। उन्होंने कहा कि नई तकनीक की बसों के मेंटीनेंस के लिए दक्ष एवं क्वालिफाइड मैकेनिक होने चाहिएस इस संविदा प्रक्रिया के पश्चात दक्ष मैकेनिक उपलब्ध हो सकेंगे।

मथुरा के अधिसूचित क्षेत्र में हैरिटेज सिटी की स्थापना के लिए डीपीआर अनुमोदित

● अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित पीपीपी बिड इवोल्यूशन कमेटी की हुई बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में पीपीपी गाइडलाइंस के अनुसार गठित पीपीपी बिड इवोल्यूशन कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में आईआईडीसी द्वारा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के जनपद-मथुरा के अधिसूचित क्षेत्र में हैरिटेज सिटी की स्थापना के लिए डीपीआर को अनुमोदन प्रदान किया। हैरिटेज सिटी की परियोजना पीपीपी मोड पर कंसेशनायर के माध्यम से विकसित की जाएगी। कमेटी द्वारा परामर्शदाता संस्था सीबीआरई को हैरिटेज सिटी के विकास हेतु बिड डॉक्यूमेन्ट तैयार करने के लिये निर्देशित किया गया है। शीघ्र ही सीबीआरई द्वारा बिड डॉक्यूमेन्ट तैयार कर उपलब्ध कराया जायेगा, जिसके अनुसार हैरिटेज सिटी के विकास हेतु कंसेशनायर का चयन कर हैरिटेज सिटी परियोजना का कियान्वयन किया जायेगा। इससे पूर्व बैठक में संस्था सीबीआरई साउथ एशिया प्रा.लि. द्वारा उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा सुझाये गये लगभग 753 एकड़ क्षेत्र में थीम बेस्ड हेरीटेज सेण्टर, योगा वेलनेस सेण्टर, कनवेंशन सेण्टर, होटल, हाट डेवलपमेंट फार लोकल आर्टस एण्ड क्राफ्ट, टूरिज्म रिटेल सेण्टर इत्यादि के विकास हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। उल्लेखनीय है कि यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण जनपद-मथुरा के अधिसूचित क्षेत्र में राया नगरीय केन्द्र के अन्तर्गत हैरिटेज सिटी के विकास हेतु डीपीआर परामर्शदाता संस्था सीबीआरई साउथ एशिया प्रा.लि. द्वारा तैयार की गयी है।

छुट्टा गोवंश के भरण-पोषण के लिए 2 अरब 50 करोड़ 2 लाख रुपए स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश के छुट्टा गोवंश के भरण-पोषण हेतु 02 अरब 50 करोड़ 02 लाख रूपये की धनराशि वर्तमान वित्तीय वर्ष में स्वीकृत की है। पंचम किश्त के रूप में स्वीकृत धनराशि का व्यय अस्थाई गोवंश आश्रय की स्थापना, संचालन व संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण हेतु किया जायेगा। आवंटित धनराशि का उपयोग अधिकतम 50 रुपऐ प्रतिदिन प्रति गोवंश की दर से किया जायेगा। इस संबंध में पशुधन विभाग द्वारा शासनादेश जारी करते हुए निदेशक, प्रशासन विकास पशुपालन विभाग को अस्थाई गोवंश आश्रय के सुचारू संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दे दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा निराश्रित/ बेसहारा गोवंश के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिये प्रदेश के समस्त ग्रामीण व शहरी स्थानीय निकायों यथा ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत, नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निकायों में अस्थायी गोवंश आश्रय स्थल की स्थापना व संचालन नीति प्रख्यापित की गयी है, जिसके तहत संरक्षित छुट्टा गोवंश की देखभाल का निरन्तर कार्य किया जा रहा है।

82120 बालिकाओं को खेल में निपुण बनाएगी प्रदेश सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में पढ़ने वाली 82,120 बालिकाओं की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का प्रयास तेज कर दिया है। सरकार इस उद्देश्य को 'एक केजीबीवी, एक खेल' योजना लागू कर साकार करेगी।

बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह के नेतृत्व में इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में एक विशेष खेल का चयन किया जाएगा, जिसमें छात्राओं को विशेषज्ञ प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना से बालिकाएं खेल में निपुण होने के साथ-साथ शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास भी प्राप्त करेंगी, जिससे वे समाज में एक सशक्त पहचान बना सकेंगी। उत्तर प्रदेश के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में बालिकाओं की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर उभारने के उद्देश्य से 'एक केजीबीवी, एक खेल' योजना लागू की गई है। इस योजना का उद्देश्य पिछड़े और वंचित समुदायों की बालिकाओं को खेल के क्षेत्र में विशेष कौशल प्रदान करना है।

इसके अंतर्गत प्रत्येक विद्यालय में एक विशेष खेल का चयन किया जाएगा, जिसमें छात्राओं को खेल विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा। यह योजना पायलट प्रोजेक्ट के रूप में प्रत्येक जनपद के दो केजीबीवी में आरंभ की जाएगी और सफल होने पर इसे अन्य विद्यालयों में भी विस्तार दिया जाएगा। केजीबीवी में अध्ययनरत 82,120 छात्राओं को खेलों में प्रशिक्षित कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है।

पहली बार महाकुंभ 2025 में गूगल नेवीगेशन का हो सकेगा इस्तेमाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

महाकुंभ की भव्यता और दिव्यता को लेकर अब गूगल भी प्रभावित नजर आ रहा है। यही कारण है कि पहली बार अपनी पॉलिसी में बदलाव करते हुए गूगल ने नेवीगेशन के लिए किसी अस्थायी शहर (महाकुंभ मेला क्षेत्र) को इंटीग्रेट करने का निर्णय लिया है। गूगल और महाकुंभ मेला प्राधिकरण के बीच इसको लेकर बाकायदा एक एमओयू भी हुआ है। इस एमओयू के प्राविधान के तहत गूगल महाकुंभ के लिए स्पेशल नेवीगेशन तैयार करेगा, जिसकी मदद से श्रद्धालु यहां स्थित समस्त स्थलों, अखाड़ों और यहां तक कि साधु संतों की लोकेशन को ट्रैक कर सकेंगे। इस स्पेशल नेवीगेशन के नवंबर अंत या दिसंबर की शुरुआत में प्रारंभ होने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि सनातन आस्था के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ को लेकर भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में कौतूहल है। हर कोई इस महा समागम में शामिल होने के बेताब है। नेवीगेशन को सरल शब्दों में कहें तो किसी स्थान पर ले जाने वाले रास्ते की विस्तृत जानकारी को कंप्यूटर या मोबाइल की भाषा में नेवीगेशन या मार्गदर्शन कहा जाता है। पुराने समय में लोग कागजी नक्शे या लोगों से पूछकर अपने गंतव्य की ओर जाते थे, लेकिन आधुनिक दौर में गूगल नेवीगेशन के माध्यम से यह काम अत्यंत आसान हो गया है। यह नेवीगेटर आपको न केवल स्थान का पूरा नक्शा दिखाते हैं, बल्कि कब कहां मुड़ना है, इसकी भी विस्तृत जानकारी देते हैं। गूगल सामान्य तौर पर पूरी दुनिया में बसे शहरों का नेवीगेशन देता है, लेकिन पहली बार उसने किसी अस्थायी शहर के लिए यह सुविधा प्रदान करने पर सहमति दी है। इसमें वह यहां की प्रमुख सड़कों, धार्मिक स्थलों, घाटों, अखाड़ों समेत प्रमुख संतों के स्थलों की जानकारी प्रदान करेगा।

निकायों में आज से होगी स्वच्छ घाट प्रतियोगिता

● घाटों को नो प्लास्टिक जोन व छठ पूजा को जीरो वेस्ट इंवेट के रूप में मनाया जाएः नगर विकास मंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भगवान भास्कर के उपासना के महापर्व छठ पर शुद्धता और स्वच्छता का विशेष ध्यान दिया जाता है। सूर्योपासना के इस पर्व पर प्रदेश की सभी नगरीय निकायों में 'स्वच्छ घाट प्रतियोगिता' का आयोजन किया जा रहा है। नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने बताया कि घाट से लेकर गलियों तक की सफाई व्यवस्था और सुंदरीकरण उत्कृष्ट श्रेणी का बनाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। घाटों पर श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध पेयजल, स्नान घर, मोबाइल टॉयलेट/ पोर्टेबल टॉयलेट, चेजिंग रूम आदि की व्यवस्था की जा रही है। स्वच्छ घाट प्रतियोगिता के तहत घाट को श्नो प्लास्टिक जोन व जीरो वेस्ट इंवेट में बदला जाए।

मंत्री शर्मा ने बताया कि प्रदेश की निकायों में 5 नवम्बर से 9 नवम्बर तक 'स्वच्छ घाट प्रतियोगिता' का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत छठ पूजा के लिये घाटों व सभी संपर्क मार्गो पर साफ-सफाई व सौंदर्यीकरण का कार्य कराया जा रहा है। इस दौरान घाटों के क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का कार्य तथा पूजा स्थलों पर एल.ई.डी. वॉल आदि के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेशों को दर्शाया जायेगा। निकायों द्वारा दिन में न्यूनतम दो बार घाटों की समुचित साफ-सफाई करायी जाएगी। सफाई के समय एकत्र किये गये कूड़े को उसी समय सेनेट्री लैण्ड फिल साईट पर अथवा उचित स्थान पर भिजवाया जाये। उन्होंने निकायों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी दशा में एकत्र किये गये कूड़े अथवा सिल्ट को घाट/सड़क पर नहीं छोड़ा जाये। छठ पूजा के घाटों व धार्मिक स्थलों के आस-पास कोई खुला डम्पिंग स्थल, जी.वी.पी. व सी.टी.यू. न हो व ठोस अपशिष्ट का प्रवाह नदियों में न किया जाए।

श्रद्धालुओं के लिए घाट के पास स्नान घर, मोबाइल टॉयलेट/ पोर्टेबल टॉयलेट, समुचित पेयजल व चेजिंग रूम की व्यवस्था की जाएगी एवं इससे सम्बंधित संदेश के बोर्ड भी स्थल पर स्थापित कराये जाएंगे। उपयोग के उचित संदेश सहित हरे और नीले रंग के कूड़ेदान को घाटों के आस-पास रखा जाएगा। घाट स्थलों के आस-पास स्वच्छता एवं साफ-सफाई के संबंध में जागरूकता सम्बंधी निर्देशों को बोर्ड पर भी लगाया जाएगा। पूजा स्थलों की साफ-सफाई, अपशिष्ट संग्रहण हेतु जिलाधिकारी से समन्वय करते हुए उनके निर्देशों के अनुसार अलग-अलग शिफ्ट में कर्मचारियों व वाहनों को निकायों द्वारा लगाया जाएगा। घाट के आस-पास कचरा संवेदनशील स्थलों की पहचान करते हुए उनकी सुन्दरता हेतु पौधरोपण आदि के माध्यम से सौन्दर्यीकरण कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि घाटों के आस-पास रेड एवं यैलो स्पॉट को चिन्हित करते हुए चेतावनी संदेश स्थापित कराया जाए एवं नजदीकी टॉयलेट की दूरी भी दर्शायी जाए। निकायों द्वारा घाट व पूजा स्थलों के आस-पास स्टॉल की स्थापना की जायेगी, जिससे जिंगल व छोटे वीडियो आदि तथा संबंधित वार्ड की स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति व अन्य चयनित ब्रांड एम्बेसडर्स द्वारा वार्ता के माध्यम से हरे कचरे और नीले कचरे के पृथक्करण, सिंगल यूज प्लास्टिक, स्वच्छ सर्वेक्षण फीडबैक व अन्य स्वच्छता सम्बंधी नागरिक दायित्वों हेतु जागरूक किया जाये। उन्होंने कहा कि छठ पर्व पर साफ-सफाई कूड़े के उठान व प्रबन्धन तथा मार्ग प्रकाश की व्यवस्था भी कराई जाये। मुख्य कार्यक्रम स्थल, तालाबों, घाटों एवं उनके संपर्क मार्गों, रेलवे व बस स्टेशनों आदि के आस-पास साफ-सफाई व प्रकाश की व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए ड्रोन माध्यम से निगरानी की जाये।

काम आई पुलिस की जागरूकता मुहिम डिजिटल अरेस्ट होने से बचा परिवार

संवाददाता। मोहनलालगंज

साइबर फ्रॉड को लेकर एसीपी रजनीश वर्मा की जन जागरूकता मुहिम ने सोमवार को एक परिवार को डिजिटल अरेस्ट होने से बचा लिया। पीड़ित परिवार ने शातिर जालसाजों के बारे में एसीपी को पूरे मामले की जानकारी दी है। उधर मामला उजागर होने के बाद पुलिस की जन जागरूकता मुहिम की सोशल मीडिया पर जमकर सराहना हो रही है।

मोहनलालगंज के गनियार निवासी देशपाल सिंह जिला सहकारी बैंक के डायरेक्टर हैं। उनका बेटा अंकित सिंह तहसील में वकालत करता है। सोमवार को साइबर जालसाजों ने पुलिस अधिकारी बनकर देशपाल सिंह को अनजान नंबर से व्हाट्सएप कॉल की। जालसाजों ने कहा आपका बेटा रेप काण्ड में शामिल है। मामला निपटाने के लिए कथित पुलिस अधिकारी ने उन्हें अकेले में बात करने की नसीहत दी। बेटा रेप काण्ड में फंसने की सूचना मिलते ही देशपाल सिंह बेहद परेशान हो गए।

उन्होंने फौरन बेटे अंकित को फोन कर सारी दास्तां बताई। बेटे अंकित ने पुलिस की ग्राम चौपाल के जरिए साइबर फ्रॉड को लेकर चलाई जा रही जागरूकता मुहिम के बारे में पिता को बताया तब जाकर उन्होंने राहत की सांस ली। जिसके बाद साइबर जालसाजों ने देशपाल सिंह को कई बार कॉल की लेकिन उन्होंने कोई कॉल रिसीव नहीं की। उधर उनके बेटे अंकित ने जालसाजों के बारे में पूरी जानकारी एसीपी रजनीश वर्मा को दी है।

सोमवार को पूरा मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो क्षेत्रीय लोगों ने गांव गांव जागरूकता मुहिम चलाने के लिए एसीपी रजनीश वर्मा का आभार जताया।

पूरी होगी श्रद्धालुओं की मुराद, इसी माह पूर्ण होगा मंदिरों का कायाकल्प

महाकुंभ 2025

● 15 नवंबर तक पूरा होगा ज्यादातर मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ प्रयागराज

सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 में आस्था अपने चरम पर होगी। गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन वाले पावन स्थल संगम पर जहां लाखों, करोडों लोग स्नान कर अपनी श्रद्धा प्रकट करेंगे तो वहीं प्रयागराज के पौराणिक मंदिरों में शीश नवाकर अपनी यात्रा को सुखमय और संपूर्ण बनाएंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने महाकुंभ की तैयारियों के साथ-साथ प्रयागराज के मंदिरों के कायाकल्प का भी बीड़ा उठाया है जो अब समापन के करीब पहुंच गया है। पौराणिक महत्ता वाले प्रयागराज के तमाम मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य लगभग खत्म होने वाला है। ऐसी कुल 19 परियोजनाओं में से 17 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी, जबकि 2 परियोजनाएं 30 नवंबर तक हो जाएंगी पूर्ण हो जाएंगी। दीपावली के बाद इसमें और तेजी से कार्य किया जा रहा है।

हाल ही में लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा महाकुंभ की समीक्षा बैठक में इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। इसमें बताया गया कि मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित परियोजनाओं में तीन प्रमुख विभाग कार्य कर रहे हैं। इसमें पर्यटन विभाग, स्मार्ट सिटी और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये तीनों ही विभाग आपसी समन्वय से इन सभी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने में जुट गए हैं।

मंदिर कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित कुल 15 परियोजनाएं ऐसी हैं, जिस पर पर्यटन विभाग काम कर रहा है। पर्यटन विभाग के अनुसार, 15 में से 14 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी, जबकि एक परियोजना 30 नवंबर तक पूर्ण होगी। 15 नवंबर तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं में भरद्वाज कॉरिडोर, मनकामनेश्वर मंदिर कॉरिडोर समेत द्वादश माधव मंदिर, पड़िला महादेव मंदिर, अलोपशंकरी मंदिर और 9 अन्य मंदिरों का जीर्णोद्धार शामिल है।

इसी तरह, स्मार्ट सिटी 3 प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहा है और तीनों ही परियोजनाएं 15 नवंबर पूर्ण हो जाएंगी। इसमें अक्षयवट कॉरिडोर, सरस्वती कूप कॉरिडोर और पातालपुरी कॉरिडोर जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। वहीं, प्रयागराज विकास प्राधिकरण दो परियोजनाओं को मूर्त रूप दे रहा है। इसमें नागवासुकी मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य 30 नवंबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है तो वहीं हनुमान मंदिर कॉरिडोर का कार्य 10 दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

> **महाकुंभ** की तैयारियां पूरी गति से आगे बढ़ रही हैं। मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य भी अंतिम चरण में चल रहा है। मेला प्रशासन ने महाकुंभ में आने वाले सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आस्था के साथ ही सुविधा पर विशेष ध्यान दिया है, ताकि उनकी यात्रा यादगार साबित हो।
>
> **विवेक चतुर्वेदी, अपर मेलाधिकारी, महाकुंभ**

बंद होने चाहिए हिन्दू आस्था पर हमलेः डॉ. राजेश्वर सिंह

● इंग्लिश व विदेशी भाषा केंद्रीय विश्वविद्यालय खोले जाने के निर्णय पर सरोजनीनगर विधायक ने सीएम का जताया आभार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कनाडा के ग्रेट टोरंटो क्षेत्र में हिंदू मंदिर पर खालिस्तान समर्थक उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले पर सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने ट्वीट कर प्रतिक्रिया व्यक्त की। विधायक ने सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लिखा आस्था के विरुद्ध हिंसा अब समाप्त होनी चाहिए। हिंदू मंदिरों पर हमले केवल कनाडा का मुद्दा नहीं बल्कि वैश्विक संकट है। धार्मिक स्वतंत्रता हर देश में मौलिक अधिकार होना चाहिए, प्रत्येक राजनीतिक दल और प्रत्येक भारतीय नेता को इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करनी चाहिए।

सोमवार को लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश राज्य मंत्री परिषद की बैठक में सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के चकौली, परगना बिजनौर में अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा केंद्रीय विश्वविद्यालय हेतु 2.3239 हेक्टेयर भूमि आवंटन के प्रस्ताव पर मुहर लग गई। बता दें कि सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में इस विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए स्थानीय विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह लंबे समय से प्रयासरत थे। डॉ. सिंह ने इस संबंध में 10 मार्च 2023 को सीएम योगी को पत्र लिखकर ग्राम सभा चकौली में भूमि आवंटित किए जाने का प्रस्ताव दिया था। इसके उपरांत 02 जुलाई 2024 को पुनः मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर उक्त भूमि के आवंटन को मंत्रिपरिषद का अनुमोदन दिलाए जाने के लिए आग्रह किया था। विधायक डॉ. सिंह ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट कर लिखा सतत प्रयासों से ग्राम सभा चकौली में इस विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु 2.3239 हेक्टेयर भूमि आवंटन को मिली स्वीकृति है। विधायक ने इसके लिए सीएम योगी का आभार जताते हुए क्षेत्रवासियों को बधाई दी और आगे जोड़ा यह आधुनिक लखनऊ के एजुकेशनल हब बनते सरोजनीनगर के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विश्वविद्यालय की स्थापना से सरोजनीनगर ही नहीं लखनऊ और पूरे प्रदेश के युवाओं की गुणवत्तापरक शिक्षा सुनिश्चित होगी। गौरतलब है कि अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय संचालित पाठ्यक्रम भाषाओं में गुणवत्तापरक एवं अद्वितीय शिक्षा, रिकॉर्ड प्लेसमेंट, नवीन शिक्षण सामग्री, भारतीयों के लिए प्रासंगिक भाषा दक्षता, उन्नत अनुसंधान एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराते हैं। ईएफएलयू संयुक्त डिग्री और सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से शिक्षार्थियों को अंतराष्ट्रीय प्रदर्शन प्रदान करते हैं। सामाजिक उत्तर दायित्वों का निर्वहन करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा यूएसआर पहल भी संचालित है। विश्वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी उच्चारण में सुधार के लिए निःशुल्क इंग्लिशप्रो ऐप भी शुरू किया गया है। चुनाव आयोग द्वारा यूपी में उपचुनाव तारीखें 13 नवंबर से 20 नवंबर किए जाने पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव के ट्वीट का डॉ. सिंह ने करारा जवाब दिया। डॉ. सिंह ने 2014 से 2024 की समाजवादी पार्टी की चुनावी हारों का उल्लेख करते हुए लिखा सपा प्रमुख हार और डर के साए से उबर नहीं पाए हैं।

पायनियर
लखनऊ, मंगलवार, 5 नवंबर, 2024

पूरी होगी श्रद्धालुओं की मुराद, इसी माह पूर्ण होगा मंदिरों का कायाकल्प

महाकुंभ को श्रद्धालुओं के लिए यादगार बनाने के लिए तेजी से काम कर रही योगी सरकार

15 नवंबर तक पूरा हो जाएगा ज्यादातर मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य

मनीष द्विवेदी। प्रयागराज

सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ 2025 में आस्था अपने चरम पर होगी। गंगा यमुना और सरस्वती के मिलन वाले पावन स्थल संगम पर जहां लाखों करोड़ों लोग स्नान कर अपनी श्रद्धा प्रकट करेंगे तो वहीं प्रयागराज के पौराणिक मंदिरों में शीश नवाकर अपनी यात्रा को सुखमय और संपूर्ण बनाएंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने महाकुंभ की तैयारियों के साथ साथ प्रयागराज के मंदिरों के कायाकल्प का भी बीड़ा उठाया है जो अब समापन के करीब पहुंच गया है। पौराणिक महत्ता वाले प्रयागराज के तमाम मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य लगभग समाप्त होने वाला है। ऐसी कुल 19 परियोजनाओं में से 17 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी जबकि दो परियोजनाएं 30 नवंबर तक हो जाएंगी। दीपावली के बाद इसमें और तेजी से कार्य किया जा रहा है। हाल ही में लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा महाकुंभ की समीक्षा बैठक में इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। बताया गया कि मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित परियोजनाओं में तीन प्रमुख विभाग कार्य कर रहे हैं। इसमें पर्यटन विभाग स्मार्ट सिटी और प्रयागराज विकास प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। तीनों ही विभाग आपसी समन्वय से इन सभी परियोजनाओं को तेज गति से पूरा करने में जुट गए हैं। मंदिर कॉरिडोर और जीर्णोद्धार से संबंधित कुल 15 परियोजनाएं ऐसी हैं। जिस पर पर्यटन विभाग काम कर रहा है। पर्यटन विभाग के अनुसार 15 में से 14 परियोजनाएं 15 नवंबर तक पूर्ण कर ली जाएंगी। जबकि एक परियोजना 30 नवंबर तक पूर्ण होगी। 15 नवंबर तक पूर्ण होने वाली जबकि एक परियोजना 30 नवंबर तक पूर्ण होगी। 15 नवंबर तक पूर्ण होने वाली परियोजनाओं में भरद्वाज कॉरिडोर मनकामेश्वर मंदिर कॉरिडोर समेत द्वादश माधव मंदिर पड़िला महादेव मंदिर अलोपशंकरी मंदिर और 9 अन्य मंदिरों का जीर्णोद्धार शामिल है।

महाकुंभ की तैयारियां पूरी गति से आगे बढ़ रही हैं। मंदिरों के कॉरिडोर और जीर्णोद्धार का कार्य भी अंतिम चरण में चल रहा है। मेला प्रशासन ने महाकुंभ में आने वाले सभी श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आस्था के साथ ही सुविधा पर विशेष ध्यान दिया है ताकि उनकी यात्रा यादगार साबित हो।
विवेक चतुर्वेदी
अपर मेलाधिकारी, महाकुंभ

स्मार्ट सिटी और पीडीए ने भी बढ़ाई रफ्तार

प्रयागराज। पीडीए स्मार्ट सिटी समेत तीन प्रमुख परियोजनाओं पर काम कर रहा है और तीनों ही परियोजनाएं 15 नवंबर पूर्ण हो जाएंगी। इसमें अक्षयवट कॉरिडोर सरस्वती कूप कॉरिडोर और पातालपुरी कॉरिडोर जैसी प्रमुख परियोजनाएं शामिल हैं। वहीं प्रयागराज विकास प्राधिकरण दो परियोजनाओं को मूर्त रूप दे रहा है। इसमें नागवासुकी मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य 30 नवंबर तक पूरा किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है तो वहीं हनुमान मंदिर कॉरिडोर का कार्य 10 दिसंबर तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

प्रयागराज मण्डल ने गाड़ी परिचालन में स्थापित किया नया कीर्तमान

प्रयागराज। सोमवार को प्रयागराज मण्डल की टीम ने यात्री गाड़ियों के परिचालन में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 475 यात्री गाड़ियों को परिचालित कर नया कीर्तमान स्थापित किया। 250 मेल एक्सप्रेस 121 पसेन्जर और 104 ट्रेन ऑन डिमांड गाड़ियों सहित कुल 475 गाड़ियों का परिचालन किया गया। वर्तमान में चल रहे मेंटेनेंस कार्यों स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत प्रयागराज जंक्शन एवं कानपुर सेंट्रल पर निर्माण कार्य 15 स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास कार्यों के निर्बाध रूप से चलाने के साथ साथ मण्डल के सभी विभागों के बेहतर समन्वय के फ्लस्वरूप रिकार्ड गाड़ियों का परिचालन किया जा सका। इस उपलब्धि में सभी विभागों ने अपना सर्वोत्तम प्रदर्शन किया। मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज हिमांशु बडोनी एवं वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक प्रयागराज श्रीकृष्ण शुक्ला ने इस शानदार उपलब्धि के लिए के यातायात विभाग के टीम की प्रशंसा की और भविष्य में और अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि परिचालन के कर्मचारियों की मेहनत और लगन उत्तर मध्य रेलवे को नई ऊंचाई तक ले जाएगी। यह जानकारी अमित कुमार सिंह जनसंपर्क अधिकारी प्रयागराज मंडल उत्तर मध्य रेलवे ने दी।

चित्रकला प्रतियोगिता में कृतिका केसरी प्रथम और अशीम सिंह दूसरे स्थान पर

प्रयागराज। गंगा नदी को सरकार द्वारा चार नवम्बर को राष्ट्रीय नदी घोषित किया गया था। इसी उपलक्ष्य में जिला गंगा समिति प्रयागराज द्वारा ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में जन जागरूकता एवं विभिन्न प्रतियोगिताओ का अयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों ने गंगा उत्सव के खास मौके पर गंगा संरक्षण पर चित्रकला एवं भारत में गंगा का संस्कृति एवं आर्थिक महत्व पर निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में उप प्रधानाचार्य जनार्दन प्रसाद दुबे जिल परियोजना अधिकारी नमामि गंगे एशा सिंह शिक्षक प्रमोद द्विवेदी नगर निगम से कृष्णा कुमार मौर्य वन दरोगा कमलेश सिंहएरोहित चंदेल आदि उपस्थित रहे। डीपीओ ने छात्रों को बताया 2017 से हर साल गंगा उत्सव का आयोजन राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा जा रहा है। गंगा उत्सव का आयोजन गंगा नदी को राष्ट्रीय नदी घोषित किए जाने की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जाता है। इस उत्सव का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी के संरक्षण को बढ़ावा देना इसकी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता को उजागर करना और स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में नगर निगम टीम के कम्युनिकेशन हेड कृष्ण कुमार मौर्य ने छात्रों से कचरा प्रबंधन पर चर्चा की और कहा हमें दैनिक दिनचर्या में स्वच्छता को शामिल करना चाहिए तथा गीला और सूखा कचरा अलग अलग डस्टबीन में डालना चाहिए। इस क्रम में चित्रकला प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता में टॉप थ्री छात्रों को पुरस्कृत किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर कृतिका केसरी द्वितीय स्थान पर अशीम सिंह तृतीय स्थान पर इंद्राणी को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन गंगा स्वच्छता शपथ लेकर किया गया।

गाजियाबाद की घटना को लेकर अधिवक्ताओं ने किया विरोध प्रदर्शन

सकलडीहाध्चन्दौली। गाजियायबाद में अधिवक्ताओं पर हुई लाठीचार्ज की घटना को लेकर अधिवक्ताओं में आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। बार कौंसिल आल इंडिया और उत्तर प्रदेश के आवाहन पर सोमवार को अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। अधिवक्ताओं ने तहसील मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करते हुए दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग किया। इस मौके पर पुलिस प्रशासन के खिलाफनारेबाजी किया। अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि न्यायालय परिसर में जिस प्रकार से अधिवक्ताओं के उपर लाठी चार्ज किया गया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। यही नही लाठी चार्ज के साथ उनके खिलाफमुकदमा भी दर्ज कराया गया। आक्रोशित अधिवक्ताओं ने दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफनिलंबन की कार्रवाई की मांग करते हुए विरोध जताया। शासन प्रशासन के लोग शीघ्र कार्रवाई नही किया तो अधिवक्ताओं ने व्यापक रूप से आन्दोलन चलाने की बात कही। इस मौके पर विरोध जताने वालों में डेमोक्रेटिक बार अध्यक्ष मनोज पांडेयएमहामंत्री उपेन्द्रनारायण सिंहएउमाशंकरएश्रीकांत सिंहएविजय प्रताप सिंहए शैलेन्द्र पांडेयएअशोक यादवएसुभाष सिंहएसुरेन्द्र कांत मिश्राएराजेश्वर सिंह रज्जूएअंगद कुशवाहाएअरूण कुमारएसंजय सिंहए प्रभु पाठक सहित अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान स्थलों का किया गहन निरीक्षण

अंबेडकरनगर। कटेहरी विधानसभा उपचुनाव को निष्पक्ष एवं शातिपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी अविनाश सिंह ने विधानसभा क्षेत्र कटेहरी के विभिन्न मतदान केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर आधारभूत सुविधाओं की स्थिति का भौतिक अवलोकन किया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने विधानसभा कटेहरी के विकासखंड टांडा क्षेत्रांतर्गत स्थित विभिन्न मतदेय स्थलों यथादृउच्च प्राथमिक विद्यालय भारीडीहाए प्राथमिक विद्यालय डॉडी महमूदपुरए उच्च प्राथमिक विद्यालय केशवपुरए प्राथमिक विद्यालय नारायणपुर आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने सभी बूथों के कक्ष में प्रयाप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीएलओ व अन्य संबंधित अधिकारियों को सभी मतदान केंद्रों पर शौचालयए बिजली.पानीए साफ़दृसफ़ाईए रैंपए छाया आदि सहित निर्वाचन संबंधित आधारभूत सुविधाओं में प्राप्त कमियों तत्काल दूर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मतदान केंद्रों का पुनः भ्रमण कर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार समस्त आधारभूत सुविधाओं को समय से सुनिश्चित कर लिया जाए। इस अवसर पर ग्रामीणों को सी विजिल ऐप की भी जानकारी प्रदान की गई। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्राथमिक विद्यालय डांडी महमूदपुर में कक्षा में उपस्थित बच्चों से उनके पठन.पाठन का जायजा लिया गया। उन्होंने बच्चों से 19 का पहाड़ा सुनाए बच्चों द्वारा सकारात्मक उत्तर दिया गया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचन की समस्त प्रक्रियाओं को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत में चुनाव ड्यूटी में लगाए गए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक.दूसरे के साथ सहयोग की भावना से निर्वाचन आयोग के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए बेहतर तरीके से कार्य करने और निर्वाचन की समस्त प्रक्रियाओं को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान समस्त मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची को भी पढ़ा गया।

स्वीप गतिविधियों में लाएं तेजी: सीडीओ

अंबेडकर नगर।विधानसभा उप निर्वाचन 2024 के अंतर्गत 277. केटहरी विधानसभा उप निर्वाचन में अधिक से अधिक मतदान प्रतिशत बढ़ाने हेतु मतदाताओं को जागरूक करने के दृष्टिगत मुख्य विकास अधिकारीध्नोडल अधिकारी ;स्वीपद्ध आनन्द कुमार शुक्ला की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में स्वीप गतिविधियों से संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के प्रधानाचार्यों के साथ बैठक किया गया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि स्वीप का प्रमुख लक्ष्य निर्वाचन के दौरान सभी पात्र नागरिकों को मत देने और जागरूक निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करके अधिक से अधिक मतदान प्रतिशत को बढ़ाना है। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने अब तक कराए गया स्वीप गतिविधियों की जानकारी ली तथा उसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विद्यालयों में मतदाता जागरूकता हेतु रंगोलीए मेहंदीए प्रभात फेरीए निबंधए स्लोगन आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाए।

यहूदी ईशा बेंजामिन किन्नर अखाड़ा में बनेगी महंत

सनातन धर्म की मजबूती के लिए होगा जरूरीः डा. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा का घर वापसी अभियान व्यापक स्तर पर जारी है। मुम्बई की 45 वर्षीय यहूदी ट्रांसजेंडर ईशा बेंजामिन किन्नर अखाड़ा में शामिल हो गयी है। उनको तीर्थराज प्रयागराज के महाकुंभ में किन्नर अखाड़ा में महंत के पद पर पट्टाभिषेक कर महंत बनाया जाएगा। ईशा के पिता यहूदी और माता हिन्दू थी। ईशा पोस्ट ग्रेजुएट हैं। वह अमेरिकन बैंक एफ्आईएस कंपनी में कार्यरत हैं। ईशा का कहना है कि माता के हिन्दू होने की वजह से सनातन धर्म की ओर शुरू से झुकाव था। सनातन धर्म के बारे में मां से बहुत कुछ सीखा और जाना था। ईशा ने बताया कि वह करीब तीन वर्ष से किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज के संपर्क में आई हैं तब से सनातन धर्म के बारे में बहुत कुछ जानकारी हुई हैं और सीख भी रही हैं। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में आकर उसको मजबूत करते हुए प्रचार प्रसार करना है। सभी नियमों को मानना है।किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी का कहना है कि ईशा शिक्षित हैं। वह सनातन धर्म के बारे में बहुत कुछ जानती है। ऐसे में ईशा के सनातन धर्म में आने से सनातन धर्म को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में ईशा बेंजामिन को किन्नर अखाड़ा का महंत बनाया जाएगा। जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य महराज श्रृंगवेरपुर धाम ने किन्नर अखाड़ा की पहल का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म को मजबूती और प्रचार प्रसार की जरूरत है। इसके लिए किन्नर अखाड़ा की पहल सराहनीय और प्रशंसनीय है। जगद्गुरु स्वामी शांडिल्य महराज ने बताया कि किन्नर अखाड़ा सनातन धर्म के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है जो प्रशंसनीय है। इस दौरान उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और उप्र किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि टीना मां महामंडलेश्वर स्वामी पवित्रा नंद गिरी महामंडलेश्वर स्वामी गायत्री नंद गिरि समाजसेवी राजीव कुमार मिश्र प्रधानाचार्य डा हरि प्रकाश यादव सहित अन्य प्रमुख लोग थे।

असलम अब्बास ने संभल की बीएसए अलका शर्मा को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

बसखारी अंबेडकर नगर। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संभल अलका शर्मा के अपने गृह क्षेत्र मसडा मोहनपुर में आने पर ग्राम वासियों ने भव्य स्वागत किया। बेटियां पढे और आगे बड़े तथा सरकार की आधी आधी आबादी पूरी आजादी की तर्ज पर बेटियों के सम्मान में ग्राम पंचायत मसडा मोहनपुर निवासी अलका शर्मा के हौसले को बुलंद करने तथा बेटियों के शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए मिसाल पेश करते हुए क्षेत्र के क्षेत्र पंचायत सदस्य असलम अब्बास के साथ संतोष गोलू सोनू गोपाल तथा अन्य युवाओं ने पहुंचकर बुके भेंट कर बेटियों के शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।इस दौरान गांव की कई बेटियां भी अलका शर्मा के जीवन से प्रभावित होकर कुछ अलग करने की ठान रखी है। वही बेलाए परसा मसडा तथा बसहिया क्षेत्र के बेटियों ने पढ़ने का कीर्तिमान स्थापित करते हुए बेसिक शिक्षा में अपनी पहचान बनाई और अध्यापक पद को सुशोभित कर रही हैं बुके भेंट का सम्मानित करने के दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य असलम अब्बास ने कहा कि बेटियों को सम्मानित कर उनके आत्म सम्मान को बढ़ाने के लिए यह छोटा सा प्रयास है जिससे प्रेरित होकर गांव की अन्य बेटियां भी शिक्षा क्षेत्र में आगे बढ़े।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 22 मामले निपटाए गए

गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील जखनियां में जिलाधिकारी आर्यका अखौरी अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 ईरज राजा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। जिसमे 99 शिकायतध्प्रार्थना प्राप्त हुए और मौके पर 05 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातों तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 269 शिकायतध्प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 22 शिकायतध्प्रार्थना पत्रो का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील कासिमाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 34 शिकायतध्प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 02 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियॉ में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 40 शिकायतध्प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 16 शिकायतध्प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके 00 का निस्तारण किया गया। तहसील मुहमम्दाबाद में अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 की अध्यक्षता में 32 शिकायतध्प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 05 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 19 शिकायतध्प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 02 का निस्तारण किया गया एवं तहसील सैदपुर में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 29 शिकायतध्प्रार्थना प्राप्त 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में अधिशासी अभियन्ता जल निगम ग्रामीण के अनुपस्थित रहने पर वेतन रोकने एवं स्पष्टीकरण तथा खुदाबक्सपुर गॉव के लेखपाल राकेश यादव के राजस्व कार्य मे शिथिलता एवं लापरवाही पाये जाने पर स्पष्टीकरण का निर्देश दिया। उन्होने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतध्प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करने का निर्देश दिया। उन्होने आई जी आर एस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतो को निर्धारित दिवसो में शत.प्रतिशत निस्तारण करने का निर्देश दिया। उन्होने कहा इसकी समीक्षा सीधे शासन स्तर से लगातार होती है इसमे लापरवाही पर सम्बन्धित अधिकारी स्वयं जिम्मेदार होगे।

एसडीएम नें छठ घाट का किया स्थलीय निरीक्षण, दिये निर्देश

डाला/सोनभद्र। रविवार शाम लगभग साढ़े पांच बजे नगर में स्थित नई बस्ती छठ घाट के साफ़सफ़ाई को लेकर मिली शिकायत पर उप जिलाधिकारी ओबरा विवेक कुमार सिंह एव चोपन थानाध्यक्ष विजय कुमार चौरसिया ने छठ घाट का स्थलीय निरीक्षण किया जहा छठ घाट के साफ़सफ़ाई को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जहा छठ घाट पर सुरक्षा को लेकर बैरिकेडिंग व वालंटियर टीम को नियुक्त कर निगरानी हेतु कहा गया वहीं छठ पूजा नजदीक होने के वजह से जल्द से जल्द साफसफ़ाई के कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। व्यापार मंडल अध्यक्ष मुकेश जैन को शिकायत मिली थी की नई बस्ती करदहवा नाला छठ घाट की साफसफ़ाई नगर पंचायत द्वारा करवाए जा रहे हैं जिसमें सुबह साढ़े दस बजे तक केवल एक मजदूर लगवाकर सफ़ाई कराया जा रहा है और पानी मिट्टी कंकड़ सीसा के कण को निकाल कर दुसरे जगह पानी में ही एकत्रित किया जा रहा है जिसकी जानकारी होते ही जिलाधिकारी को मामले से अवगत कराया गया जिसके उपरांत जिलाधिकारी के निर्देश होते ही नगर पंचायत कार्यालय में हड़कंप मच गया और नगर पंचायत द्वारा जेसीबी मशीन व आधा दर्जन अधिक सफ़ाई कर्मी को नियुक्त करते हुए छठ घाट की सफ़ाई जोरो पर शुरू कर दिया गया। वहीं शाम को उप जिलाधिकारी ओबरा व थानाध्यक्ष की संयुक्त टीम द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया।

खेलते खेलते गंगा नदी में डूबी बच्ची

गाजीपुर। जनपद में सोमवार को सैदपुर नगर स्थित पक्का घाट पर परिजनों के साथ नहाते समयए एक 4 साल की बच्ची की गंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि घटना के समय उसके किसी परिजन ने इंस्टाग्राम के लिए रील बना रही थी। जिसमें उस बच्ची के डूबने का वीडियो भी रिकॉर्ड हुआ हैए पुलिस ने पंचनामा करए शव परिजनों को सौंप दिया है। वाराणसी के चौबेपुर थाना अंतर्गत उमरहा गांव निवासी संदीप पांडे की पत्नी अंकिता पांडे अपने 4 वर्ष की इकलौती बच्ची तान्या को लेकरए छठ पूजा के लिए अपने मायके सैदपुर के बौरवां गांव अपने पिता कपिल मिश्रा के घर आई थी। सोमवार को अंकिता अपनी बहन स्मृतिए भाभी और मां के साथ अपनी 4 वर्ष की पुत्री तान्या को लेकरए सैदपुर नगर के पक्का घाट पर गंगा स्नान के लिए आई थी। कुछ देर बाद जब तान्या नहीं दिखाई दीए तो सभी उसे ढूंढने लगे। देखते ही देखते परिजनों में चीख पुकार मच गई। वहां खड़ी होकर उसकी मौसी जो वीडियो बनाई थी जब सभी ने वीडियो को देखाए तो उसमें तान्या डूबती हुई दिखाई दी। जिसके बाद तत्काल स्थानीय लोगों द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दी गई। थोड़ी देर में मौके पर पहुंचे गोताखोरों और पुलिस की मदद से तान्या को घटना के कुछ देर बाद से नदी के बहाव की दिशा में लगभग 50 मीटर आगे ढूंढ लिया गया। पक्का घाट से तान्या को तत्काल सैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वाहन चलाते समय सतर्कता बेहद जरूरीः संजीव कुमार

राज्यमंत्री नें किया यातायात माह नवम्बर 2024 व जागरूकता अभियान का शुभारंभ

सोनभद्र। प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड़ व जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने सोमवार को डी0आर0 ड्रीम्स लक्जरीयस वैंक्वेट सोनभद्र में यातायात माह नवम्बर 2024 यातायात जागरूकता का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया, इस दौरान राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड़ व जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा व नगर पालिका परिषद अध्यक्ष रूबी प्रसाद द्वारा विभिन्न विद्यालयों से आये हुए छात्र–छात्राओं को यातायात नियमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी और आस–पास के लोगों को भी यातायात नियमों के पालन करने के लिए जागरूक करने की अपील की। इस मौके पर यातायात जागरूकता रैली व जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड़ ने कहा कि हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग करना अत्यन्त जरूरी है, जिससे दुर्घटना होने की स्थिति में खुद को गंभीर चोट लगने से बचा जा सके, मौके पर उपस्थित जनमानस से अपील करते हुए कहा कि सड़क पर वाहन चलाने के दौरान सतर्कता रखना आवश्यक है, जिससे सड़क दुर्घटना की स्थिति से बचा जा सकें। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने कहा कि जागरूकता कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है, हम सभी से अपील करते हैं कि वे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफकार्यवाही की जाएगी। वाहन चलाना जरूरी है, किन्तु वाहन चलाते समय सतर्कता का भी विशेष ध्यान देना आवश्यक है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल अस्पताल ले जाने में सहायता करनी चाहिए, जिससे समय से व्यक्ति का ईलाज किया जा सके। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने स्पष्ट किया कि नशे की हालत में वाहन चलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाएगी। एआरटीओ धनवीर यादव ने कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह यातायात नियमों का पालन करें। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह, सीएमओ डॉ. अश्वनी कुमार क्षेत्राधिकारी संजीव कटियार प्रभारी निरीक्षक यातायात अविनाश कुमार सिंह कोतवाल सतेंद्र राय जिला पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस की कार्यप्रणाली से सरकार की छवि हो रही खराब-डा. धर्मवीर

यातायात जागरूकता अभियान को लेकर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष ने उठाए सवाल

सोनभद्र। पुलिस के आंकड़े खुद बता रहे हैं कि सोनभद्र में सड़क दुर्घटनाएं बढ़ी है और मृत्यु दर में भी इजाफ़ हुआ है। लेकिन सोमवार को यातायात जागरूकता अभियान का शुभारंभ हुआ तो वह भी किसी खुले मैदान में नहीं बल्कि लग्जरी होटल में किया गया। जो यह दर्शाता है कि यातायात पुलिस सिर्फखाना पूर्ति कर सिर्फमीडिया की सुर्खियां बटोरने में लगी गयी है। यह सरकार को बदनाम करने की साजिश है उक्त आरोप लगातें हुए भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ धर्मवीर तिवारी ने कहा कि शहर के अंदर गलियों में अपर पुलिस अधीक्षक ने मोटरसाइकिल का चालान किया जो गलत है। उन्होंने कहा कि मोटरसाइकिल सवार, किसानों के ट्रैक्टर को अनावश्यक परेशान किया जा रहा है। शहर के अंदर दुर्घटना बेहद कम है फ़िर भी अपना राजस्व बढ़ाने के लिए सिपाहियों को चालान का टारगेट देकर चालान कराया जा रहा है। जिससे आम जनता में सरकार के प्रति नाराजगी व सरकार की छवि खराब हो रही है। ट्रैफ़िक पुलिस द्वारा जिस तरह से यातायात जागरूकता अभियान लग्जरी होटल में आयोजित किया गया और कार्यक्रम में जिस तरह से ज्यादातर 18 साल से कम उम्र के बच्चो की संख्या देखी गयी उससे यह तो साफहो गया कि प्रशासन दुर्घटनाओं को रोकने में कितना गंभीर है। डॉ धर्मवीर ने कहा कि पूरे जनपद में जिस तरह से दुर्घटनाएं हो रही हैं वह दुर्भाग्यपूर्ण है। वाहन स्वामियों को जाम करने के नाम पर लगातार चालान किया जा रहा है। धर्मवीर तिवारी ने कहा कि अपर पुलिस महानिदेशक को भेजे गए पत्र में हमने आग्रह किया है कि सोनभद्र में ट्रैफ़िक पुलिस मनमाने तरीके से जो चालान कर रही है उसे रोका जाए और दुर्घटना से बचने के लिए जागरूकता अभियान की रैली निकालने से पहले सभी स्कूलों में बताया जाए। उन्होंने कहा कि हाइवे पर जहां-जहां सड़के कटी हुई है वहां संकेतक लगाए जाएं। ट्रैफ़िक पुलिस का सीयूजी नंबर जारी किया जाए ताकि आम नागरिक सीधे बात कर सके और अपनी समस्या दर्ज करा सके। उन्होंने कहा कि जब ट्रैफ़िक व्यवस्था के लिए पूरी टीम नियुक्त है तो दुर्घटना के लिए उन्हें भी जिम्मेदार ठहरा कर कार्यवाही की जाय ताकि दुर्घटना में कमी आ सके। डॉ धर्मवीर ने कहा कि अगर ट्रैफ़िक पुलिस अपने रवैया में परिवर्तन नहीं लाती है तो इस मामले को पुलिस महानिदेशक को भी अवगत कराया जाएगा।

श्री चित्रगुप्त पूजा के साथ हुआ कार्यकारिणी का गठन

सोनभद्र। रेनूसागर परिसर में श्री चित्रगुप्त भगवान की पूजा का आयोजन रविवार को बड़े ही धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मयंक श्रीवास्तव रहें। उमेश श्रीवास्तव ने बड़े विधि-विधान से भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा की। रेनूसागर के मुखिया व यूनिट हेड आर पी सिंह ने इस कार्यक्रम के लिए अपना आशीर्वाद दिया। आयोजन के बाद कायस्थ महासभा रेनूसागर के कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें अध्यक्ष ओम कृष्ण श्रीवास्तव उपाध्यक्ष उमेश श्रीवास्तव प्रथम एवं मुकेश श्रीवास्तव उपाध्यक्ष द्वितीय महामंत्री मुकेश श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, संगठन मंत्री अमित श्रीवास्तव, सांस्कृतिक मंत्री रोहित सक्सेना को नियुक्त किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और उनकी सराहनीय भूमिका रही। रेनूसागर कॉलोनी के निवासियों तथा क्षेत्रीय लोगों के अलावा क्षेत्रीय सभासद प्रथम श्रीवास्तव की भी पूजा में भागीदारी रही।

फेस्टिवल ने पुराने रिकॉर्ड तोड़े

वाराणसी। एक महीने तक चलने वाला उसका अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2024 देश भर में ग्राहकोंए विक्रेताओं और ब्रांड भागीदारों के लिए अब तक का सबसे अच्छा खरीदारी उत्सव रहा है। 24 घंटे के प्राइम अर्ली एक्सेस के साथ एजीआईएफ2024 का शुभारंभ 27 सितंबर को हुआ था। एजीआईएफ2024 ने विक्रेता की सफ़लता के कीर्तिमान स्थापित किए और पिछले साल की तुलना में विक्रेताओं की बिक्री में 70प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गईए जो एक करोड़ से अधिक थी। ऑनलाइन मार्केटप्लेस ने अपनी फ़ॉस्टे डिलीवरी की क्षमता को और बढ़ायाए पूरे भारत में प्राइम मेंबर्स को 3 करोड़ से अधिक उत्पाद उसी दिन या अगले दिन डिलीवर किए गए इस प्रकार इसमें पिछले वर्ष की तुलना में 26 फीसद बढ़ोतरी देखी गई। वाइस प्रेजीडेंट सौरभ श्रीवास्तव ने कहा ग्रेट इंडियन फेस्टिवल 2024 पिछले सभी रिकार्ड तोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा खरीदारी उत्सव बन गया है।

बांग्लादेश में विरोध

मानवाधिकारों का हनन

बांग्लादेश में हजारों अल्पसंख्यक हिंदू शुक्रवार को सड़कों पर उतरे और हाल ही में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद चल रही हिंसा और उत्पीड़न से तत्काल सुरक्षा की मांग की। मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्वी शहर चटगाँव में आयोजित विरोध प्रदर्शनों में लगभग 30,000 हिंदू न्याय और सुरक्षा के लिए नारे लगाते हुए एकत्र हुए। प्रदर्शनों पर पुलिस और सैन्य कर्मियों द्वारा कड़ी निगरानी रखी गई थी, क्योंकि हिंदू समुदाय के नेताओं ने अंतरिम सरकार से उनके समुदाय पर बढ़ते हमलों के बीच हस्तक्षेप करने का आग्रह किया था। विरोध प्रदर्शन हिंदू अल्पसंख्यक के खिलाफ कथित हमलों की एक श्रृंखला के बाद हुए हैं, जो अगस्त में प्रधान मंत्री शेख हसीना की धर्मनिरपेक्ष सरकार को उखाड़ फेंकने के बाद से विशेष रूप से असुरक्षित हैं। हसीना के जाने के बाद, नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस को एक अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया गया था, जिसे व्यवस्था बनाए रखने और अल्पसंख्यक समूहों की रक्षा करने में अपनी कथित अक्षमता के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा है। प्रभावशाली बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद का दावा है कि अगस्त से हिंदुओं पर 2,000 से अधिक हमले हुए हैं, यह अवधि कट्टरपंथी इस्लामवादी समूहों द्वारा बढ़ती हिंसा की विशेषता है। बांग्लादेश की लगभग 170 मिलियन की आबादी में हिंदू लगभग 8 प्रतिशत हैं, जबकि मुस्लिम बहुसंख्यक लगभग 91 प्रतिशत हैं।

महत्वपूर्ण अल्पसंख्यक होने के बावजूद, हिंदू समुदायों का कहना है कि उन्हें अपर्याप्त रूप से संरक्षित किया जाता है और अक्सर राजनीतिक और सामाजिक अस्थिरता के बीच उन्हें निशाना बनाया जाता है। अशांति ने अन्य समूहों को भी प्रभावित किया है; रिपोर्ट बताती हैं कि हसीना की अवामी लीग पार्टी और उसकी सहयोगी जातीय पार्टी के समर्थकों को भी हिंसा का सामना करना पड़ा है। हिंसा में हाल ही में हुई वृद्धि ने अंतरराष्ट्रीय चिंता को जन्म दिया है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार अधिकारियों ने, वैश्विक वकालत समूहों के साथ, अंतरिम सरकार के तहत बांग्लादेश में मानवाधिकारों की स्थिति पर चिंता व्यक्त की है। भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हमलों पर चिंता व्यक्त की, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के प्रशासन ने घोषणा की कि वह स्थिति पर बारीकी से नज़र रख रहा है। कोरस में अपनी आवाज़ मिलाते हुए, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति और वर्तमान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प ने हिंदुओं, ईसाइयों और अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की गई卐बर्बर हिंसा卐 की निंदा की, और बांग्लादेश को 卐पूरी तरह से अराजकता की स्थिति卐 में बताया। अगस्त से ही रैली कर रहे हिंदू कार्यकर्ता सरकार पर आठ प्रमुख मांगों की सूची के साथ दबाव बना रहे हैं, जिसमें अल्पसंख्यक सुरक्षा कानून की स्थापना, अल्पसंख्यक मामलों के लिए एक समर्पित मंत्रालय का निर्माण और अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को संबोधित करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए एक विशेष न्यायाधिकरण शामिल है। चटगाँव में शुक्रवार के विरोध प्रदर्शन को आंशिक रूप से 19 हिंदू समुदाय के नेताओं के खिलाफ हाल ही में दर्ज किए गए देशद्रोह के आरोपों से बढ़ावा मिला। जैसा कि बांग्लादेश राजनीतिक और धार्मिक तनावों से जूझ रहा है, अल्पसंख्यक समुदाय अभी भी तनाव में हैं। बढ़ते अंतरराष्ट्रीय ध्यान और सुरक्षा और न्याय के लिए बढ़ती घरेलू मांगों के साथ, अंतरिम सरकार को शांति बहाल करनी चाहिए और अपने अल्पसंख्यक समूहों के अधिकारों और सुरक्षा को संबोधित करना चाहिए, अन्यथा अराजकता और अंतत: गृहयुद्ध में डूबने का स्पष्ट खतरा है।

सनातन, कश्मीर एवं अनुच्छेद 370

कश्मीर में लोकतंत्र को बहाल करने की प्रक्रिया में होने वाले जेहादी आतंकवाद की घटनाओं ने सनातन संस्कृति को अप्रभावित किया है।

विकास नौटियाल
(लेखक, इतिहास के प्रोफेसर हैं)

भू सांस्कृतिक दृष्टि से जम्मू एवं कश्मीर भारत की सनातन परंपरा की अविभाज्य अंग रहा है। स्वतंत्र भारत के संविधान के अंतर्गत इसे भारत का एक अभिन्न अंग मानते हुए अनुच्छेद 370 में विशेष दर्जा दिया गया। दूसरी ओर स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत कश्मीर की पृथक संविधान सभा द्वारा भी जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग माना गया। नीलमती पुराण, राजतरंगिणी, पुरातात्विक एवं अन्य ऐतिहासिक साक्ष्य कश्मीर में प्राचीन काल से सनातन संस्कृति की समृद्धि को पुष्ट करते हैं। भारतीय धर्म ग्रंथो में कश्मीर को ऋषि कश्यप एवं मां शारदा की भूमि बताया गया है। आज से 2000 वर्ष पूर्व तक कश्मीर में बौद्ध संस्कृति का भी व्यापक प्रचार प्रसार हो चुका था । इसी पृष्ठभूमि में वर्तमान समय के आठ देशों में शासन करने वाले कुषाण शासक कनिष्क के काल में राजधानी श्रीनगर के निकट कुंडलवन में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन किया गया।

इस क्षेत्र में इस्लाम की प्रवेश तक सनातन की परंपरा जिस प्रकार समृद्ध हुई उसके सघन एवं व्यापक अवशेषों निरंतरता के रूप में कश्मीर के इस्लामी शासन के दौरान भी इस्लामी अंत: क्रिया के साथ देखे जा सकते हैं। तेहरवीं शताब्दी में इस्लाम के प्रसार की प्रक्रिया में जबरन धर्मांतरण के साथ-साथ सनातन धर्म के प्रतीकों को मिटाने का निरंतर कार्य किया गया। मुस्लिम शासको के शासन के बावजूद यहां कश्मीरी पंडित एवं सनातन संस्कृति का महत्व बना रहा यद्यपि जैनुलाब्दीन बडशाह जैसे शासकों ने सनातन संस्कृति की निरंतरता को बनाए रखने में अपना विशिष्ट योगदान भी दिया। इस्लामी संस्कृति के प्रसार के साथ-साथ गुरु नानक, गुरु हरगोविंद की गुरु परंपरा के अंतर्गत श्रीनगर में गुरुद्वारा छठवीं पादशाही की स्थापना हुई। सनातन के प्रकाश पुंज नानक स्वयं अपनी उदासियों माध्यम से कश्मीर में अपने विचारों को प्रचारित करते चले गए। प्राचीन सनातन धर्म ग्रंथो के अनुसार शिव द्वारा माता पार्वती को अमरनाथ गुफा में ही अमरत्व के रहस्य की जानकारी दी गई थी। शिव से संबंधित अमरनाथ की यात्रा अत्यंत चुनौती पूर्ण होते हुए भी आज संपूर्ण भारत में लोकप्रिय है।

भू सांस्कृतिक रूप से पाकिस्तान भी भारत की सनातन संस्कृति का एक भाग था किंतु स्वतंत्रता आंदोलन तद्नतर 1947 में विभाजन एवं भयावह दंगों के उपरांत भारत-पाकिस्तान दोनों देशों के बीच विविध कारणों से गंभीर कटुता आने लगी। जिसकी चरम परिणति उत्तरोत्तर तीन युद्धों एवं विविध संघर्षों के रूप में हुई। भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के दौरान जम्मू कश्मीर पर नियंत्रण, अधिकारिक लूटपाट के लिए नवोदित पाकिस्तान सरकार एवं उनकी सेना द्वारा समर्थित पश्तून कबायली आक्रांताओं ने मुजफ्फराबाद, बारामूला होते हुए महाराजा हरि सिंह के राज्य कश्मीर पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में आक्रांता कबालियों के साथ पाकिस्तान सेना के अधिकारियों के अतिरिक्त ब्राउन जैसे ब्रिटिश अधिकारी भी सम्मिलित थे।

उस समय तक भारत के सर्वोच्च सेनापति भी स्वयं एक अंग्रेज अधिकारी अकिनलेक एवं पाकिस्तान में ग्रेसी ही थे। भू राजनीतिक एवं धार्मिक कारणों से पाकिस्तान जम्मू कश्मीर पर अपना नियंत्रण बनाना चाहता था जबकि दूसरी ओर अंग्रेज अधिकारी शीत युद्ध से उपजे अंतर्राष्ट्रीय शक्ति संतुलन, %डिवाइड एंड क्विट% पॉलिसी एवं भारत को कमजोर देश के रूप में बनाने की पृष्ठभूमि में जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाने के पक्षधर थे। इसी पृष्ठभूमि में भारत की संविधान सभा को अनुच्छेद 370 के विशेष प्रावधान के अंतर्गत जम्मू कश्मीर को भारतीय राजव्यवस्था का अंग बनाना पड़ा। 1947, 1965, 1971 के तृतीय पीढ़ी के युद्धों में असफल रहने के उपरांत पाकिस्तान ने चतुर्थ पीढ़ी के युद्ध के रूप में प्रॉक्सी वार की प्रक्रिया को कश्मीर के माध्यम से भारत के विरुद्ध प्रयुक्त किया। इसी के अंतर्गत पाकिस्तान स्थित उग्र इस्लामिस्ट संगठनों द्वारा जम्मू कश्मीर को आजादी के नाम पर जेहादी आतंकवाद का मैदान बनाकर भारत से पृथक करने का असफल प्रयास किया गया ।

इस प्रक्रिया में पिछले 3-4 दशकों में हजारों की संख्या में आम नागरिक एवं सुरक्षा बलों के सदस्य मारे गए। कश्मीर में जेहादी आतंकवाद से उत्पन्न चीत्कार को समाप्त करने एवं यहां शांति बनाए रखने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर अनेक संवैधानिक एवं प्रशासनिक कदम उठाए गए। भारतीय जनता पार्टी अपने जन्म से ही कश्मीर की अनुच्छेद 370 के प्रावधान के विरुद्ध थी। पार्टी ने 2014 में अपने चुनावी घोषणा पत्र में इस अनुच्छेद को समाप्त करने का उल्लेख किया। तदंतर 2019 में दूसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के उपरांत भारत सरकार द्वारा संसदीय प्रक्रिया एवं संवैधानिक प्रावधानों के अंतर्गत 2019 में अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर भारत के संविधान के सभी संवैधानिक प्रावधान अन्य राज्यों के समान जम्मू कश्मीर पर लागू करते हुए जम्मू कश्मीर को पांडिचेरी के समान स्टेटस वाला केंद्र शासित प्रदेश एवं लद्दाख को सामान्य केंद्रशासित प्रदेश बना दिया गया।

जम्मू कश्मीर में प्राचीन सनातन संस्कृति की निरंतरता यहां के शंकराचार्य, ज्वाला देवी , खीर भवानी मंदिर, शिव का अवंतीस्वामी मंदिर,लादेव, ममलेश्वर मंदिर, भगवान विष्णु का आवास कहे जाने वाले नरस्तन मंदिर,पयार , मार्तंड जैसे मंदिरों एवं उनके खंडहरों में देखी जा सकती है इसकी अतिरिक्त यह निरंतर इसके प्राचीन काशी स्वरूप, शारदा पीठ, पंडित संस्कृति, धर्मांतरित निवासियों के नामकरण जैसे माध्यमों से समझी जा सकती है।

भारतीय सनातन परंपरा में वैदिक काल से ही देवी सरस्वती को महत्व दिया जाता रहा है इसी सरस्वती का एक रूप ज्ञान एवं शिक्षा की देवी शारदा के रूप में भी प्रतिष्ठित हुआ। देवी शारदा को कश्मीरपुरवासिनी भी कहा जाने लगा। कश्मीर के इस शारदा पीठ के नाम पर ही इस अंचल को शारदा देश भी कहा जाने लगा। नीलम घाटी में स्थित यह स्थान प्राचीन भारतीय संस्कृति में तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला के समान सनातनियों , बौद्धों का एक महत्वपूर्ण शिक्षा तथा ज्ञान का केंद्र था। आठवीं शताब्दी में सनातन संस्कृति को भारत की विविध दिशाओं में प्रसारित करने वाले आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा इसे एक महत्वपूर्ण शिक्षा के केंद्र के रूप में पुनरुद्धार किया गया। यहां भारतीय उपमहाद्वीप ही नहीं अपितु अफगानिस्तान तिब्बत इंडोनेशिया दक्षिण पूर्व एशिया के अंदर देश के विद्वान एवं शिक्षणार्थी आया करते थे। सातवीं शताब्दी में चीनी यात्री वहेनसांग के भी यहां 2 वर्ष का समय बिताने का उल्लेख आता है। तदंतर कल्हण, नीलमती पुराण, अलबरूनी, अबुल फजल जैसे विद्वान आज के पाकिस्तान द्वारा नियंत्रित कश्मीर में माता शारदा, माता नारदा के मंदिरों की स्पष्ट जानकारी देते हैं जहां पर प्राचीन भारत की तीर्थ परंपरा के रूप में तीर्थयात्रा किए जाने का उल्लेख आता है। धीरे-धीरे प्रत्येक कश्मीरी के लिए शारदा माता उसकी स्वयं की पहचान भी बन गयी। वर्तमान में स्वयं शारदा पीठ के मुस्लिम मूल निवासी भी इस मंदिर को शारदा माई का मंदिर के नाम से जानते हैं।

भारत-पाकिस्तान विभाजन के उपरांत स्वामी नंदलाल शारदा पीठ की मूर्तियों को बारामुला लेकर आए। पाकिस्तान मूल की पुरातत्वविद एवं विद्वान रुकसाना खान द्वारा इस मंदिर के विविध पक्षों का गहन विवेचन कर इसका संरक्षण किए जाने पर बल दिया गया है। देवी परंपरा का रूप जम्मू के वैष्णो देवी के मंदिर में संपूर्ण भारतवर्ष में लोकप्रियता के साथ देखा जा सकता है।

आज अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की आवश्यकता है कि जिस प्रकार करतारपुर कॉरिडोर के माध्यम से सिखों को पाकिस्तान में तीर्थ यात्रा करने पाकिस्तान मुसलमान को अजमेर शरीफ एवं निजामुद्दीन औलिया की दरगाह में जियारत करने की सुविधा दी गई है इस प्रकार कश्मीर के नीलम घाटी क्षेत्र में स्थित शारदा पीठ की धार्मिक यात्रा करने की अनुमति भारत विशेष रूप से कश्मीर के हिंदुओं को मिलनी चाहिए। आज समय की मांग है कि %क्रॉस बॉर्डर टेररिज्म% के बजाय %क्रॉस बॉर्डर टूरिज्म% पर बल दिए जाने की आवश्यकता है।

विचारों की बाढ़ और स्थिरता

> आधुनिक विज्ञान इस बात पर जोर देता है कि मन की गतिविधि में कोई अंतर नहीं है; चाहे आप किसी को थप्पड़ मारें या किसी को थप्पड़ मारने के बारे में सोचें। यह मस्तिष्क का लिम्बिक सिस्टम है।

रवि वलूरी
(लेखक, स्तम्भकार हैं)

कुछ समय पहले मैंने माइंड मैनेजमेंट पर एक लेख लिखा था और मुझे कई तरह के विचारों के निर्माण और लोगों द्वारा इस बात को स्वीकार करने के बारे में कुछ प्रश्न प्राप्त हुए थे कि मन शांत नहीं है। यह भयावह और परेशान करने वाला था कि विभिन्न आयु समूहों के कई लोग सभी प्रकार के नकारात्मक विचारों से ग्रस्त थे। लोग पूरे दिन और विशेष रूप से रात के समय उठने वाले विचारों से परेशान थे। सोते समय उठने वाले विचार हमारे साथ रहते हैं और हमारी चेतना में गहराई से समा जाते हैं और अगली सुबह हम फिर से उन्हीं विचारों से परेशान होते हैं और पंखुड़ियों पर ताजा ओस की तरह नहीं होते। अष्टावक गीता कहती है कि सभी क्रियाएँ मन में रहती हैं और आधुनिक विज्ञान द्वारा इसकी पुष्टि की गई है। आधुनिक विज्ञान इस बात पर जोर देता है कि मन की गतिविधि में कोई अंतर नहीं है; चाहे आप किसी को थप्पड़ मारें या किसी को थप्पड़ मारने के बारे में सोचें। यह मस्तिष्क का लिम्बिक सिस्टम है, जहाँ मोटर नियंत्रण व्यक्त होता है। किसी को थप्पड़ मारने के बारे में सोचने मात्र से सभी मांसपेशियाँ सक्रिय हो जाती हैं जो उस विशिष्ट क्रिया को करने के लिए नियोजित होंगी। औसतन, हम एक दिन में 60 हज़ार विचारों से घिरे रहते हैं। और ऐसा लगता है कि हम उन पर कोई नियंत्रण नहीं रखते हैं।

ये विचार हमारे स्मृति बैंक (पिछले संस्कार और कर्म), हमारी संगति, पिछले और वर्तमान अनुभवों और हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन के कारण उत्पन्न होते हैं। अष्टावक्र गीता के अनुसार, आत्मज्ञान तभी होता है जब हम अपने हृदय में रहते हैं। हृदय एक ऐसे मोड़ का पर्याय है जहाँ कोई अतीत या भविष्य नहीं है। केवल एक वर्तमान है। गुरुदेव श्री श्री रविशंकर कहते हैं कि वर्तमान क्षण अपरिहार्य है। और यह अवस्था ही सच्चा आत्मज्ञान है। कोई व्यक्ति वर्तमान क्षण की उस अवस्था तक कैसे पहुँच सकता है? कुछ तकनीकों पर विचार करने से पहले, आइए कुछ कहानियाँ देखें। दो बौद्ध भिक्षु साइकिल पर सवार होकर एक ज़ेन मास्टर से मिलने जा रहे थे। भिक्षु एक ने पेड़ों, बादलों, उसके गाल पर पड़ने वाली ठंडी हवा के झोंकों, पहाड़ों,

सुंदर नीले आसमान, रास्ते में तोड़े गए फलों और ज़ेन मास्टर से मिलने से पहले उसके सामने आए गाँव के लोगों की संख्या का वर्णन किया। दूसरे भिक्षु ने बहुत घबराते हुए विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया कि वह केवल ज़ेन मास्टर से मिलने के लिए साइकिल चला रहा था। तुरंत ही गुरु ने दूसरे भिक्षु को अगला ज़ेन गुरु घोषित कर दिया। क्यों? क्योंकि वह सिर्फ़ साइकिल चला रहा था! वह वर्तमान क्षण में था। एक और बौद्ध कहानी। दो बौद्ध भिक्षु घने जंगल से होकर यात्रा कर रहे थे। रास्ते में उन्हें एक नग्न महिला मिली। बड़े भिक्षु ने अपने कपड़े उतारे और नग्न महिला को कपड़े पहनाकर नदी पार ले गया और किनारे के दूसरी तरफ़ छोड़ दिया। छोटे भिक्षु को अपने वरिष्ठ भिक्षु के इस कृत्य से बहुत परेशानी हुई। वह वरिष्ठ भिक्षु को डांटता रहा, उसे शाब्दिक रूप से दोषी ठहराता रहा, जिसे वह अपवित्र कृत्य मानता था। बड़े भिक्षु ने बस मुस्कुराया और टिप्पणी की कि उसने महिला को नदी पार ले जाकर वहीं छोड़ दिया, जबकि दूसरा भिक्षु अभी भी महिला को अपने मन में लिए हुए था। प्राणायाम, सुदर्शन क्रिया, योग का अभ्यास करना, ज़ोरदार व्यायाम करना, शौक पूरा करना, चिंतन करना, प्रार्थना करना, प्रकृति का अवलोकन करना और सिर्फ़ एक दर्शक या साक्षी बनना भी साधक और परेशान मन वाले लोगों को वर्तमान क्षण में जीने में मदद करेगा। कन्फ्यूशियस कहते हैं, जीवन वास्तव में सरल है, लेकिन हम इसे जटिल बनाने पर ज़ोर देते हैं।

आप की बात

स्वागत योग्य निर्णय

हमारे देश में कृषि जीवन यापन का महत्वपूर्ण संसाधन है। मगर कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तनों व अति विकसित फसलों के बीज और अत्याधुनिक उपकरणों निर्मित होने के बाद देश के कृषकों तक यह नहीं पहुंच पाए हैं। क्योंकि उनके पास इनके बारे में एक तो उन्हें जानकारी नहीं है और दूसरे उनका उपयोग कैसे करें और धन की व्यवस्थाभी नहीं। अब माध्यमिक स्तर से ही कृषि शिक्षा प्राप्त छात्र अपने गांवो में ही अत्यधिक फसल देने उत्तम किस्म की फासले उगा सकेंगे साथ ही कृषि से जुड़े हुए छोटे उद्योग भी शुरू कर सकेंगे और देश में बड़ी संख्या में ग्रामीण रोजगार पैदा होंगे। उत्पादन में वृद्धि होने से यहां कृषकों को लाभ होगा। वही उत्पादन बढ़ने से हमें कृषि उत्पादन आयात नहीं करने पड़ेंगे। कई ग्रामीण छात्र जो शहरों में जाकर पढ़ाई नहीं कर सकते हैं। वह भी अपने क्षेत्र के स्कूलों में कृषि विषय उपलब्ध होने से पढ़ाई के साथ-साथ अपनी खेतों पर उनके प्रोजेक्ट भी लागू कर सकेंगे। कृषि विशेषज्ञों की कमी दूर होगी। और एक नई हरित क्रांति की शुरुआत होगी। सरकार से उम्मीद की जाती है कि वह इसी तरह के निर्णय लेकर सुधार की प्रक्रिया को आगे भी जारी रखेगी जिससे आने वाले समय में कृषि के प्रति लोगों की रुचि बढ़ेगी।

- **सुभाष बुड़ावनवाला**, रतलाम

नेताओं पर हो कार्रवाई

हमारा संविधान और उसकी धाराएं इतनी सख्त हैं कि कोई भी अपराधी उससे बच नहीं सकता. किन्तु न जाने कैसे रसूखदारी उन्हें बचा लेती है. इससे उनमें और अधिक निडरता आ जाती और वे ज्यादा आपराधिक प्रवृत्ति के बनने लगे हैं. कानून तो सही है किन्तु उसके पालन करने/कराने में कहीं न कहीं तो किसी तरह की कमजोरी जरूर है तभी तो कतिपय नेता हो या नागरिक कहीं भी कभी भी महिलाओं व बच्चियों के साथ दुष्कर्म, अभद्रता, अश्लील हरकतें,अपशब्द किसी को भी बोलने/करने से नहीं डर रहे हैं. ऐसे कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर पिछले दिनों आये हैं जिसमें नेता तक ने अभद्रता/अश्लीलता की हदें पार कर दीं. अपशब्दों का उपयोग तो वे एक-दूसरे पर ही नहीं बल्कि उच्च पदों पर आसीन मंत्रियों तक के लिए सार्वजानिक रूप कर देते हैं. सरकार और न्यायालयों को चाहिए कि वे भारतीय संविधान जो कि पुख्ता है उसका सख्ती से पालन करने/कराने हेतु सरकारी व्यवस्था को सुधारे। क्योंकि इसमें कानून का दोष नहीं है सही तरीके से उसका पालन करने/कराने वाली व्यवस्था अधिक दोषपूर्ण है. राष्ट्रीय राजनीतिक दलों को भी चाहिए कि उसका जो भी सदस्य अभद्रता/अश्लीलता का प्रदर्शन करता है उसपर राजनीति से ऊपर उठकर कठोर कार्रवाई खुद भी करे जिससे सामाजिक बुराइयां भी बढ़ सकती है।

- **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

विमानों में सुरक्षा

दुबई से दिल्ली आने वाली फ्लाइट में कारतूस मिला। कैसे सिक्योरिटी की निगाह में नहीं आया, ये घटना 27 अक्टूबर की है इसके पहिले पिछले 16 दिनों में 500 बमों की धमकी मिली है जो जांच में अफवाह ही पाई गई है ।बम की धमकी देने वाले तीन आरोपी पकड़े गए है उन्होंने इसके करने के पीछे जो कारण बताए वो चौंकाने वाले है ,एक ने आतंकवाद पर किताब लिखी थी वो ऐसा करके सनसनी फैलाना चाहता था ,दूसरे ने फेमस होने के लिए ऐसा किया और तीसरे ने अपने दोस्त को फंसाने के लिए उसके मेल एड्रेस का दुरुपयोग किया लेकिन उनकी इन हरकतों से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में करीब 1400 से 1600 करोड़ का नुकसान हुआ है ।इसका खामियाजा कैसे वसूला जाएगा और यात्रियों को जो मानसिक पीड़ा ,समय की बरबादी हुई उसके लिए तो इन अपराधियों पर कठोर कारवाई होनी चाहिए ,कड़े कानून बना कर इन्हें हवाई सेवाओं का उपयोग लेने पर बेन लगाना चाहिए एवं उन्हें कठोरतम दंड मिलना चाहिए जिससे आगे कोई व्यक्ति ऐसा करने का दुस्साहस नहीं कर सके। पहले भी कई चिंताजनक घटनाएं हो चुकी हैं। लापरवाही से बड़ी संख्या में यात्रियों की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है। जो चिंताजनक है।

- **भगवानदास छारिया**, इंदौर

विफल अब्दुल्ला सरकार

कश्मीर घाटी में हमेशा हि जो नेशनल कांफ्रेंस पाकिस्तान से बातचीत करने का समर्थन लगातार करती रही थी आज इस राजनीतिक पार्टी के फारूक अब्दुल्ला एवं उमर अब्दुल्ला जब आज कश्मीर घाटी में स्वयं अपनी पार्टी की सत्ता आने पर अब उनकी सिटी-पिटी गुम हो गई है कारण आज उनकी पार्टी के सत्ता में आ जाने के बाद भी कश्मीर घाटी में आतंकी घटनाएं नहीं रूक रही है और बल्कि और अधिक बढ़ गई है कारण जब से उमर अब्दुल्ला की सरकार कश्मीर घाटी में सत्ता में आई है तब से अब तक चार बड़ी आतंकी घटनाएं कश्मीर घाटी में हो चुकी है जबकि ये अब्दुल्ला परिवार राष्ट्रपति शासन के दौरान हमेशा ही केंद्र की भाजपा सरकार को बदनाम करता रहता था एवं हमेशा ही पाकिस्तान पाकिस्तान की माला जपता रहता था यानी पाकिस्तानी आतंकी आज इस नई सरकार के आने के बाद भी नहीं रूक रहे हैं एवं अपना खूनी आतंकी खेल लगातार खेल रहे हैं अत: कहा जा सकता है कि सत्ता न रहने पर केंद्र सरकार को कोसना एक अलग बात है और सत्ता में आने के बाद सत्ता चलाना एक बड़ी टेढ़ी खीर है।

मनमोहन राजावत, शाजापुर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम व एसपी ने शिकायतों का मौके पर कराया निस्तारण

● जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण भी सुनिश्चित करें थानाध्यक्ष

श्रावस्ती। भिनगा। डीएम अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में तहसील भिनगा में सम्पूर्ण समाधान दिवसध्तहसील दिवस का आयोजन किया गया। डीएम ने सम्पूर्ण समाधान दिवस/तहसील दिवस में आयी शिकायतों को गम्भीरता से उनका निस्तारण करने हेतु संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। डीएम को प्रार्थी बैतुल्ला खां पुत्र मो. जहूर खां बंटिहवा मौजा सिटकहवा तहसील भिनगा के द्वारा अवगत कराया गया कि उनके चक के बगल गाटा संख्या 463 चक मार्ग स्थित हैए जिसे दूसरे कास्तकारों द्वारा बढ़ाकर जुताई कर अपने कब्जे में कर लिया गया है जिसे पैमाइश कराकर कब्जेदारों से चकमार्ग खाली कराये जाने हेतु जिलाधिकारी से अनुरोध किया जिस पर डीएम ने तुरन्त मामले का संज्ञान लेते हुए मौके पर राजस्व एवं पुलिस की टीम को भेजकर जांच कर कार्यवाही का आदेश दिया। ग्राम गोपीपुरवा मौजा टिटिहरिया तहसील भिनगा के निवासियों द्वारा प्रार्थना पत्र देकर डीएम से अनुरोध किया कि गांव के पूरब ओर एक जंगली नाला है जिस पर कई व्यक्तियों के द्वारा अवैध कब्जा करके निर्माण कर लिया गया है, जिससे पानी का निकास बन्द हो गया है तथा आस.पास के खेत जलमग्न हो गये है उक्त नाले पर अवैध अतिक्रमण को हटवाते हुए निर्माण कार्य अविलम्ब हटवाने की कृपा करें। डीएम ने तत्काल एसडीएम भिनगा को जांच कर अग्रिम कार्यवाही कराने का निर्देश दिया। प्रार्थिनी मंजूदेवी पत्नी बाबूराम मंदबुद्धि निवासी मुराउपुरवा दा. कोकल तहसील भिनगा के द्वारा अवगत कराया गया कि उनकी जमीन पर विपक्षीगणों द्वारा अवैध कब्जा कर लिया गया है और भूमि पर जाने पर मारपीट करने पर उतारू हो जाते है। डीएम ने प्रकरण की जांच हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की टीम को मौके पर भेजकर सख्त कार्यवाही कराने का निर्देश दिया। फरियादियों की शिकायतों का समयबद्ध एवं सुचितापूर्ण ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। समस्त एसडीएम स्वयं लंबित शिकायतों की समीक्षा करते रहेताकि कोई भी प्रकरण लंबित न रहने पाए। पुलिस अधीक्षक ने समस्त थानाध्यक्ष को निर्देशित किया कि संपूर्ण समाधान दिवस/तहसील दिवस में पुलिस विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय.सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें।

दो दिन से लापता युवक का शव नाले में मिला

जगदीशपुर, अमेठी। घर से दो दिन पूर्व गायब युवक का शव नाले में मिलने से लोगो मे हड़कम्प मच गया सूचना पर पहुची पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्यवाही में जुटी हुई है। थाना कमरौली के औद्योगिक क्षेत्र स्थित रोड नम्बर दो के निकट नाले पड़ी देख क्षेत्रीय लोगो मे हड़कम्प मच गया क्षेत्रीय लोगो की सूचना पर पहुची पुलिस ने पड़े शव की शिनाख्त के लिए लोगो से जानकारी चाही परन्तु घण्टो बाद पहचान हो पाई। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक शव की पहचान जौवाद उम्र लगभग 28 वर्ष के रूप में हुई है जो थाना इन्हौना के छोटी बाजार का निवासी है जानकारी हासिल करने पर पता चला कि तीन दिन पहले घर से गायब हुआ था जो नशेड़ी प्रवृत्ति का था जिसके पास से नशे का सामान भी बरामद हुआ है जिसकी गूमसूदगी थाना इन्हौना में दर्ज पाई गई है शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी ने विद्युत मीटरों तथा ककवा ओवरब्रिज की निर्माणाधीन सर्विस लेन का किया निरीक्षण

अमेठी। जिलाधिकारी निशा अनंत ने आज तहसील अमेठी में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के उपरांत कस्बा क्षेत्र अमेठी में विद्युत उपभोक्ताओं के यहां लगे विद्युत मीटरों तथा ककवा ओवर ब्रिज की निर्माणाधीन सर्विस लेन का स्थलीय निरीक्षण किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के साथ कस्बा क्षेत्र अमेठी में विद्युत उपभोक्ताओं के यहां स्थापित विद्युत मीटरों का निरीक्षण किया। डीएम ने कई उपभोक्ताओं के यहां अपने समक्ष बिलिंग कराई तथा उपभोक्ताओं से बिजली बिल के संबंध में जानकारी लीए उपभोक्ताओं द्वारा बताया गया कि बिजली विभाग द्वारा प्रत्येक माह विद्युत बिल की पर्ची उपलब्ध कराई जाती है। मौके पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत रोहित सिंह को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त उपभोक्ताओं का नियत समय पर बिलिंग करा कर उन्हें रसीद उपलब्ध कराएं जिससे कि विद्युत उपभोक्ता अपना विद्युत बिल समय से जमा कर सकें एवं उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। आरडीएसएस योजना के अंतर्गत जर्जर पोल व तारों के स्थान पर केबल लगाए जाने की कार्यवाही का भी निरीक्षण किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके उपरांत डीएम ने अमेठी ककवा रोड पर निर्माणाधीन सर्विस लेन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर काम बंद पाया गया। डीएम ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कार्यदायी संस्था के सहायक अभियंता को शीघ्र अति शीघ्र तीव्र गति से गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य कराए जाने के निर्देश देते हुए माह दिसंबर तक कार्य पूर्ण करने को कहा। बताते चले की ककवा की ओर जाने वाली सर्विस लेन ओवर ब्रिज निर्माण के दौरान खराब हो गई थी जिसे जन सामान्य द्वारा जिलाधिकारी से सड़क निर्माण को लेकर शिकायत की गई थी जिसका जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए मौके पर जाकर निरीक्षण किया। उक्त सर्विस लेन दोनों साइड कुल मिलाकर 672 मीटर लंबी तथा 3.75 मीटर चौड़ी बनाई जानी है।

धड़ल्ले से जारी हरे पेड़ों की कटान

अमेठी। लकड़ी के इस अवैध कारोबार में पुलिस और वन विभाग लकड़ी माफ्रियाओं से सांठगांठ कर खुलेआम हरियाली उजाड़ने का आदेश दे रहा है, शुकुल बाजार अमेठी थाना क्षेत्र के तराई क्षेत्र के पाली पूरे दुनिया पूरे पिताई धनेश पाठक गांव में प्रतिबंधित महुवा, जामुन व नीम के लगभग 50 वर्ष के आधा सैकड़ा से अधिक हरे भरे पेड़ों की कानून और नियमों के बावजूद पेड़ो की कटाई धुआंधार जारी है। हल्का पुलिस व वन रक्षक की मिलीभगत से प्रतिबंधित हरे पेड़ों को काटा जा रहा है। यह पूरा मामला थाना क्षेत्र शुकुल बाजार जनपद अमेठी का है। जहाँ पुलिस की नजरों में पेड़ की कीमत कुछ नही है। पुलिस एवं वन विभाग की मिलीभगत से लकड़कट्टों द्वारा हरे भरे पेड़ों का कत्ल किया गया है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में क्षेत्र रेगिस्तान हो जाएगा। जबकि वन विभाग का नारा है श्रृक्ष लगाओ पानी बरसाओश। लेकिन यहाँ इसके उल्टा हो रहा हैए श्रृक्ष कटाओ पैसा कमाओश। शुकुल बाजार थाना क्षेत्र में धड़ल्ले से हरे भरे पेड़ पुलिस की मिलीभगत से काटे जा रहे हैं । लकड़कट्टे सुविधा शुल्क देकर फ्लदार हरे और स्वस्थ पेड़ों का परमिट हासिल कर लेते हैं और पुलिस संरक्षण में पेड़ों का कटान होता है । लकड़ी के ठेकेदार पेड़ काटने के बाद ट्रैक्टर.ट्रालियों और पिकअप से ढुलाई करते हैं। जिसका टीपी भी नहीं होता है। पैसा लेकर क्षेत्रीय पुलिस और वन विभाग अपनी आंखे बंद कर लेती है। जिससे लकड़ी कटाई माफ्रियाओ के हौसले बुलन्द है। कटाई ठेकेदार की माने तो शुकुल बाजार थाना क्षेत्र में कई कई लकड़ी कटाई ठेकेदार है जो थाना में शुल्क लेकर क्षेत्र में आम के व आम, महुआ, नीम जैसे हरे भरे पेड़ों को काटने की परमिशन लकड़ी माफ्रियाओं को दी जा रही है जब रक्षक ही भक्षक बनते देखे जा रहे हैं तो कौन करेगा क्षेत्र के सर्किल की रखवाली। इस बाबत जब लकड़ी ठेकेदार से बात की गई तो ठेकेदार ने कहा कि अख़बार में जो छापना हो छापो मेरा कुछ नहीं बिगड़ेगाएवन विभाग से लेकर पुलिस तक पैसा देता हूं।

संपूर्ण समाधान दिवस के शिकायतों का हो गुणवत्तापूर्ण निस्तारणः डीएम

● डीएम, एसपी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी फरियादियों की समस्याएं

● सिंचाई विभाग के एक्सईएएन का वेतन रोका

समाधान दिवस में शिकायतों का निस्तारण करती डीएम नेहा शर्मा व एसपी विनीत जायसवाल।

गोंडा। शासन की मंशानुरूप जन सामान्य की शिकायतों एवं समस्याओं का एक ही स्थल पर निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद के समस्त तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील सदर में डीएम नेहा व एसपी विनीत ने आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना तथा शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को प्रेषित किया गया। तहसील सदर गोण्डा में कुल 61 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये जिसमें 03 प्रार्थना पत्रों का मौके पर ही निस्तारित कर दिया गया है। शेष को निर्धारित समय सीमा के अन्तर्गत प्रकरण का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करते हुये आख्या तहसील में उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने निर्देश दिए हैं कि समाधान दिवस में प्राप्त होने वाले शिकायतों के निस्तारण हेतु टीम गठित किया जाय, तथा टीम के द्वारा शिकायत का मौके पर स्थलीय जांचकर गुणवत्ता के साथ निस्तारण करना सुनिश्चित किया जाय। अवैध अतिक्रमण के मामले में संयुक्त रूप से राजस्व एवं पुलिस फोर्स के साथ मौके पर जाकर निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि तालाब जमीन की पैमाइश, अवैध कब्जा, चकरोड, नाली, अवैध अतिक्रमण आदि को पुलिस फोर्स के साथ हटवाने का कार्य करें। शिकायतकर्ताओं को मौके पर बुलाएं। उसके आने पर लिखित रूप से उल्लेख करें और निस्तारण के प्रकरण का फोटोग्राफीध्वीडियोग्राफी भी करना सुनिश्चित करें। शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर पूरी गुणवत्ता के साथ करें अन्यथा संबंधित विभाग के अधिकारी के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी। संपूर्ण समाधान दिवस के अंत में जिलाधिकारी ने वहां पर उपस्थित सभी संबंधित विभाग के जनपदस्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण करना सुनिश्चित करें। तहसील सदर में जनसुनवाई के दौरान नहर विभाग की शिकायत प्राप्त हुई। सिंचाई विभाग के नोडल/एक्सईएएन बिना किसी सूचना के अनुपस्थित पाये गये, जिस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए डीएम ने वेतन रोकने के निर्देश दिए हैं। सीएमओ डा. रश्मि वर्मा, एसडीएम सदर गोण्डा अवनीश त्रिपाठी, पुलिस क्षेत्राधिकारी सिटी सौरभ वर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर शिल्पा वर्मा, तहसीलदार सदर देवेन्द्र कुमार, नायब तहसीलदार अनुराग पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी सुशील कुमार श्रीवास्तव, परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी, जिला पूर्ति अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, ग्रामीण अभियंता विभाग, सिंचाई विभाग, लघु सिंचाई विभाग के अधिकारी, विद्युत विभाग, एसएचओ कोतवाली नगर, देहात, कौड़िया बाजार, खरगूपुर तथा इटियाथोक, मोतीगंज सहित अन्य सभी जनपदस्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

त्वरित न्यूज

सीओ कटरा बाजार लाईन हाजिर

गोंडा। जिले के थाना कटरा बाजार क्षेत्र अन्तर्गत बीते 06 अक्टूबर 2024 को एक गांव के पास सड़क किनारे बीस वर्षीय अज्ञात युवती के शव मिलने से संबंधित घटना के अनावरण में प्रभारी निरीक्षक कटरा बाजार द्वारा अभी तक कोई सार्थक प्रयास न करने पर पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने तत्काल प्रभाव से प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार गुप्ता,कटरा बाजार को लाइन हाजिर कर दिया है। आपको बता दें कि संजय कुमार गुप्ता कटराबाजार थाने पर करीब एक वर्ष से ज्यादा समय तक तैनात रहे। गोंडा के कटरा बाजार थाना क्षेत्र में बीते छह अक्टूबर रविवार की सुबह सेल्हरी गांव के पास सड़क किनारे करीब बीस वर्षीय युवती का शव मिलने से हड़कंप मच गया था। ग्रामीणों के देखने पर इसकी सूचना पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। पुलिस के मुताबिक किसी धारदार हथियार से गला रेतकर युवती की हत्या करके उसका शव सड़क किनारे सुनसान जगह पर फेंका गया था। पुलिस ने शीघ्र ही युवती की शिनाख्त किये जाने की बात कही थी। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी राधेश्याम राय, सीओ कर्नलगंज उमेश्वर प्रभात सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया था। फिलहाल घटना के करीब एक महीने बीतने को हैं लेकिन पुलिस युवती की शिनाख्त करने में नाकाम साबित हुई। इससे पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे थे और विभाग की काफी फजीहत हो रही थी। अंततः पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार गुप्ता को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया है।

डीएम-एसपी ने सुनी फरियाद सम्पूर्ण समाधान दिवस

रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता माथुर ने सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर सलोन तहसील में जनता की फरियाद सुनी। इस दौरान उनके सामने कुल 68 मामले आए जिनमें 8 का मौके पर निस्तारण कराया। शेष शिकायतों को संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए सख्त निर्देश दिया कि इसका समयान्तर्गत व गुणवत्तापरक निस्तारण कराया जाए। इस अवसर पर राजस्व विभाग, पुलिस विभाग, विद्युत विभाग, नगर पंचायत, नलकूप, वन विभाग और समाज कल्याण विभाग के मामले जिलाधिकारी के सामने आए। जिलाधिकारी ने पैमाइश एवं भूमि विवाद से संबंधित मामलों में कहा कि राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौका-मुआयना करके सही व्यक्ति को तत्काल राहत दिलाएं। समय से हर किसी की शिकायत का समाधान सरकार की प्राथमिकता है, सभी अधिकारी इस बात का ख्याल रखें। उन्होंने पिछले संपूर्ण समाधान दिवस में आई शिकायतों के निस्तारण की भी समीक्षा की। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि अगर निस्तारण में अनावश्यक विलंब हुआ या निस्तारण सही नहीं पाया गया तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी।

न्यायिक अधिकारी ने किया पहल दम्पत्ति में कराया सुलह

संतकबीरनगर। जिला न्यायालय परिसर संत कबीर नगर में सोमवार को स्थापित सुलह समझौता केंद्र में सुष्मिता बनाम संदीप मध्य दाम्पत्य जीवन में संदेह बस विवाद पर परिवाद दाखिल हुआ था, जिसमें सुलह-समझौता करने हेतु अपर जिला जज महेंद्र कुमार सिंह ने सरोज बाला पाडेय एडवोकेट को मध्यस्थ नामित किया गया था। मध्यस्थ प्रक्रिया में दोनों पक्षों से संयुक्त व एकल बैठक कराई गई, जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला जज महेंद्र कुमार सिंह के प्रभावी समझ बूझ से दोनों के संबंधों को न सिर्फबहाल किया गया बल्कि साथ साथ रहने के लिए खुशी-खुशी सुष्मिता को उसके पति संदीप के साथ बिदा होने के लिए आक का दिन भी तय कर दिया गया। दोनों पक्षकार बहुत ही प्रसन्न होकर माँ समय महारानी के मंदिर पर जाकर दोबारा शादी किये तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं सुलह समझौता केन्द्र को धन्यवाद देते हुए घर गए। गौरतलब हो कि जिला न्यायालय परिसर के ए0डी0आर0 भवन में सुलह-समझौता केंद्र का संचालन होता है, जिसमें कोई भी पारिवारिक विवाद, वैवाहिक विवाद आदि संबंधित मामलों में कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलह समझौता कराया जाता है। इसके लिए पक्षकार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में प्रार्थना पत्र देना होता है।

चार लोगों को घर में घुसने से रोका तो महिलाओं से अभद्रता की

जालौन (उरई)। रंगबाजी को लेकर चार लोग घर पर आकर गाली-गलौज कर घर में घुसने लगे। जब महिलाओं ने रोका तो आरोपित ने परिवार के लोगों के साथ अभद्रता कर दी। पीड़ित ने घटना की शिकायत पुलिस से कर दी है। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला चौधरयाना निवासी हिमांशु ने बताया कि वह सुबह 10 बजे घर परिवार के साथ थे। इसी दौरान उनके पड़ोसी प्रेम बिहारी, कृष्ण मुरारी, अभिषेक उर्फदद्दा व प्रांशु आ गए और रंगबाजी दिखाते हुए गाली-गलौज कर घर में घुसने लगे। जब चाची राजेश्वरी व बहिन इति ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उनके साथ भी अभद्रता करने लगे। इसे देखकर जब उन्होंने डायल 112 को फोन किया तो पुलिस को आता देख वह देख लेने व जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। पीड़ित ने घटना की शिकायत पुलिस से कर दी है। कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र कुमार ने बताया कि शिकायत मिली है, जांच की जा रही है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

ऊंचाहार। सड़क दुर्घटना में घायल युवक की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। निहालीपुर मजरे कल्यानी गाँव निवासी कल्लू निषाद 40 वर्ष पुत्र रामकेश रविवार को सलोन कस्बे में मछली बेचने गया हुआ था, जहां से देर शाम बाइक से घर लौट रहा था, तभी ऊंचाहार सलोन मार्ग पर बहेरवा चौराहे के निकट अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी थी,जिसमें वो गम्भीर रूप से घायल हो गया था, पुलिस ने उसे एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी भिजवाया था, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया था, जहां देर रात इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई, सोमवार को सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

अमेठी। शासन के निर्देशानुसार जनसामान्य की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से आज जनपद की चारों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी निशा अनंत की अध्यक्षता में तहसील अमेठी में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने शिकायतकर्ताओं की समस्या सुनकर मौके पर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शिकायतें लंबित न रखी जाये, शिकायतों को गम्भीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह ने सुना एवं संबंधित थानाध्यक्षों को निस्तारण के निर्देश दिए। आज तहसील अमेठी में कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें 03 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कराया गयाए तहसील तिलोई में 11 शिकायतें प्राप्त हुईए तहसील मुसाफिरखाना में 12 शिकायतें प्राप्त हुई तथा तहसील गौरीगंज में 11 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया तथा शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु पुलिस और राजस्व की संयुक्त टीमें मौके पर भेजी गई। डीएम ने समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देश दिए की सभी अधिकारी अपने. अपने कार्यालय में प्रात: 10.00 बजे से 12.00 बजे तक जन समस्याओं को सुने तथा उनका प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुमान सिंह, उपजिलाधिकारी अमेठी आशीष सिंह, पुलिस क्षेत्राधिकारी अमेठी, तहसीलदार अमेठी सहित जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

राधेश्याम लाल कर्ण के निधन पर शोक सभा का आयोजन

रायबरेली। वरिष्ठ दिवंगत पत्रकार राधेश्याम लाल कर्ण के निधन के उपरान्त रायबरेली क्लब में एक श्रद्धांजलि सभा का हुआ आयोजन। स्वर्गीय पत्रकार राधेश्याम लाल कर्ण का निधन हृदय गति रूक जाने से गत 25 अक्टूबर को हो गया था। स्व. कर्ण प्रदेश महामंत्री उपज संगठन की रीढ़ की हड्डी थे। जिससे संगठन के साथ-साथ रायबरेली जनपद में उनके निधन से अपूर्णनीय क्षति हुई है। इसी क्रम में रायबरेली के पत्रकार, समाजसेवियों द्वारा श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा का संचालन शिव नारायण सोनी द्वारा किया गया। श्रद्धांजलि सभा में वरिष्ठ भाजपा नेता रवीन्द्र सिंह ने राधेश्याम लाल कर्ण के निधन पर अपनी संवेदनाये प्रकट की और कहा कि रायबरेली में कर्ण जी के निधन से पत्रकारिता के क्षेत्र में अपूर्णनीय क्षति हुई है जिसकी भरपायी आसान नहीं होगी। समाज सेवी राकेश सिंह भदौरिया ने स्व. कर्ण को श्रद्धांजलि देते हुए उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। कांग्रेसी नेता दिनेश शुक्ला ने कहा कि स्व. कर्ण एक सरल स्वभाव के व्यक्ति थे और प्राय: पत्रकार हितों के बारे में सोचा करते थे। मिलिंद द्विवेदी ने इस अवसर पर स्व. कर्ण को पुष्पांजलि अर्पित कर उनके द्वारा पत्रकारहितो में किये गये कार्यो के बारे में बताया और कहा कि स्व. कर्ण ने अपना पूरा जीवन पत्रकारहित को समर्पित कर दिया। वरिष्ठ पत्रकार उपमेन्द्र सिंह ने स्व. कर्ण के सरल स्वभाव के बारे मे बताया और कहा कि कोई भी पत्रकार अपनी समस्या लेकर पहुँचता था तो उसका निदान उनके पास हो जाता था।

श्रद्धांजलि देने वालो में अजीत सिंह, हरिशानंद मिश्रा, डा0 दिग्विजय सिंह, धीरज श्रीवास्तव, धैर्य शुक्ला, सुशील सिंह, राहुल मिश्रा, शिवम द्विवेदी, रब्बेश, श्याम सुन्दर पाण्डेय, गुरजीत सिंह तनेजा, आलोक सिंह, शशांक सिंह राठौर, सुधीर सिंह, अखिल श्रीवास्तव, ओम शंकर शुक्ला, आदित्य बाजपेयी, चन्द्रशेखर सिंह, रामसजीवन चौधरी, आरके शर्मा, हर्षित द्विवेदी, संदीप मौर्य, आशुतोष सिंह, सुरेश त्रिवेदी, संजय मौर्य, सारिका शुक्ला, वीरेन्द्र पाल, रोहित मिश्रा, केशवानंद, विवेक सिंह राठौर, दीपक गुप्ता, दिलीप सिंह, जयशंकर प्रसाद कर्ण, आनन्द कर्ण, अमित यादव, राहुल श्रीवास्तव, विवेक सिंह राठौर आदि बड़ी संख्या में लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

हार-जीत पर फोकस न कर अपनी क्षमता को दिखाये खिलाड़ीः एसपी

रिबन काट कर उद्घाटन करते पुलिस अधीक्षक।

संतकबीरनगर। पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा अपर पुलिस महानिदेशक/अध्यक्ष जोनल पुलिस खेल -कूद समिति, गोरखपुर जोन, गोरखपुर के निर्देशन में सोमवार से आगामी 06, नवम्बर, 2024 बुधवार तक चलने वाली अन्तर्जनपदीय पुलिस जूडो कलस्टर (महिला/पुरुष) जूडो, बुशु, ताइक्वांडो, कराटे, पिनाक सिलाट प्रतियोगिता वर्ष-2024 का फीता काटकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया तथा गुब्बारे उड़ाकर प्रतियोगिता के शुभारम्भ की घोषणा की गयी। पुलिस अधीक्षक द्वारा विभिन्न जनपदों से आये खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया गया एवं खेल भावना से खेल खेलने हेतु प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह व क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद अजीत चौहान, क्षेत्राधिकारी मेंहदावल केशवनाथ, क्षेत्राधिकारी धनघटा अजय सिंह, पीआरओ पुलिस अधीक्षक इन्द्रभूषण सिंह, प्रतिसार निरीक्षक रजनीकान्त ओझा सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे। आज के खेल में पुरूष वर्ग जूडो सत्यम सिंह संतकबीरनगर विजेता रहे। द्वितीय स्थान पर अक्षय कुमार गोरखपुर रहे। अवधेश गोण्डा विजेता रहे दूसरे स्थान पर योगेन्द्र यादव, चन्दन सिंह संतकबीरनगर विजेता रहे द्वितीय स्थान पर आमिर रहे। बसन्त कुमार कुशीनगर विजेता रहे द्वितीय स्थान पर दीपक राजभर रहे। अनूप यादव संतकबीरनगर विजेता रहे नरेन्द्र कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। बब्बल यादव संतकबीरनगर विजेता रहे त्रिष्ठी यादव द्वितीय स्थान पर रहे। जगदीश यादव बलरामपुर विजेता रहे शत्रुघ्न द्वितीय स्थान पर रहे। विजय कान्त यादव सिद्वार्थनगर विजेता रहे अंजनी कुमार द्वितीय स्थान पर रहे। राणा प्रताप बहराइच विजेता रहे अजीत मौर्या द्वितीय स्थान पर रहे। अफजल अली गोण्डा विजेता रहे द्वितीय स्थान पर सौरभ यादव रहे।

डीएम-एसपी ने खलीलाबाद तहसील में सुनी जनसस्या

जनसमस्या सुनते अधिकारी।

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस पर संयुक्त रुप से तहसील खलीलाबाद पर पहुंचकर पुलिस एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जहां पर फरियादियों से उनकी समस्याओं को मौके पर सुना गया तथा वहां मौजूद संबंधित राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर शिकायतों का शत प्रतिशत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए। राजस्व और पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों का निस्तारण आपसी सामंजस्य से सुनिश्चित किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। तत्पश्चात वहां मौजूद शिकायत पंजिका का निरीक्षण करते हुए निस्तारित हो चुकी शिकायतों के संबंध मे फीडबैक भी लिया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर शैलेश दूबे, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद/यातायात अजीत चौहान सहित राजस्व व पुलिस के अन्य अधिकारी / कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भारतीय नौसेना में चयनित छात्रा कंचन प्रजापति को सम्मानित करते महाविद्यालय परिसर

जालौन (उरई)। लोक उत्सव भागदौड़ भरी अवसादी जिंदगी में संगीत और सकारात्मक विचारों से ऊर्जा का प्रवाह करते हुए सुकून देते है और मनौषधि का कार्य करते हैं। यह बात महात्मा ज्योतिराव फूले समग्र फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित लोक उत्सव कार्यक्रम में संयोजक एड. बृजमोहन कुशवाहा ने कही। महात्मा ज्योति राव फूले समग्र फाउंडेशन के तत्वावधान में कबीर पंथी बालकदास की अध्यक्षता में स्थानीय विद्यालय में लोक उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें गीत संगीत के साथ सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा वर्तमान परिवेश में समाज और संस्कृति की भूमिका पर विचार प्रकट किए गए। लोकउत्सव में सर्वप्रथम संगीत के माध्यम से हरी सिंह संकीर्तन मंडल के लक्ष्मीनारायण राठौर, रंजीत यादव बाबा, रामदास, मास्टर रामकुमार वर्मा, शंकर कुशवाहा, हरी सिंह कुशवाहा, मनोज रजक, जसवंत कुशवाहा, रामसनेही कुशवाहा द्वारा कबीर भजन के साथ अन्य भजन प्रस्तुत किए गए।

लक्ष्मी राठौर द्वारा गाए भजन 'तू जान सके तो जान, मन में तेरे छिपकर बैठा तेरा भगवान' ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। पूर्व जेडीसी बैंक अध्यक्ष मूलशरण कुशवाहा ने कहा कि लोक उत्सव वर्तमान में बिखरते समाज को एकजुट होकर जीवन की चुनौतियों से जूझकर आगे निकलने का हौसला बढ़ाते हैं और इसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोगों को जोड़ने की जरूरत है। कामरेड कमलकांत वर्मा ने कहा कि वर्तमान पूंजीवादी व्यवस्था ने परिवार समाज जैसी संस्थाओं को बहुत कमजोर कर दिया है। जिससे व्यक्ति जीवन संघर्ष में अकेलापन महसूस कर अवसाद से ग्रसित हो रहा है और जरूरतों की पूर्ति हेतु निरंतर भाग रहा है। जब निराशा हाथ लगती है तो आत्महत्या जैसे जघन्य कृत्य को भी अंजाम दे देता है। ऐसे में लोक उत्सव जैसे कार्यक्रम की शुरुआत सराहनीय प्रयास है। इसको निरंतर जारी रखने की जरूरत है।

जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में सुनी समस्याएं, निस्तारण के दिए निर्देश

● समाधान दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का अधिकारी समय अंतर्गत करें गुणवत्तापूर्ण निस्तारणः डीएम

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह ने जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील भोगनीपुर में लोगों की समस्याओं को सुनकर गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक, त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 80 शिकायतें प्राप्त हुईए जिसमें मौके पर चार शिकायतों का निस्तारण किया गया। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त समस्याओं/शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर सभी अधिकारी विशेष ध्यान दें, शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर कार्यवाही की जाएगी। भूमि विवाद से संबंधित मामलों में प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निस्तारण कराना सुनिश्चित करें, छोटे.छोटे मामलों को भी गंभीरता पूर्वक लेकर आवश्यक कार्यवाही की जायें। विभिन्न विभागों की शिकायतें जिलाधिकारी के समक्ष लोगों द्वारा रखी गई जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराकर, निस्तारण आख्या से अवगत कराने के निर्देश दिये। आईजीआरएस व तहसील दिवस में प्राप्त होने वाली शिकायतों का समय अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। तहसील दिवस में पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति द्वारा भी पुलिस से संबंधित शिकायतों को सुन कर निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सीएमओ डा. एके सिंह, डीएफओ एके द्विवेदी, एसडीएम भोगनीपुर सर्वेश कुमार, तहसीलदार प्रिया सिंह, क्षेत्राधिकारी, डीडीएजी, परियोजना निदेशक सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता रैली की फीता काटकर तथा हरी झंडी दिखाकर

बांदा। उप्र के बांदा में 4 नवंबर आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी एवं पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार सिंह, डीएम नगेंद्र प्रताप एवं पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने संयुक्त रूप से यातायात माह नवंबर 2024 का शुभारंभ बाबूलाल चौराहे पर यातायात जागरूकता रैली को फीता काटकर तथा हरी झंडी दिखाकर किया। बिना हेलमेट लगाए वाहन संचालित करने वाले लोगों को हेलमेट का वितरण भी किया। यातायात जागरूकता कार्यक्रम मे संबोधित करते हुए आयुक्त चित्रकूटधाम मंडल बांदा बालकृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि यह कार्यक्रम पूरे मंडल के प्रत्येक थाने में चलाया जा रहा है, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की जान माल की रक्षा हो सके और यातायात के नियमों के प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न हो, यह बहुत ही महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सभी का सहयोग आवश्यक है, जान है तो जहान है इसलिए सभी लोग यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहनों का संचालन करें, सड़क दुर्घटना में प्रतिदिन दर्दनाक घटनाएं होती हैं जिससे जनहानि हो रही हैसए उन्होंने कहा कि सुरक्षित यात्रा करें तथा वाहनों का संचालन करते समय गति नियंत्रित रखें और वाहन संचालन करते समय यातायात नियमों का पालन करते हुए वाहन चलाएं। यातायात संकेतको को अवश्य ध्यान देते हुए वाहनों का संचालन करें तथा सीट बेल्ट एवं दोपहिया वाहन का संचालित करते हुए हेलमेट अवश्य लगे अपने जीवन को सुरक्षित रखें। पुलिस उपमहानिरीक्षक अजय कुमार सिंह ने कहा कि मानव जीवन अमूल्य है, इसको सुरक्षित रखना आवश्यक है, सुरक्षित परिवहन का आवागमन हो तथा सड़क दुर्घटना में कमी लाने के लिए लोगों में जागरूकता के लाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया रहा। सड़क दुर्घटनाओं में काफी अधिक लोगों की मृत्यु हो रही है। उन्होंने छात्र.छात्राओं में जागरूकता लाने के साथ ही अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आवाहन किया।

सपा नेता के गुर्गों ने पीड़ित का घर से अपहरण कर गाड़ी में डालकर, ले जाकर हत्या कराने की दी धमकी

फर्रुखाबाद। फतेहगढ़ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला दुर्गा कॉलोनी निवासी रवि प्रताप सिंह पुत्र करवेंद्र सिंह राठौर ने सोमवार तहसील समाधान दिवस पर एसपी को शिकायती प्रार्थना पत्र दिया उसमें बताया। कि 3 नवंबर 2024 समय करीब शाम 7.30 बजे पीड़ित युवक रवि प्रताप सिंह अपने घर पर था। तभी गौरव यादव, विकास यादव, बृजेश यादव निवासी न्यू इंदिरा कॉलोनी निकट भीमसेन मार्केट फतेहगढ़ कोतवाली फर्रुखाबाद में अपने मोबाइल नंबर से पीड़ित को फोन किया। और बोले कि कहां पर हो। जब पीड़ित ने कहा कि हम अपने घर पर हैं। तभी दोनों लोगों के साथएसाथ तीन व्यक्ति नाम व अज्ञात पीड़ित के घर एक बिना नंबर की स्कॉर्पियो कर से आए। और बोले की चन्नू, जग्गू के खिलाफ बहुत पैरवी करता है। तेरी वजह से जग्गू भाई जेल से बाहर नहीं आ पा रहा है। तभी चन्नू भाई पर इनाम घोषित हो गया है। अभी तक जो भी चन्नू और जग्गू के खिलाफप्रार्थना पत्र दिए हैं। वह वापस कर ले। नहीं तो कल का सूरज नहीं देख पाएगा। पीड़ित ने विरोध किया तभी सभी दबंग से चले जाने को कहा।

इस समय सभी दबंग आग बबूला हो गए। जिसमें गौरव ने अपनी पेंट की गोद से तमंचा निकाल कर पीड़ित की कनपटी पर लगा दिया। किसी तरह पीड़ित जान बचाकर घर के अंदर भागा। तो सभी लोग पीड़ित के घर के अंदर घुस गए। और अपने साथियों से बोले कि साले को कार में डालकर चन्नू यादव भाई के पास ले चलो। तभी पीड़ित को घर के अंदर से घसीटते हुए। सभी दबंग लोग कार में डालकर ले गए। करीब 10 मिनट कर चलने के बाद विकास यादव ने पीड़ित की आंखों में कपड़ा बांध दिया और बंधक बनाकर कर ले गए। कार करीब 2 घंटे तक चलती रही सभी लोगों ने एक अज्ञात जगह पर अपनी कारों रोकी। पीड़ित की आंखों से कपड़ा खोला। तो वहां पर एक मकान में फ्यार चन्नू यादव पहले से मौजूद था। जो फ्यार चल रहा है और पुलिस ने उस पर इनाम भी घोषित कर रखा है।

चन्नू यादव पीड़ित से बोला की तेरी वजह से हमारा परिवार कंगाल हो गया। तू मेरे परिवार के विरुद्ध पैरवू करना बंद कर दे। नहीं तो हम इन लड़कों से ही तेरी हत्या कर देंगे। पीड़ित डर की वजह से कुछ भी बात बोलने की स्थिति में नहीं था। तभी सभी लोगों ने पीड़ित को कोल्ड ड्रिंक में जबरदस्ती नशीला पदार्थ पिला दिया। जिसके बाद पीड़ित बेहोश हो गया और रात में 4.30 बजे पीड़ित को होश आया तो देखा कि पीड़ित लोको रोड रेलवे कॉलोनी के पीछे टंकी वाली पुलिया के नीचे पड़ा था। पीड़ित की जेब में रखे 1400 रुपए छीन लिए और मोबाइल भी तोड़ दिया गया बताया कि चन्नू और जग्गू अपराधिक प्रपत्र के व्यक्ति हैं।

एसडीएम ने फरियादियों की सुनी समस्याएं, जल्द निस्तारण के निर्देश

खागा (फतेहपुर)। सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील परिसर के सभागार कक्ष में उपजिलाधिकारी अजय कुमार पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित किया गया जिसमें फरियादियों की लगभग 36 प्रार्थना पत्रों में लगभग 04 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारित करने हेतु आदेश दिए गए। खागा तहसील सभागार कक्ष में सम्पूर्ण समाधान दिवस दिवस में फरियादियों की प्राप्त प्रार्थना पत्रों को निस्तारण करते हुए उप जिलाधिकारी ने बताया कि फरियादियों की कुल 36 प्रार्थना पत्र प्राप्त किए गए हैं। जिसमें से लगभग 4 शिकायतों को मौके पर निस्तारण किया गया है।

उन्होंने बताया कि अधिकांश शिकायतें विद्युत, जल निगम से सम्बंधित प्राप्त किया गया। शेष शिकायतों को सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया है। पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजमोहन राय ने पुलिस से सम्बंधित मामलों को गम्भीरता से लेते हुए क्षेत्रीय थानो के एस आई व आये प्रभारियों को स्कूलों व विद्यालयों में छुट्टी के समय मुस्तैद रहने हेतु व महिला कांस्टेबलों को समय से विद्यालयों में भेजकर सुरक्षा का भरोसा दिलाएं। इर्द-गिर्द घूमने वालों पर कड़ी नजर रखने हेतु आदेशित किया। एसडीएम अजय कुमार पांडेय, क्षेत्राधिकारी बृजमोहन राय, तहसीलदार जगदीश सिंह, नायब तहसीलदार ओम प्रकाश, बाल विकास परियोजना अधिकारी आशीष पांडेय, पूर्ति निरीक्षक हरीश रावत व भास्कर मिश्रा, ऐराया खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह, विद्युत एसडीओ दीपक सिंह, खंड विकास अधिकारी अशोक सिंह व अजय कुमार तिवारी, पुलिस कस्बा इंचार्ज सत्य प्रकाश पाठक, कृषि विभाग देवेंद्र मिश्रा समस्त थानों के एस.आई. व राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस की शिकायतों का करें त्वरित निस्तारणः जिलाधिकारी

● सदर में पंजीकृत हुईं 53 शिकायतें, दो का निस्तारण

फतेहपुर। जन समस्याओं के त्वरित, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन तहसील सदर के सभागार में संपन्न हुआ। डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त समस्याओं के निस्तारण रजिस्टर का परीक्षण करते हुए निस्तारण आख्या को देखा। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का निस्तारण किया जाता है उसकी आख्या से शिकायतकर्ता को अवगत भी करायें।

डीएम ने संपूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों, प्रार्थना पत्रों का संबंधित अधिकारियों से कहा कि शासन के निर्धारित समय सीमा के अंदर त्वरित निस्तारण शासन की मंशा के अनुरूप व गुणवत्तापूर्ण कराना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस सदर में कुल 53 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए उसके सापेक्ष दो शिकायतों का उपस्थित अधिकारियों ने मौके पर निस्तारण किया। आवश्यकतानुसार पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम बनाकर भूमि संबंधी मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराया जाये। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने विभाग से संबंधित शिकायतों को शासन के मंशा के अनुरूप समयबद्ध, गुणवत्तापरक निस्तारण कराया जाए। एसडीएम प्रदीप रमन, सीएमओ, जिला विकास अधिकारी, डीसी मनरेगा, परियोजना निदेशक डीआरडीए, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित नायब तहसीलदार एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सैनी हत्या काण्डः पत्रकारों ने निकाला कैंडल मार्च

चौडगरा (फतेहपुर)। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के चौडगरा कस्बे में पुल के नीचे औंग व चौडगरा के पत्रकारों ने फतेहपुर में एन आई के पत्रकार दिलीप सैनी की हुई नृशंस हत्या पर शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न पत्रकारों व समाजसेवी संगठनों ने हिस्सा लिया मोमबत्ती जलाकर कैंडल मार्च निकालते हुए हत्यारों को फांसी दो, पत्रकारों को न्याय दो के नारे लगाते हुए पत्रकार दिलीप सैनी के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई जिस पर सभी पत्रकारों ने एकजुट होकर हथियारों को फांसी देने की मांग की गई और न्या न मिलने पर आगे आंदोलन की चेतावनी दी गई, जिसमें प्रमुख रूप से शिव सागर सिंह, शिव कुमार वर्मा, कामता सिंह जादौन, नागेंद्र शुक्ला, आलोक गौड, राजेंद्र सोनी, भूपेन्द्र तिवारी, ज्ञानू सिंह, सोनू अवस्थी, गंगा सागर गुप्ता, महेंद्र सिंह, रिंकू परिहार, अरुण शुक्ला, अरुण द्विवेदी सहित महिलाओं ने भी हिस्सा लिया।

क्विक न्यूज

मासूम की मौत पर दो नामजद व आधा दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा हुआ दर्ज

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के सिठमरा गॉव में शनिवार की शाम को मासूम की मौत के मामले में वादी की शिकायत पर दो नामजद व आधा दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफहत्या का मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने मामले की जॉच शुरू कर दी है। आपको बताते चलें कि रूरा के सिठमरा निवासी अनिल चक्रवर्ती के दस वर्षीय पुत्र आर्यन का शरीर घर से करीब आधा किलोमीटर दूर लहुलुहान अवस्था में मिला था, परिजन उसके शरीर को अस्पताल ले गये जहॉ डाक्टरों ने आर्यन को मृत घोषित कर दिया। पहले पुलिस ने हादसे में मौत की आशेंका व्यक्त की, परन्तु रविवार की शाम को पोस्टमार्टम रिर्पोट आने पर व दिन में आक्रोशित परिजनों व ग्रामीणों द्वारा हॅगामा कर रूरा झींझक मार्ग पर जाम लगा देने से वादी अनिल पुत्र राम सिंह निवासी सिठमरा की शिकायत पर विकास पाल पुत्र इन्द्रपाल, पप्पू कबाडी के पुत्र सहित आधा दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफहत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ धारा 103/1, 351(2), 351(3), 191(2), 191(3) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जॉच की जा रही है।

एक सहकारी समिति में वितरित की गयी खाद

मौदहा (हमीरपुर)। मौदहा ब्लाक की पांच समितियों में आज एक सहकारी समिति में खातेदार किसानो को खाद वितरण होती रही जबकि अन्य समितियों में अभी खाद के लिए किसान चक्कर काटते रहे। क्रय विक्रय केंद्र में वितरण पर भारी भीड़ उमड़ पड़ी जिसमे खाते धारको को पांच पांच बोरी खाद बाटी गई वही अभी तक इस केंद्र में 240 एमटी खाद बाटी गई है जब की अभी 20 प्रतिशत किसानो को खाद की पूर्ती नही हो सकी इसी तरह क्रय विक्रय समिति में अभी तक 90 एमटी डीएपी खाद व 120 एमटी एनपीए खाद बाटी गई है इस समय कोई खाद यहॉ उपलब्ध नहीं है किसान चक्कर काट रहे है। इचौली सहकारी समिति में 54 एमटी डीएपी बाटी गई है जो किसानो की आपूर्ति से बहुत के है किसान खाद पर मारामारी को तैयार है इसी तह सिशोलर पीसीएफकौदहा में भी खाद वितरण बंद है किसान दर दर भटकने को मोहताज है किसान प्रवीण त्रिपाठी निवासी अरतरा ने बताया की खाद केन्द्रो के चक्कर लगा कर परेशान है खेत ख़राब हो रहे हैए खाद नहीं मिल पर रही वही परछा निवासी मूवीन खान ने बताया की खाद नहीं मिल रही है।

प्रकृति की सुरक्षा व संरक्षण के लिये यज्ञ आवश्यकः व्यास पवन

कानपुर देहात। रूरा की प्रसिद्ध श्रीविष्णु महायज्ञ के 30वें वार्षिकोत्सव के प्रथम दिवस पर ददरौआ धाम भिण्ड से पधारे श्रीमद भागवत कथा के लोकप्रिय व्यास पवन मिश्रा जी ने मानव जीवन में यज्ञ के महत्व के विषय में विस्तार से प्रकाश डाला। महाभारत की कथा का वर्णन सॅगीतमय शैली में विजय कौशल द्वारा प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया, रामचरित मानस कथा में आगरा से पधारी मानस माधुरी रेखा भदौरिया जी द्वारा मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्री राम के चरित्र का वर्णन किया। विशाल कलश यात्रा के साथ श्रीविष्णु महायज्ञ, श्रीमदभागवत कथा, रामचरित मानस सम्मेलन, महाभारत कथा व रासलीला के आयोजन का शुभारम्भ किया गया था।

10 दिवसीय उर्स और मेले का हुआ आगाज़

संडीला (हरदोई)। मशहूर सूफ़ी बुज़ुर्ग हज़रत रब्बानी शाह कादरी उर्फ़ झाड़ी शाह बाबा का 10 दिवसीय उर्स एवं मेले का उद्घाटन करते हुए नायब तहसीलदार देवानंद श्रीवास्तव ने कहा कि सूफ़ी संतों ने सदैव लोगों को जोड़कर भाईचारा और सांप्रदायिक सदभाव बढ़ाने का कार्य किया है। 10 दिवसीय उर्स एवं मेले का आगाज़ सुबह क़ुरआन ख्वानी और परचम कुशाई के साथ शुरू हो गया था। बड़ी तादात में मदरसा मंसूरिया के छात्रों ने हाफ़िज़ अब्दुल जलील की सदारत में क़ुरआन ख्वानी की। शाम को इस 10 दिवसीय उर्स एवं मेले का उद्घाटन नायब तहसीलदार संडीला देवानंद श्रीवास्तव ने किया। फीता काटकर इस मेले का विधिवत उद्घाटन किया।

सफाई कर्मी सहित आधा दर्जन पर एफआईआर दर्ज

फर्रुखाबाद। अस्पताल कर्मियों से मारपीट कर तोड़फोड़ करने के मामले में दो नामजद व 3.4 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, पुलिस मामले की तफ्तीश कर रही है, कोतवाली मोहम्मदाबाद क्षेत्र के ग्राम आजाद नगर निवासी सनी मिश्रा पुत्र रामचन्द्र मिश्रा ने दर्ज करायी गयी एफआईआर में कहा है कि वह अपना मेडिकल स्टोर व निजी क्लीनिक मोहल्ला किदवई नगर में चलाते हैं। बीते 2 नंबर रात लगभग 10 बजे बरारिख निवासी मोहन दुबे पुत्र रविन्द्र दुबे, धीरज तिवारी पुत्र उमाशंकर तिवारी भोजपुरांव सिकन्दरपुर कन्नौज व 3-4 अज्ञात लोगों के साथ कार से आये और क्लीनिक में घुसकर सिगरेट पीने लगे, अस्पताल कर्मी रंजीत कुमार नें मना किया तो उसके साथ मारपीट कर अस्पताल में तोड़फोड़ कर दी, जब अस्पताल कर्मी नें अस्पताल मालिक सनी को फोन करने की कोशिश की तो उसका फोन तोड़ दिया।

युवती ने फांसी लगाकर जान दी

राठ (हमीरपुर)। चिकाची थाने के बड़ेरा माफ गांव में युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बड़ेरा माफ गांव निवासी चेतराम अनुरागी ने बताया कि वह ईंट भट्टे पर मेहनत मजदूरी कर अपने घर का भरण पोषण करता है। उसकी आठ पुत्री है। जिसमें पांच पुत्री की शादी कर चुका है। पुत्री अभिलाष की शादी का संबंध मुस्करा थाने के भैंसाये गांव के युवक के साथ तय किया गया था। रविवार को अभिलाषा ने अपने कमरे में जाकर साड़ी के फंदे से फांसी लगा ली। शंका होने पर कमरे में जाकर देखा तो वह फंदे पर झूल रही थी। जब तक फंदे से उतरा तब तक उसकी मौत हो गई थी। वह मां सिया रानीए भाई हरिकांतए बहन जयकुंवर और संजू को छोड़ गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। चिकाची थाना अध्यक्ष संतोष सिंह ने बताया कि लड़की का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। इसलिए फांसी लगा ली।

मत्स्य सहकारी समिति पत्यौरा की जांच लंबित होने के बाद भी एडीएफ ने कर दिया पट्टा

हमीरपुर। मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के आवंटन का विवाद अभी थमने का नाम नही ले रहा है,समिति पत्यौरा के अध्यक्ष व सचिव के विरुद्ध विभागीय जांच का निस्तारण न होने के बाद भी एडीएफ ने इस खंड का पट्टा कर दिया है इस मामले की शिकायत शासन से की गयी है। मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के आवंटन में पहली मर्तवा इतना विवाद सामने आया है। पिछले दिनों आवेदन व आवंटन में भारी अनियमितताओं की शिकायत की गयी थी समिति के संचालक सदस्य देवीदीन,श्रीमती रानी ने विभाग के प्रमुख सचिव से शिकायत की है कि समिति पत्यौरा के अध्यक्ष शिवनारायण एवं सचिव श्रीमती प्रभा देवी के विरुद्ध जांच अधिकारी ने पूर्व एडीएफ हमीरपुर ने जांच में दोषी पाया था इसकी रिपोर्ट निदेशक मत्स्य विभाग को दी थी अभी इस मामले की निस्तारण नही हो पाया यही नही समिति के सदस्यों के सापेक्ष बहुमत नहोने के बाद भी एडीएफने श्रीमती प्रभा देवी के सचिव नियुक्त कर दिया था। यही नही पिछले साल के यमुना नदी क के ठेका का आय व्यय लेखा जोखा जांच में उपलब्ध नही कराये गये है। निदेशक ने इस मामले के निस्तारण के आदेश दिये थे, मगर एडीएफ हमीरपुर रमाकांत दोहरे ने अधूरे अभिलेख होने के बाद भी यमुना नदी खंड संख्या दस का पट्टा कर दिया है जो घोर अनियमितता में आता है। देवीदीन ने निदेशक व आयुक्त से लिखित शिकायत कीहै कि जब तक अध्यक्ष शिवनारायण सचिव श्रीमती प्रभा देवी के खिलाफ जांच जब तक पूर्ण नहो जाये तब तक पत्योरा खंड संख्या दस का पट्टा कतई न किया जाये। इस मामले में उपजिलाधिकारी हमीरपुर पवन प्रकाश पाठक का कहना है कि इस मामले की जांच कराकर कार्यवाही की जायेगी। एडीएफ हमीरपुर रमाकांत दोहरे का कहना है कि मामला संज्ञान मे है और भी जांच करा ली जायेगी।

अधिकारी समाधान दिवस में कदापि न भेजें अपने प्रतिनिधि अन्यथा भुगतेंगेः सीडीओ

शिकायतें सुनतीं सीडीओ

संडीला (हरदोई)। संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी ने कहा कि अधिकारीगण संपूर्ण समाधान दिवस को गंभीरता से लेते हुए स्वंय उपस्थित होंए अपना प्रतिनिधि कदापि न भेजें अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें। तहसील सभागार में आयोजित इस संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता सीडीओ सौम्या गुरूरानी ने की। जानकारी न होने के कारण बहुत कम लोग अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे। इस समाधान दिवस में कुल 20 प्रार्थना पत्र ही प्राप्त हुए जिनमें से 7 का तत्काल निस्तारण कर दिया गया। इस संपूर्ण समाधान दिवस में कई अधिकारियों के स्वंय न उपस्थित होने और अपना प्रतिनिधि भेजे जाने पर सीडीओ ने काफ़ी नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अधिकारी समाधान दिवस का गंभीरता से लें। अपना प्रतिनिधि कतई न भेजें। कुंदाव्रत के होने पर कड़ी कार्रवाई के लिए तैयार रहे। उन्होंने समाधान दिवस में आज अनुपस्थित अधिकारियों की रिपोर्ट कार्रवाई हेतु जिलाधिकारी को भी भेजी। इस समाधान दिवस में एसडीएम डॉ0 अरुणिमा श्रीवास्तव समेत अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

गुलरिया चीनी मिल का घूमा चक्का, नए पेराई सत्र का डीएम-एसपी ने किया उद्घाटन

● गुलरिया, कुंभी में शुभारंभ से पूर्व गन्ना सप्लाई वाले किसानों की चांदी, डीएम ने बटन दबाया, भेजा भुगतान

लखीमपुर खीरी। बलरामपुर चीनी मिल्स लि. यूनिट.गुलरिया चीनी मिल के 18वें गन्ना पेराई सत्र 2024.25 का शुभारम्भ पूजन अर्चन के साथ डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल और एसपी गणेश प्रसाद साहा ने उप गन्ना आयुक्त, परिक्षेत्र लखनऊ, इकाई प्रमुख योगेश कुमार सिंह की मौजूदगी में शुभारंभ किया। सर्वप्रथम बैलगाड़ी द्वारा मिलगेट पर गन्ना लाने वाले कृषक बालिस्टर सिंह, चौखडिया तथा ट्रैक्टर ट्राली द्वारा कृषक रणजीत सिंह, पकरिया एवं वाह्य क्रयकेन्द्र भूलनपुर द्वितीय से आये ट्रक का गन्ना सर्वप्रथम चीनी मिल के तौल कांटे पर लाया गया और गन्ना लाने वाले कृषकों को फूल माला व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। आचार्य ऋषिराज तिवारी एवं अयोध्या से आए सचिन देव तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमान यूनिट हेड योगेश कुमार सिंह ने पूजन.अर्चन किया। डीएम, एसपी ने केन कैरियर में गन्ना डालकर नये पेराई सत्र का शुभारम्भ किया। डीएम.एसपी ने बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड यूनिट गुलरिया में पहली बैलगाड़ी तौल कराने पर चौखड़िया के कृषक बालिस्टर सिंह, पहली ट्राली तौल कराने पर गोंधिया के कृषक बलविन्दर सिंह, भूलनपुर .द्वितीय क्रय केंद्र से सबसे पहले ट्रक से गन्ना लेकर फैक्ट्री ड्राइवर गुड्डू को पुरुस्कार प्रदान किया। पेराई सत्र 2023-24 के तहत चीनी मिल में सर्वाधिक 5484 कुं. गन्ना आपूर्ति करने पर कृषक जगमोहन लाल, चीनीमिल गेट पर सर्वाधिक 4718 कुं. गन्ना आपूर्ति करने पर संजय कुमार, चीनी मिल गेट पर सर्वाधिक 2302 कुं0 को. 15023 गन्ना आपूर्ति करने पर किसान अनिल कुमार, क्रय केन्द्र पर सर्वाधिक 1230 कुं0 को0.15023 गन्ना आपूर्ति करने पर किसान बृजलाल और चीनी मिल क्षेत्र में 3.664 है0 को 15023 की गन्ना बुवाई करने पर किसान राम भरोसे को चेक, कंबलए मिष्ठान सहित अन्य उपहार देकर पुरुस्कृत किया।

अनुष्का ने गोल्ड पर निशाना लगाकर बढाया जनपद का गौरव

गुरसहायगंज, कन्नौज। क्षेत्र के ग्राम गुरुगुजपुर निवासी एक बेटी ने शूटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर चरितार्थ की है। अनुष्का ने करणी सिंह शूटिंग रेंज में 25 मीटर प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर न सिर्फ अपने माता-पिता का नाम रोशन किया बल्कि क्षेत्र का गौरव भी बढ़ाया है। गुरुगुजपुर निवासी भाकियू जिला सचिव धर्मेंद्र सिंह राजपूत उर्फबबलू ठाकुर की पुत्री अनुष्का सिंह ने दिल्ली स्थित 25 मी. एयर पिस्टल सीनियर वूमेंस प्रतियोगिता में सीधा गोल्ड पर निशाना साध कर गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। अपनी पुत्री अनुष्का सिंह कि इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि निशानेबाजी में वह बचपन से ही शौक रखती थी उसने निशानेबाजी सीखी शूटिंग कोच सुमित मेहरावत फरीदाबाद द्वारा उसे निशानेबाजी की ट्रेनिंग दी गई। अनुष्का पूर्व में भी यमुनानगर हरियाणा में आयोजित 10 मीटर पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में उसने भाग लिया था।

डीएम की अध्यक्षता में हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

● शिकायतों का गुणवत्तापरक समयबद्ध निस्तारण करें अफसरः जिलाधिकारी

लखीमपुर खीरी। आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए सोमवार को डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल की अध्यक्षता में तहसील पलिया में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। इस अवसर पर डीएम ने एसपी गणेश प्रसाद साहा, सीडीओ अभिषेक कुमार व अन्य अधिकारियों ने आये हुए फरियादियों के समस्याओं की गंभीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जनशिकायतों की निष्पक्ष जाँच करके समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण करने के निर्देश दिए।

डीएम ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूरी संवेदनशीलता के साथ जनसमस्याओं का निस्तारण करते हुए गरीब व पीड़ित व्यक्तियों को तत्काल न्याय दिलाते हुए उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शासकीय योजनाओं से आच्छादित कर मुख्यमंत्री के निर्देशों को अमलीजामा पहनाया जाय। डीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया है कि जनसुनवाई में आने वाले सभी गरीब, ज़रूरतमन्द तथा असहाय लोगों की हर संभव मदद की जाय तथा उन्हें उनकी पात्रतानुसार लाभान्वित भी किया जाय। आम जनता की शिकायतों, आवेदनों के समयबद्ध और संतुष्टिपरक समाधान के लिए शिकायतकर्ता से स्वयं बात करें। पीड़ित/परेशान व्यक्ति की मनोदशा को समझें, उसकी भावना का सम्मान करें और पूरी संवेदनशीलता के साथ उसकी समस्या का समाधान किया जाए।

डीएम ने कहा कि जनसमस्याओं का निस्तारण शासन की प्राथमिकताओं में है, इसलिए सभी अधिकारी रूचि लेकर गुणवत्तायुक्त ढंग से निस्तारण सुनिश्चित करे। इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नही होगी। भूमि संबंधी मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीमें मौके पर जाकर गुणवत्तापरक निस्तारण करें।

सुनवाई के दौरान डीएम ने न केवल शिकायत लेकर आए फरियादियों की समस्या सुनकर निदान कराया बल्कि योजनाओं को सोगाते भी दी। डीएम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 65 शिकायती प्रार्थना पत्र पंजीकृत किये, जिसमें पांच शिकायतों का मौके पर निस्तारण हुआ। संपूर्ण समाधान दिवस में राजस्व 25, पुलिस 08, विकास 09, पीडब्लूडी व गन्ना 03-03, आपूर्ति 02, नगर पालिका, विद्युत, महिला कल्याण की एक-एक, अन्य के 12 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिन्हें पृष्ठांकित कर संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण हेतु उपलब्ध करा दिया गया। इस दौरान एसडीएम कार्तिकेय सिंह, सीओ पलिया, पीडी एसएन चौरसिया, तहसीलदार आरती सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

अदालत ने मुख्य आरोपी के खिलाफ आरोप तय किए

भाषा। कोलकाता

आरजी कर दुष्कर्म हत्या का मामला

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक का शव मिलने के 87 दिन बाद एक स्थानीय अदालत ने मुख्य आरोपी संजय रॉय के खिलाफ सोमवार को आरोप तय किए। अदालत ने घोषणा की कि 11 नवंबर से दैनिक आधार पर मामले की सुनवाई होगी। रॉय पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। रॉय को जब सियालदह की अदालत से बाहर ले जाया जा रहा था, तब उसने कहा, मैंने कुछ नहीं किया है। मुझे इस बलात्कार-हत्याकांड में फंसाया गया है। मेरी कोई नहीं सुन रहा है। सरकार मुझे फंसा रही है और मुंह नहीं खोलने की धमकी दे रही है। कोलकाता पुलिस ने 10 अगस्त को रॉय को गिरफ्तार किया था। उससे एक दिन पहले आरजी कर अस्पताल के सेमिनार हॉल में एक महिला चिकित्सक का शव मिला था। बाद में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश पर इस मामले की जांच अपने हाथ में ली थी। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के वरिष्ठ नेता अधीर चौधरी ने कहा कि रॉय के दावे को गंभीरता से लिया जाना चाहिए और उसकी जांच की जानी चाहिए।

उन्होंने कहा, आरोपी के ऐसे दावों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए और इसकी जांच होनी चाहिए। हम कहते रहे हैं कि ऐसा अपराध किसी एक व्यक्ति द्वारा संभव नहीं है। यह सामूहिक अपराध है। हमें नहीं पता है कि सीबीआई और कोलकाता पुलिस के बीच कोई गुप्त गठजोड़ है या नहीं। हमें संदेह है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि पुलिस की भूमिका की भी जांच की जानी चाहिए। पिछले महीने पेश प्रारंभिक आरोपपत्र में सीबीआई ने रॉय को मामले में एकमात्र मुख्य आरोपी बताया था। इस बीच, आर जी कर अस्पताल में ही भ्रष्टाचार के एक मामले की सुनवाई के दौरान इस सीबीआई ने अलीपुर की विशेष अदालत को बताया कि अपराध के पीछे गहरी साजिश है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 23 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के कार्यकाल के दौरान कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच राज्य द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) से सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था। इस मामले में घोष को गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, नागरिक समाज संगठनों ने करुणामई क्रॉसिंग से साल्ट लेक के सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित सीबीआई कार्यालय तक रैली निकाली और मांग की कि एजेंसी आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले की जांच में तेजी लाए। इस मार्च में हिस्सा लेने वाली स्कूल अध्यापिका लिपिका चक्रवर्ती ने कहा, घटना को लगभग तीन महीने हो चुके हैं। सीबीआई क्या कर रही है? उसकी जांच में कोई स्पष्टता नहीं है। हम चाहते हैं कि सीबीआई जल्द से जल्द अपनी जांच पूरी करे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, सीबीआई मामले की जांच कर रही है। हालांकि पुलिस इसमें सहयोग नहीं कर रही है। हमें धैर्य रखना चाहिए। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने कहा कि कोलकाता पुलिस ने अपराध का पता चलने के 24 घंटे के भीतर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया था। पूर्व राज्यसभा सदस्य घोष ने कहा, सीबीआई ने भी अपने आरोपपत्र में उसे एकमात्र मुख्य आरोपी बताया है। इसलिए, जब जांच चल रही है, तो टिप्पणी करना उचित नहीं है।

पत्रकार सिद्दीकी कप्पन की जमानत शर्तों में ढील, उप्र पुलिस को रिपोर्ट करना जरूरी नहीं

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) मामले में केरल के पत्रकार सिद्दीकी कप्पन की जमानत की शर्त में ढील देते हुए कहा कि उन्हें हर हफ्ते उत्तर प्रदेश के पुलिस थाने में रिपोर्ट करने की जरूरत नहीं है। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हन और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने सितंबर 2022 में कप्पन को जमानत देने के दौरान शीर्ष अदालत द्वारा लगाई गई शर्तों में ढील दी। पीठ ने कहा, नौ सितंबर, 2022 के आदेश को संशोधित किया जाता है और याचिकाकर्ता के लिए स्थानीय थाने में रिपोर्ट करना आवश्यक नहीं होगा। वर्तमान आवेदन में की गई अन्य प्रार्थनाओं को स्वतंत्र रूप से प्रस्तुत किया जा सकता है। शीर्ष अदालत ने 17 सितंबर को राज्य सरकार से कप्पन की याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा था। कप्पन को अक्टूबर 2020 में उत्तर प्रदेश के हाथरस जाते समय गिरफ्तार किया गया था, जहां एक दलित महिला की सामूहिक बलात्कार के बाद मौत हो गई थी। नौ सितंबर, 2022 को शीर्ष अदालत ने लगभग दो साल से जेल में बंद कप्पन को जमानत देते हुए कहा था कि प्रत्एक व्यक्ति को स्वतंत्र अभिव्यक्ति का अधिकार है। अदालत ने जमानत के लिए कई शर्तें रखी थीं, जिनमें यह भी शामिल था कि जेल से रिहा होने के बाद उन्हें अगले छह सप्ताह तक दिल्ली में रहना होगा और हर सप्ताह सोमवार को यहां निजामुद्दीन थाने में रिपोर्ट करना होगा। पीठ ने आदेश में कहा था, अपीलकर्ता को तीन दिनों के भीतर निचली अदालत में ले जाया जाएगा और निचली अदालत द्वारा उचित समझी जाने वाली शर्तों के आधार पर उसे जमानत पर रिहा किया जाएगा।

आदेश में कहा गया, जमानत की शर्त यह होगी कि अपीलकर्ता दिल्ली में निजामुद्दीन क्षेत्र के अंतर्गत रहेगा। शीर्ष अदालत ने आगे विस्तार से कहा कि छह महीने के बाद वह केरल में अपने पैतृक स्थान मलप्पुरम जा सकते हैं और वहां भी उन्हें स्थानीय थाने में इसी तरह यानी हर सोमवार को हाजिर होना होगा और वहां के रजिस्टर में अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी।उच्चतम न्यायालय ने कहा, अपीलकर्ता (कप्पन) सुनवाई अदालत की स्पष्ट सहमति के बिना दिल्ली के अधिकार क्षेत्र को नहीं छोड़ेगा। न्यायालय ने कहा, अपीलकर्ता को व्यक्तिगत रूप से या वकील के माध्यम से हर रोज सुनवाई अदालत में उपस्थित होना होगा। अपीलकर्ता को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा। प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के साथ कथित संबंध के आरोप में कप्पन सहित चार लोगों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पीएफआई पर पहले भी देश भर में नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को वित्तपोषित करने का आरोप लग चुका है। पुलिस ने पहले दावा किया था कि आरोपी हाथरस में कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश कर रहा था।

मुंबई पुलिस ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को धमकी भरे संदेश भेजने को लेकर पकड़ी गई महिला को छोड़ा

मुंबई। मुंबई पुलिस ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कथित तौर पर जान से मारने की धमकी देने को लेकर पकड़ी गई 24 वर्षीय एक महिला को पूछताछ के बाद छोड़ दिया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। ठाणे जिले के उल्हासनगर में अपने परिवार के साथ रहने वाली आईटी स्नातक फातिमा खान को महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और पुलिस के संयुक्त अभियान में पकड़ा गया था। अधिकारी ने बताया कि उसे पूछताछ के लिए मुंबई लाया गया, नोटिस दिया गया और बाद में रविवार को घर जाने दिया गया। पुलिस के मुताबिक खान अच्छी पढ़ी लिखी है लेकिन मानसिक तौर पर अस्थिर है। उसके पिता लकड़ी का कारोबार करते है। मुंबई यातायात पुलिस को शनिवार को एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप्प संदेश मिला, जिसमे धमकी दी गई कि यदि आदित्यनाथ ने 10 दिनो के भीतर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नही दिया, तो उन्हे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की तरह मार दिया जाएगा। सिद्दिकी की पिछले महीने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच के दौरान पता चला कि खान ने यह संदेश भेजा था।

शीर्ष अदालत ने यमुना को प्रदूषित करने को लेकर आगरा नगर निगम पर लगाया गया जुर्माना बरकरार रखा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने प्रदूषण को नियंत्रित करने मे विफल रहने पर 58.38 करोड़ रुपए की पर्यावरण क्षतिपूर्ति लगाने के राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश को आगरा नगर निगम द्वारा दी गई चुनौती को सोमवार को खारिज कर दिया। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह कहते हुए निगम की अपील खारिज कर दी कि उसने प्रदूषण को कम करने के लिए कुछ नही किया और उल्टे उसने पर्यावरण एवं स्थानीय लोगो के लिए नरक जैसी स्थिति पैदा कर दी। एनजीटी ने फरवरी और दिसंबर 2023 के बीच यमुना नदी मे अशोधित अपशिष्ट को प्रवाहित करने की कथित अनुमति देने को लेकर आगरा नगर निगम पर जुर्माना लगाया था। पीठ ने कहा कि शहर के अपशिष्ट शोधन संयंत्र अपनी पूरी क्षमता से काम नही कर रहे है, जिससे यमुना मे प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। एनजीटी ने अप्रैल मे आगरा नगर निगम को तीन महीने के भीतर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पास 58.38 करोड़ रुपए का जुर्माना जमा करने का आदेश दिया था। अपने उस आदेश मे अधिकरण ने पर्यावरण क्षति के मामलो मे जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया था। इस आदेश के बाद नगर निगम ने जुर्माना अदा करने से राहत की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया।

गणपति पूजा पर प्रधानमंत्री के मेरे घर आने में कुछ भी गलत नहीं: चंद्रचूड़

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने सोमवार को कहा कि गणपित पूजा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उनके घर आने में कुछ भी गलत नही था और ऐसे मुद्दो पर राजनीतिक हल्को मे परिपक्वता की भावना की जरूरत है। चंद्रचूड़ ने इंडियन एक्सप्रेस समूह के एक कार्यक्रम मे कहा, प्रधानमंत्री गणपति पूजा के लिए मेरे घर आए। इसमे कुछ भी गलत नही है क्योकि सामाजिक स्तर पर न्यायपालिका और कार्यपालिका से जुड़े व्यक्तियो के बीच निरंतर बैठकें होती है। हम राष्ट्रपति भवन मे, गणतंत्र दिवस आदि पर मिलते है। उन्होंने कहा, हम प्रधानमंत्री और मंत्रियों से बात करते है। बातचीत के दौरान उन मामलो पर बात नही होती, जिनपर हमे फैसला लेना होता है बल्कि सामान्य रूप से जीवन और समाज से जुड़े मामलो पर बात होती है। सीजेआई ने कहा कि इस बात का सम्मान किया जाना चाहिए था कि एक मजबूत अंतर-संस्थागत तंत्र के तहत बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका व कार्यपालिका के बीच शक्तियो के वर्गीकरण का मतलब यह नही है कि दोनो की मुलाकात नही होनी चाहिए। सीजेआई ने कहा था कि उन्होने अयोध्या राम मंदिर विवाद के समाधान के लिए भगवान से प्रार्थना की थी। इस बयान के बारे में पूछे जाने पर चंद्रचूड़ ने कहा कि वह एक आस्थावान व्यक्ति है और सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करते है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों ने मोहा मन

प्रयागराज। सारेगामापा एक नए सीज़न के साथ लौटा है। जिसमें नए मेंटर्स की जोड़ी सचिन जिगर सचेत परंपरा और गुरु रंधावा शामिल हैं। जी टीवी के इस शो को होस्ट कर रहे हैं विपुल रॉय और सलमान अली। इस हफ्ते शो का माहौल और भी खास होने वाला है। क्योंकि सभी मेंटर्स और कंटेस्टेंट्स दिवाली स्पेशलश एपिसोड में एक साथ जश्न मनाते नजर आएंगे। इस जश्न के बीच तब एक खास पल आया जब मेंटर सचिन की बेटी तनिष्का अचानक उन्हें सरप्राइज़ देने सेट पर आ पहुंचीं। इस प्यारे रिश्ते को देखकर जिगर भी भावुक हो गए। देखना न भूलें सारेगामापा हर शनिवार और रविवार रात नौ बजे सिर्फ जी टीवी पर आएगा। उन्होंने उस पल को याद किया जब तनिष्का ने सिर्फ आठ साल की उम्र में उनके लिए अपना पहला गाना लाड़की गाया था। जिगर ने कहा जब तनु आठ साल की थी तब हमने लाड़की गाना तैयार किया था। ये गाना हमारे दिल से निकला था और तनु को इसे गाते देखना हमारे लिए बहुत गर्व की बात थी। मुझे आज भी याद है जब हम बस दर्शक बनकर उसे देख रहे थे और वो इस गाने को गा रही थी।

टाटा पावर ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में ई मोबिलिटी को बढ़ाया: आजमगढ़। टाटा पावर ने उत्तर प्रदेश के आज़मगढ़ में एक नए ईवी चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की है। टाटा पावर का यह कदम रणनीतिक दृष्टी से काफी महत्वपूर्ण हैए क्योंकि इससे सुल्तानपुरए बलिया और गोरखपुर जैसे प्रमुख शहरों को जोड़करए पूर्वी उत्तर प्रदेश में कनेक्टिविटी को बढ़ाया गया है। इस कॉरिडोर को आगे बढ़ते हुए सुल्तानपुर में मोटल एनएच56 पर 30किलोवाट का चार्जर हैए जिसके बाद लखनऊ के शालीमार कॉर्पोरेट पार्क में 60किलोवाट का एक बहुत बड़ा फास्ट चार्जर है।

राष्ट्रीय बजरंग दल ने आतंकियों पर फारूक अब्दुल्ला के बयान को लेकर प्रदर्शन किया

जम्मू। राष्ट्रीय बजरंग दल (आरबीडी) ने नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला द्वारा आतंकवादियों को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। दल ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की बढ़ती घटनाओ और केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद को भड़काने में पाकिस्तान द्वारा सहायता दिए जाने के खिलाफ भी प्रदर्शन किया। अब्दुल्ला ने हाल में यह सुझाव देकर राजनीतिक विवाद पैदा कर दिया था कि आतंकवादियों को मार गिराने के बजाय गिरफ्तार किया जाना चाहिए ताकि उनके आकाओ का पता लगाया जा सके और यह जाना जा सके कि जम्मू-कश्मीर मे आतंकवादी हमलो मे हाल मे हुई बढ़तोरी के पीछे कौन है। आरबीडी ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और केंद्र शासित प्रदेश मे उनका समर्थन करने वाले स्थानीय मददगारों के खिलाफ सख्त कार्वाई की मांग की। आरबीडी अध्यक्ष राकेश कुमार के नेतृत्व मे बड़ी संख्या मे संगठन के कार्यकर्ताओ ने जम्मू शहर मे रैली निकाली और आतंकवाद को बढ़ावा देने मे पाकिस्तान की भूमिका और अब्दुल्ला की टिप्पणी की निंदा की।

लोकायुक्त पुलिस ने सिद्धरमैया को कल तलब किया

मैसूरू। लोकायुक्त पुलिस ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में पूछताछ के लिए छह नवंबर को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। लोकायुक्त पुलिस ने 25 अक्टूबर को मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती से पूछताछ की थी, जो इस मामले में आरोपी है। लोकायुक्त के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया, हमने उनसे (सिद्धरमैया) बुधवार सुबह पेश होने के लिए कहा है। लोकायुक्त पुलिस के समन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सिद्धरमैया ने हावेरी जिले मे संवाददाताओ से कहा, मै जाऊंगा... सिद्धरमैया एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी पार्वती को 14 भूखंडो का आवंटन किए जाने मे अनियमितता के आरोपो का सामना कर रहे है। यह आरोप लगाया गया है कि मैसुरु के एक पॉश इलाके मे पार्वती को 14 ऐसे स्थल आवंटित किए गए थे, जिनका मूल्य उस भूमि की तुलना मे अधिक है जिसे एमयूडीए ने अधिग्रहित किया था। एमूयडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे।

वैश्विक सौर निवेश इस वर्ष 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा

नई दिल्ली।(भाषा) केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कहा कि वैश्विक सौर निवेश इस साल 500 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा जो 2023 में 393 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में यह कोयले तथा गैस से भी अधिक किफायती ऊर्जा स्रोत है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री जोशी ने अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) की 7वीं आम सभा के उद्घाटन सत्र में कहा कि इन निवेशों से न केवल नई क्षमता जुड़ रही है, बल्कि दुनिया भर में सौर ऊर्जा की लागत भी कम हो रही है। जोशी के आईएसए के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा, यह तीव्र वृद्धि रिकॉर्ड-तोड़ निवेशों से प्रेरित है। वैश्विक सौर निवेश 2018 में 144 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023 में 393 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया है और 2024 के अंत तक इसके 500 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आज सौर ऊर्जा कई क्षेत्रों में कोयले और गैस से आगे निकलकर बिजली का सबसे किफायती स्रोत बन गई है।

मंत्री ने बताया कि आईएसए टुवार्ड्स 1000 (1000 की ओर) रणनीति से आगे बढ़ रहा है जिसका लक्ष्य 2030 तक सौर ऊर्जा समाधानों में।,000 अरब डॉलर का निवेश जुटाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार के शासन में भारत ने महत्वाकांक्षी अक्षय ऊर्जा लक्ष्य निर्धारित किए हैं और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले महीने 90 गीगावाट की स्थापित सौर क्षमता हासिल कर ली और 2030 तक 500 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता के अपने व्यापक लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। जोशी ने कहा कि भारत नए क्षितिज पर भी अपनी नजरें स्थापित कर रहा है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 50 लाख टन हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करना है, जिसे 125 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता से समर्थन मिलेगा। उन्होंने कहा, हमने करीब 37.5 गीगावाट की कुल क्षमता वाले 50 सौर पार्क को मंजूरी दी है। 2030 तक 30 गीगावाट के अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए संभावित अपतटीय पवन ऊर्जा स्थलों की पहचान की है। मंत्री ने कहा, भारत का 2024-25 का केंद्रीय बजट इस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसमें सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वित्त पोषण में 110 प्रतिशत की वृद्धि और पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना जैसी पहलों के लिए लक्षित समर्थन शामिल है।

पीएम2.5 में मौजूद अमोनियम नाइट्रेट का सीधा संबंध बच्चों की कमजोर याददाश्त से: अध्ययन

नई दिल्ली। (भाषा) अमोनियम नाइट्रेट पीएम2.5 प्रदूषण का एक अहम तत्व होने के साथ-साथ कृषि उत्सर्जन का भी एक उत्पाद है जिसके बारे में पाया गया है कि यह बच्चों की सीखने की क्षमता के अलावा उनकी याददाश्त को भी विपरीत रूप से प्रभावित करता है। यह दावा एक नवीनतम अध्ययन में किया गया है।

यह रसायन तब बनता है जब कृषि गतिविधियों से निकलने वाली अमोनिया गैस जीवाश्म ईंधन को जलाने के बाद उत्पन्न होने वाले नाइट्रिक एसिड के साथ प्रतिक्रिया करती है। पूर्व के अध्ययनों में पाया गया था कि अमोनियम नाइट्रेट अल्जाइमर और डिमेंशिया जैसी उम्र संबंधी बीमारियों के खतरों को भी बढ़ाता है। इन दोनों रोगों से ग्रस्त होने पर अनुभूति और स्मृति प्रभावित होती है। अध्ययन के मुताबिक लंबे समय तक पीएम2.5 के संपर्क में रहने पर तंत्रिकातंत्र संबंधी बीमारी का खतरा रहता है। वायु गुणवत्ता मापने का एक महत्वपूर्ण घटक पीएम2.5 है जो धूल, कालिख, कार्बनिक यौगिकों और धातुओं का मिश्रण है। पीएम2.5 के एक कण का व्यास 2.5 माइक्रोमीटर से कम होता है। यह कण फेफड़ों में गहराई तक जाने के लिए जाना जाता है, जहां से यह रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकता है और फिर मस्तिष्क त पहुंच सकता है जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो सकती हैं। वर्ष 2020 के एक अध्ययन में, अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूएससी) के अनुसंधानकर्ताओं वाली एक टीम ने पीएम2.5 पर समग्र रूप से गौर किया और पाया कि बच्चों के संज्ञानात्मकता पर इसका कोई संभावित प्रभाव नहीं है। इस अध्ययन को भी उसी टीम द्वारा किया गया। यह अध्ययन एनवायरनमेंटल हेल्थ पर्सपेक्टिव्स पत्रिका में प्रकाशित हुआ, जिसमें पीएम2.5 बनाने वाले 15 रसायनों का विश्लेषण किया गया है। इस प्रकार अमोनियम नाइट्रेट एक प्रमुख संभावित खतरे के रूप में उभरा। देश के विभिन्न इलाकों के 9-11 वर्ष की उम्र के लगभग 8,600 बच्चों के आवासीय पते के आधार पर अनुसंधानकर्ताओं ने पीएम2.5 के घटकों के संपर्क के वार्षिक स्तर का विश्लेषण करने के लिए स्पेसियो-टेंपोरल मॉडल (देश-काल आधारित मॉडल) का उपयोग किया।यूएससी में जनसंख्या और सार्वजनिक स्वास्थ्य विज्ञान के प्रोफेसर और अध्ययन के लेखक मेगन हर्टिंग ने कहा कि सबसे मजबूत निष्कर्ष यह था कि अमोनियम नाइट्रेट कण सीखने की खराब क्षमता और खराब याददाश्त से जुड़े थे। इस अध्ययन से उन सबूतों को बल मिला है जिससे पता चला है कि पीएम 2.5 प्रदूषण सभी उम्र के लोगों की स्मृति और संज्ञानात्मक बोध के लिए हानिकारक है।

फैसला करें या हम इस पर विचार करेंगे

राजोआना की दया याचिका पर न्यायालय ने केंद्र से कहा

नई दिल्ली।(भाषा) उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में मौत की सजा का सामना कर रहे बलवंत सिंह राजोआना की दया याचिका पर फैसला नहीं करता है तो शीर्ष अदालत इस पर विचार करेगी।चंडीगढ़ में सिविल सचिवालय के प्रवेश द्वार पर 31 अगस्त 1995 को विस्फोट कर पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह और 16 अन्य लोगों की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में जुलाई 2007 में एक विशेष अदालत ने राजोआना को मौत की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति पी के मिश्रा और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने पंजाब पुलिस के पूर्व कांस्टेबल की दया याचिका पर निर्णय लेने में अत्यधिक देरी के कारण उसकी मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई दो सप्ताह के लिए टाल दी। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि राजोआना की दया याचिका राष्ट्रपति के पास लंबित है। न्यायालय ने इस पर कहा, इस पर किसी भी तरह से फैसला करें, अन्यथा हम इस पर (राजोआना की याचिका पर) विचार करेंगे। राजोआना की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि वह 29 साल से लगातार हिरासत में है और उसकी दया याचिका पर फैसला होने तक उसे रिहा किया जाना चाहिए। रोहतगी ने कहा, उसकी (राजोआना) दया याचिका पिछले 12 वर्षों से राष्ट्रपति भवन में लंबित है। कृपया उसे छह या तीन महीने के लिए रिहा कर दें। कम से कम उसे देखने दें कि बाहरी दुनिया कैसी दिखती है। पंजाब सरकार ने पीठ को सूचित किया कि उसे मामले में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए कुछ समय चाहिए। मेहता ने यह भी कहा कि राजोआना को पंजाब के मुख्यमंत्री की हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था और उन्हें इस मुद्दे पर निर्देश लेने की जरूरत है। पीठ ने रोहतगी से कहा, हम उन्हें जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय देंगे। हमें उनका जवाब देखना होगा। शीर्ष अदालत ने 25 सितंबर को राजोआना की याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के प्रशासन से जवाब मांगा था।

पेज 1 का शेष

14 विस...

विधानसभा और वायनाड लोकसभा सीटों के लिए उपचुनाव पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार 13 नवंबर को होंगे। कांग्रेस के अनुसार, केरल की पलक्कड़ विधानसभा सीट के मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा 13 से 15 नवंबर तक कल्पती रास्तोलवम का त्योहार मनाएगा। पंजाब में, श्री गुरु नानक देव का 555वां प्रकाश पर्व 15 नवंबर को मनाया जाएगा और 13 नवंबर से अखंड पाठ का आयोजन किया जाएगा। पंजाब की जिन चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं, वे हैं डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल, गिद्दड़बाहा और बरनाला। भारतीय जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा से तीन-चार दिन पहले लोग यात्रा करते हैं, जो 15 नवंबर को मनाई जाएगी। उत्तर प्रदेश की जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें मीरापुर, कुंदरकी, गाजियाबाद, खैर, करहल, शीशमऊ, फूलपुर, कटेहरी, मझवां शामिल हैं। चुनाव आयोग ने 48 विधानसभा क्षेत्रों और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर की तारीख तय की थी।

कनाडा में...

खालिस्तानी झंडे लेकर प्रदर्शनकारियों ने लोगों के साथ झड़प की, जिसकी प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निंदा की और कहा कि प्रत्येक कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित रूप से पालन करने का अधिकार है। कनाडाई ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को पील क्षेत्रीय पुलिस ने कहा कि ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में एक विरोध प्रदर्शन हुआ और सोशल मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारियों को खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े हुए दिखाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि वीडियो में हाथापाई और लोग एक-दूसरे पर डंडों से हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर ट्रूडो ने समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच के लिए त्वरित प्रतिक्रिया के लिए स्थानीय अधिकारियों को धन्यवाद दिया। ट्रूडो ने सोमवार को एक पोस्ट में कहा, ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में आज हुई हिंसा अस्वीकार्य है। प्रत्येक कनाडाई को अपने धर्म का स्वतंत्र और सुरक्षित तरीके से पालन करने का अधिकार है। समुदाय की सुरक्षा और इस घटना की जांच के लिए त्वरित प्रतिक्रिया के लिए पील क्षेत्रीय पुलिस को धन्यवाद। इस बीच, ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने भी सोमवार को एक कड़ा बयान जारी कर ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर पर भारत विरोधी तत्वों द्वारा हाल ही में किए गए हमले की निंदा की। इस घटना ने हिंदू सभा मंदिर और भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक वाणिज्य दूतावास कार्यक्रम को बाधित कर दिया। अपने बयान में, उच्चायोग ने टिप्पणी की, उसने रविवार को टोरंटो के पास ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर के साथ मिलकर आयोजित वाणिज्य दूतावास शिविर के बाहर भारत विरोधी तत्वों द्वारा आयोजित हिंसक व्यवधान देखा है। पील क्षेत्रीय पुलिस ने रविवार दोपहर को सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्हें हिंदू सभा मंदिर में हो रहे विरोध प्रदर्शन के बारे में पता था, और सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने के लिए मंदिर में अपनी उपस्थिति बढ़ा दी थी। हम शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से विरोध करने के अधिकार का सम्मान करते हैं, लेकिन हिंसा और आपराधिक कृत्यों को बर्दाश्त नहीं करेंगे, चीफ निशान दुरईप्पा ने वीडियो प्रसारित होने के बाद रविवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। जो लोग इस गतिविधि में भाग लेते हैं, उनका पीछा किया जाएगा, उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा और उन पर आरोप लगाए जाएंगे। पील पुलिस ने सीबीसी टोरंटो को बताया कि रविवार को मंदिर में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। उन्होंने कहा, हिंदू सभा के बाहर हिंसा की घटनाओं के बारे में सुनकर वह निराश हैं। धार्मिक स्वतंत्रता कनाडा में एक आधारभूत मूल्य है। हर किसी को अपने पूजा स्थल पर सुरक्षित महसूस करना चाहिए। ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर पर हाल ही में हुए हमले की विपक्षी नेता पियरे पोलीवरे सहित कनाडाई राजनेताओं ने व्यापक निंदा की। ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में आज पूजा करने वालों को निशाना बनाकर हिंसा देखना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। सभी कनाडाई लोगों को शांति से अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। रूढ़िवादी इस हिंसा की स्पष्ट रूप से निंदा करते हैं। वह अपने लोगों को एकजुट करेंगे और अराजकता को समाप्त करेंगे।

जम्मू कश्मीर...

आज लाए गए प्रस्ताव का कोई महत्व नहीं है, बल्कि यह केवल चर्चा में आने और फोटो खिंचवाने के लिए है। अगर इसके पीछे कोई उद्देश्य होता, तो वे पहले ही हमसे इस पर चर्चा कर लेते...। हंगामे के दौरान अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित कर दी। हालांकि उमर ने माना कि जम्मू-कश्मीर के अधिकांश लोगों ने 2019 और उसके बाद किए गए बदलावों का समर्थन नहीं किया है।

मल्लू हिंदू..

और उन्हें ऐसे किसी ग्रुप के अस्तित्व के बारे में पता नहीं था। गोपालकृष्णन ने कहा, जब सहकर्मियों ने मुझे इस ग्रुप के बारे में बताया, तभी मुझे इसके बारे में पता चला। मेरे फोन में मौजूद कॉन्टैक्ट नंबर का इस्तेमाल करके कई ग्रुप बनाए गए और मुझे इससे ज़्यादा कुछ नहीं पता। उन्होंने अपने फोन की हैकिंग के बारे में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। साइबर विशेषज्ञ डॉ. एमजी गिरीशन, जो एक प्रमुख हैकाथॉन विशेषज्ञ हैं, ने द पायनियर को बताया कि इंटरनेट और मोबाइल फोन की क्षमता से अनजान किसी भी व्यक्ति के फोन को हैक करना संभव है। गिरीशन ने कहा, आम तौर पर, दो आसान तरीके हैं। हम व्हाट्सएप वेब के ज़रिए और कुछ खास एप्लिकेशन इंस्टॉल करके भी फोन की डिटेल हैक कर सकते हैं। अगर हम अवांछित लिंक पर क्लिक करते हैं, तो हम उस व्यक्ति को अपना फोन इस्तेमाल करने की अनुमति दे रहे होते हैं जिसने एप्लिकेशन अपलोड की है। हालांकि नई पीढ़ी के अधिकारी कुछ अजीबोगरीब एप्लिकेशन इंस्टॉल करने में शामिल खतरों के बारे में सतर्क हैं, लेकिन पुरानी पीढ़ी के लोग इस जाल से वाकिफ नहीं हैं। वह केरल पुलिस साइबरडोम के हैकाथॉन के शीर्ष योगदानकर्ताओं में से एक हैं और हैदराबाद स्थित कंपनी एजफोर्स सॉल्यूशंस के शोध प्रमुख के रूप में काम करने वाले रक्षा प्रौद्योगिकीविद् हैं। यह पहली बार नहीं है जब केरल में सांप्रदायिक आधार पर बने डब्ल्यूए समूह सुर्खियों में हैं। केरल पुलिस में मुस्लिम समुदाय के अधिकारियों के लिए एक डब्ल्यूए समूह 'ग्रीन लाइट' था, जो कथित तौर पर राज्य से संचालित चरमपंथी संगठनों के नेताओं को सूचना और खुफिया डेटा लीक करता था।

सेंसेक्स...

30 सूचीबद्ध शेयरों वाले सेंसेक्स में से, अडानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व, टाटा मोटर्स, एक्सिस बैंक और टाइटन में प्रमुख रूप से गिरावट देखा गया। वहीं महिंद्रा एंड महिंद्रा, टेक महिंद्रा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस और इंडसइंड बैंक को लाभ हुआ। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 211.93 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में भारतीय शेयर बाजार से 94,000 करोड़ रुपये (लगभग 11.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर) निकाले, जो घरेलू इक्विटी के ऊंचे मूल्यांकन और चीनी शेयरों के आकर्षक मूल्यांकन के कारण निकासी के मामले में अब तक का सबसे खराब महीना रहा।

भगवान सूर्य देव...

केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, जो सामाजिक एकता और समर्पण को दर्शाता है। इससे व्यापार को बढ़ावा मिलता है और स्थानीय उत्पादकों को सीधे लाभ होता है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को पुष्ट करता है। उत्सव के दौरान, यह अक्सर देखा जाता है कि त्योहार के दौरान उपयोग किए जाने वाले अधिकांश उत्पाद स्थानीय कारीगरों और शिल्पकारों द्वारा तैयार किए जाते हैं, जिससे नए रोजगार के अवसर पैदा होते हैं और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिलता है। इस पर, भरतिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि छठ पूजा, अपने आध्यात्मिक महत्व से परे, व्यापार और रोजगार के लिए एक प्रमुख अवसर के रूप में उभरी है, जो विवाहित महिलाओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले सिंदूर जैसी वस्तुओं की बिक्री सहित भारतीय बाजारों में नई आर्थिक ऊर्जा लाती है। छठ पूजा करने वाली महिलाओं के लिए, नाक से लेकर बालों तक सिंदूर की एक लंबी लकीर लगाना शुभ संकेत है, जो उनके पति और परिवार के स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए उनकी प्रार्थना का प्रतीक है।

कांग्रेस आदिवासियों का आरक्षण छीन कर अपने वोट बैंक को दे देगी

झारखंड में मोदी

भाषा। चाईबासा (झारखंड)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस पर आदिवासियों के आरक्षण को छीनकर उन्हें अपने वोट बैंक को सौंपने का प्रयास करने का आरोप लगाया झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के चाईबासा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह उनकी पूजा करते हैं, जिन्हें दूसरों ने खारिज कर दिया है।उन्होंने कहा, बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर ने आदिवासी अधिकारों की रक्षा के लिए आरक्षण का प्रावधान सुनिश्चित किया लेकिन (प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल) नेहरू जी ने इसका विरोध किया था। गांधी परिवार ने तब तक आरक्षण का विरोध किया जब तक वे नेहरू के बाद सत्ता में रहे। अब एक बार फिर उन्होंने खुले तौर पर घोषणा की है कि वे आदिवासियों के आरक्षण को खत्म कर देंगे। वे आदिवासी आरक्षण छीनकर अपने वोट बैंक को सौंप देंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने (कांग्रेस ने) एक और रणनीति तैयार की है। वे विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित कर रहे हैं। इससे आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों का आरक्षण रोका जा रहा है। कांग्रेस की इस साजिश से सावधान रहें। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सत्तारूढ़ गठबंधन ने फर्जी दस्तावेज बनाने के लिए बांग्लादेशी घुसपैठियों को सुविधा देकर आदिवासी पहचान, गरिमा और अस्तित्व को दांव पर लगा दिया है।उन्होंने कहा, घुसपैठिए आपकी बेटियों को छीन रहे हैं, जमीन हड़प रहे हैं और आपकी रोटी खा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि झारखंड की जनसांख्यिकी को बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं।मोदी ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि झारखंड में भाजपा सरकार बनते ही घुसपैठ पर रोक लगाने के लिए हर कदम उठाए जाएंगे। अवैध तरीके से हड़प की गई भूमि को फिर से

आदिवासी बेटियों के नाम करने के लिए कानून लाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पंचायत अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार (पेसा) कानून के क्रियान्वयन से पंचायतों को मजबूत किया जाएगा।उन्होंने झारखंड में भाजपा उम्मीदवार सीता सोरेन और महाराष्ट्र में एक महिला नेता को अपमानित करने के लिए कांग्रेस नीत विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि महिलाओं का अपमान करना उनकी आदत है।वह हाल ही में भाजपा में शामिल हुईं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन के खिलाफ कांग्रेस मंत्री इरफान अंसारी की अपमानजनक टिप्पणी का जिक्र कर रहे थे।मोदी ने इस मुद्दे पर चुप रहने के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी निशाना साधा।मोदी ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत की शिवसेना उम्मीदवार शाइना एनसी को निशाना बनाने वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए कहा, विपक्ष ने महाराष्ट्र में एक महिला नेता के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। माताएं और बेटियां सदमे में हैं, लोग उन्हें सबक सिखाएंगे। प्रधानमंत्री ने 1980 के दशक में हुए गुआ गोली कांड का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह की बर्बरता अंग्रेजों ने की थी, वैसी ही बर्बरता यहां कांग्रेस सरकार ने उस समय आदिवासियों का खून बहा कर की थी।उन्होंने कहा, यहां कांग्रेस सरकार ने हमारे आदिवासी भाइयों को गोलियों से भून दिया था। हमारे वो आदिवासी पूर्वज सिर्फ अपना हक मांग रहे थे, वो अलग झारखंड राज्य मांग रहे थे। उस समय राजद के नेता भी कहते थे कि झारखंड उनकी लाश पर बनेगा। आपके सपनों से इतनी नफरत है इन लोगों को। जो राजद, झारखंड बनाने को सहमत नहीं था, आज झामुमो उस राजद की गोद में बैठ गई है। उन्होंने कहा, कोल्हान क्षेत्र ने शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ विद्रोह किया था और अब वह झारखंड से अत्याचारी झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन को उखाड़ फेंकने के लिए तैयार है। कोल्हान क्षेत्र में तीन जिले– पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला–खरसावां शामिल हैं। इनमें कुल मिलाकर 14 सीट हैं, जिनमें से नौ आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं।प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि झामुमो नीत गठबंधन ने राज्य के युवाओं को भर्ती माफिया के हाथों सौंप दिया और लगातार पेपर लीक से उनका भविष्य बर्बाद कर दिया।उन्होंने कथित अनियमितताओं की जांच कराने और राज्य में भाजपा के सत्ता में आने पर विभिन्न सरकारी विभागों में तीन लाख युवाओं की भर्ती करने का अभियान शुरू करने का वादा किया।कई कल्याणकारी योजनाओं का वादा करते हुए मोदी ने कहा, गरीब का संघर्ष क्या होता है, मैंने उसको जिया है, निकट से देखा है। पिछले 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। झारखंड में भी गरीबी दूर करने के लिए भाजपा प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नर्सों की वैश्विक स्तर पर जरूरत है और झारखंड जैसे राज्य अपने युवाओं के कौशल को निखारकर इसका लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा, अकेले जर्मनी भारत से प्रति वर्ष 90,000 लोगों को चाहता है।

भारत फिर चुना गया अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन का अध्यक्ष

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सोमवार को कहा कि भारत को एक बार फिर भारतीय सौर गठबंधन (आईएसए) का अध्यक्ष चुन लिया गया है। वह 2024 से 2026 तक यह दायित्व संभालेगा। आईएसए की सातवीं आमसभा के मौके पर जोशी ने संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि फ्रांस को एक बार फिर आईएसए का उपाध्यक्ष चुना गया है। जोशी ने कहा कि भारत का अध्यक्ष पद पर दोबारा चुना जाना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में भारत की तरफ से दुनियाभर में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के प्रभावशाली प्रयासों का प्रमाण है। भारत ने मिनी-ग्रिड एवं स्वास्थ्य देखभाल समाधान जैसी जरूरी सौर परियोजनाओं में निवेश बढ़ाने के लिए भी असरदार कदम उठाए हैं। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थाई समिति ने भारत को अध्यक्ष चुनने के साथ आठ उपाध्यक्ष भी चुने हैं। दुनिया के चार भौगोलिक क्षेत्रों में दो-दो उपाध्यक्षों का चुनाव किया गया है। अफ्रीकी क्षेत्र से घाना एवं सेशेल्स, एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र से ऑस्ट्रेलिया एवं श्रीलंका, यूरोप एवं अन्य क्षेत्र से जर्मनी एवं इटली और लातिनी अमेरिका एवं कैरेबियाई क्षेत्र से ग्रेनेडा एवं सूरीनाम को उपाध्यक्ष चुना गया है। आईएसए के सदस्य देशों ने गठबंधन के तीसरे महानिदेशक के रूप में आशीष खन्ना का भी चयन किया है। इस पद पर आशीष खन्ना को महानिदेशक नामित किया गया है। वह मौजूदा महानिदेशक अजय माथुर का कार्यकाल समाप्त होने पर मार्च, 2025 में पदभार ग्रहण करेंगे। आईएसए ने 2020 में अल्प-विकसित देशों (एलडीसी) और लघु द्वीप विकास राज्यों (एसआईडीएस) की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदर्शन परियोजनाएं शुरू की थीं। इसका उद्देश्य सौर प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों का प्रदर्शन था, जिन्हें बढ़ाया जा सके और सदस्य देशों में इस सौर ऊर्जा संचालित समाधान के लिए क्षमता तैयार की जा सके। जोशी ने कहा कि इनमें से 11 परियोजनाएं संबंधित देशों के लोगों को समर्पित की गईं।

तेल एवं गैस क्षेत्र को दी जाने वाली सब्सिडी 10 साल में 85 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली। तेल एवं गैस क्षेत्र को दी जाने वाली सब्सिडी 2013 के 25 अरब डॉलर से 85 प्रतिशत घटकर 2023 तक 3.5 अरब डॉलर रह गई है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने सोमवार को एक अधिकारिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि 2010 से भारत ने जीवाश्म ईंधन सब्सिडी में लगातार सुधार किया है और इस संबंध में हटाओ, लक्षित करो और स्थानांतरित करो का नजरिया अपनाया है। मंत्रालय ने कहा कि एशियाई विकास बैंक (एडीबी) की एक रिपोर्ट के अनुसार खुदरा कीमतें, कर दरों और चुनिंदा पेट्रोलियम उत्पादों पर सब्सिडी को समायोजित करने के चलते तेल और गैस क्षेत्र में राजकोषीय सब्सिडी 10 साल में 85 प्रतिशत घटकर 2023 तक 3.5 अरब डॉलर रह गई। यह आंकड़ा 2013 में 25 अरब डॉलर के उच्चस्तर पर था। टिप्पणी में कहा गया, इस दौरान एक महत्वपूर्ण कदम पेट्रोल और डीजल सब्सिडी को धीरे-धीरे समाप्त करना था। साथ ही कर में वृद्धि भी की गई। इन सुधारों ने नवीकरणीय ऊर्जा पहल, इलेक्ट्रिक वाहन और महत्वपूर्ण बिजली बुनियादी ढांचे में अधिक सरकारी समर्थन के लिए राजकोषीय गुंजाइश तैयार की। सरकार ने 2014 से 2017 तक पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाकर कर राजस्व में वृद्धि की। इस अतिरिक्त राजस्व की मदद से लक्षित सब्सिडी दी गई, जिससे गांवों तक तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की पहुंच बढ़ी।

भारत औपनिवेशिक युग की मानसिकता से तेजी से बाहर निकल रहा है: धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि भारत औपनिवेशिक युग के विचारों और प्रतीकों को चुनौती देकर अपनी औपनिवेशिक मानसिकता से तेजी से बाहर निकल रहा है। यहां भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) की आम सभा की 70वीं वार्षिक बैठक को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा, भारतीय लोक प्रशासन में भारतीय विशेषताएं होनी चाहिए, जो औपनिवेशिक मानसिकता से परे होने के साथ ही स्वतंत्रता के बाद की हमारी आवश्यकताओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि भारत औपनिवेशिक विचारों और प्रतीकों को चुनौती दे रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि किंग्स वे अब कर्तव्य पथ बन गया है और रेसकोर्स भी अब लोक कल्याण मार्ग हो गया है। धनखड़ ने कहा, नेताजी बोस की प्रतिमा उस छतरी के नीचे स्थापित की गई है, जहां कभी किंग जॉर्ज की प्रतिमा हुआ करती थी। भारतीय नौसेना के ध्वज में हमारा तिरंगा शामिल कर दिया गया और औपनिवेशिक काल के 1,500 कानून अब कानून की किताब में नहीं हैं। उपराष्ट्रपति ने रेखांकित किया कि नए फौजदारी कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ने भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली को औपनिवेशिक विरासत से मुक्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से औपनिवेशिक मानसिकता से बाहर निकल रहा है। धनखड़ ने कहा, अब हमें चिकित्सा या प्रौद्योगिकी सीखने के लिए अंग्रेजी की आवश्यकता नही है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोक प्रशासन अगर इन मूल्यों को आत्मसात नही करता है तो वह राष्ट्रीय हित और भावना के साथ तालमेल नही बिठा पाएगा। सरकारी अधिकारियों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता और व्यवहारिक कौशल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए धनखड़ ने कहा, अपने प्रशिक्षुओं की भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर अधिक ध्यान दें। सरकारी अधिकारियों के बीच व्यवहारिक कौशल, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सांस्कृतिक क्षमता विकसित करना महत्वपूर्ण है, ताकि अधिकारी हाशिए पर पड़े और वंचित लोगों के संघर्षों को समझ सकें। अपने संबोधन मे धनखड़ ने लोक सेवकों की समस्या-समाधान क्षमताओं को बढ़ाने और नैतिक नेतृत्व को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नैतिक मानक देश की सभ्यता के लिए मौलिक है, लेकिन प्रलोभन का सामना करने के लिए उन्हें निरंतर पोषित करने की आवश्यकता है।

आर अशोक का केंद्रीय गृह मंत्री से आग्रह, वक्फ बोर्ड के भूमि पंजीकरण पर रोक लगे

बेंगलुरु कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 की संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल से आग्रह किया है कि वे राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दे कि संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की प्रक्रियाओं के पूरा होने तक वक्फ बोर्ड के सभी भूमि पंजीकरण तुरंत रोक दिए जाएं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि वक्फ बोर्ड द्वारा दावा की गई भूमि को पंजीकृत करने के लिए जल्दबाजी में प्रयास किए जा रहे हैं, शायद इस उम्मीद में कि जेपीसी वक्फ अधिनियम में संशोधन ला सकती है। अशोक ने कहा, इस पूर्व-निवारक प्रयास के तहत राज्य सरकार और वक्फ बोर्ड ने कथित तौर पर राजस्व अभिलेखों में फेरबदल करना शुरू कर दिया है तथा किसानों की भूमि का स्वामित्व वक्फ बोर्ड को दे रहे हैं। जल्दबाजी में वक्फ बोर्ड को भूमि के अनुचित दावों का पंजीकरण करने से कर्नाटक के हजारों किसान एवं गरीब लोग अपने उचित और पैतृक संपत्ति अधिकारों से वंचित हो जाएंगे। उनके अनुसार यह मामला तब प्रकाश मे आया जब विजयपुरा जिले में लगभग 15,000 एकड़ भूमि पर दावा करने वाले सैकड़ों किसानों को नोटिस भेजे गए, आरोप है कि कर्नाटक के प्रत्एक जिले में लगभग 10,000 एकड़ भूमि पर वक्फ बोर्ड द्वारा गुप्त तरीके से दावा किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, "इसके अतिरिक्त वक्फ बोर्ड मंदिरों, मठों और अन्य धार्मिक संगठनों की भूमि पर भी दावा कर रहा है। यह चौकाने वाला है कि हिंदू समुदाय के शमशानों पर भी वक्फ बोर्ड द्वारा अपनी संपत्ति होने का दावा किया जा रहा है। सिंदगी में 13वीं शताब्दी के विरक्त मठ की 1.28 एकड़ भूमि, विजयपुरा में ऐतिहासिक सोमेश्वर मंदिर, कलबुर्गी मे बीरादेवरा मंदिर और कर्नाटक में कई अन्य मंदिरों पर कथित तौर पर वक्फ बोर्ड दावा कर रहा है।

फ्लिपकार्ट व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ने मिलाया हाथ

बंगलुरू। घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने ई-कॉमर्स के माध्यम से ग्रामीण महिला उद्यमियों को सशक्त करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के साथ मिलकर ओरिएंटेशन वर्कशॉप का आयोजन किया। ई-कॉमर्स के माध्यम से आर्थिक सशक्तीकरण पर केंद्रित इस कार्यशाला में माननीय विद्युत राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर, फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार एवं अन्य सम्मानितजन उपस्थित रहे। कार्यशाला को लेकर फ्लिपकार्ट ग्रुप के चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स ऑफिसर रजनीश कुमार ने कहा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के साथ यह साझेदारी पूरे भारत में डिजिटल समावेश को विस्तार देने की फ्लिपकार्ट की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा उद्देश्य हरियाणा की ग्रामीण महिलाओं के लिए व्यापक आर्थिक अवसर सृजित करना और नई पीढ़ी के उद्यमियों को बढ़ावा देना है, जो अपनी आजीविका को निखारने के लिए टेक्नोलॉजी का लाभ उठा सकते हैं। समर्थ प्रोग्राम का लक्ष्य वंचित समुदायों को अवसर प्रदान करना और ई-कॉमर्स का लाभ उठाते हुए सतत आजीविका निर्माण में उन्हें सशक्त बनाना है। इन समुदायों को दिशानिर्देश एवं समर्थन प्रदान करते हुए फ्लिपकार्ट ग्रामीण उद्यमियों को भारत की व्यापक विकास गाथा से जो?ने की दिशा में काम कर रहा है।

बिहार के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अजगैबीनाथ धाम रखा जाएगा

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को घोषणा की कि भागलपुर जिले के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर हिंदू तीर्थस्थल अजगैबीनाथ धाम के नाम पर रखा जाएगा। पटना मे आयोजित एक समारोह में चौधरी ने कहा, "भागलपुर जिले के सुल्तानगंज रेलवे स्टेशन का नाम जल्द ही हिंदू तीर्थस्थल अजगैबीनाथ धाम के नाम पर रखा जाएगा। इस संबंध में संबंधित नगर परिषद द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया है और इसे जल्द ही रेलवे स्टेशन का नाम बदलने के लिए सक्षम प्राधिकरण को भेजा जाएगा। सुल्तानगंज स्थित अजगैबीनाथ मंदिर भगवान शिव का एक प्राचीन मंदिर है। मंदिर के प्रांगण में पत्थरों पर बेहतरीन नक्काशी और शिलालेख हैं। यह मंदिर गंगा नदी के तट पर स्थित है।

उड़ान के दौरान मंजूरी होने पर ही मिलेगी वाई-फाई से इंटरनेट सेवा

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उड़ान के दौरान यात्री वाई-फाई के जरिए इंटरनेट सेवाओं का इस्तेमाल केवल तभी कर पाएंगे जब 3,000 मीटर की ऊंचाई पर पहुंच चुके विमान में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करने की अनुमति होगी। सरकार ने उड़ान और समुद्री संपर्क नियम, 2018 के तहत विमान के भारतीय हवाई क्षेत्र में 3,000 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचने के बाद ही मोबाइल संचार सेवाएं देने की अनुमति दी हुई है। ऐसा स्थलीय मोबाइल नेटवर्क के साथ हस्तक्षेप से बचने के लिए किया गया है। इस संदर्भ में सरकार ने अधिसूचित नए नियम में कहा, उप-नियम (एक) में निर्दिष्ट भारतीय हवाई क्षेत्र में न्यूनतम ऊंचाई होने के बावजूद विमान में वाई-फाई के जरिए इंटरनेट सेवाएं तभी उपलब्ध कराई जाएंगी, जब विमान में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करने की अनुमति होगी।

थीमैटिक फंड्स की ओर हुए आकर्षित निवेशक

कानपुर। हाल ही में भारतीय इक्विटी निवेशकों के बीच थीमैटिक और सेक्टोरल फंड को निवेश के विकल्प के रूप में देखा गया है, जो हालिया तिमाही में इक्विटी-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड योजनाओं में कुल प्रवाह का 45त्न हिस्सा है। यह उछाल विशिष्ट क्षेत्रों और उद्योगों में निवेशकों की बढ़ती रुचि के कारण है एएमएफआई (एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया) के अनुसार जुलाई-सितंबर में इस श्रेणी में 49,759 करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जबकि एक तिमाही पहले यह 46731 करोड़ रुपये था। जुलाई-सितंबर में इक्विटी-उन्मुख योजनाओं में संचयी निवेश 1.09 लाख करोड़ रुपये रहा टाटा म्यूचुअल फंड की फंड मैनेजर मीता शेट्टी का कहना है कि मांग में तेजी का नेतृत्व जनरल एआई और विवेकाधीन खर्च की वापसी से होगा। शेट्टी द्वारा प्रबंधित टाटा डिजिटल इंडिया फंड, थीमैटिक फंड जगत में टेक फंड की क्षमता को दर्शाता है।

स्विगी का आईपीओ 6 को

नोएडा। स्विगी लिमिटेड (कंपनी), भारत का अग्रणी ऑन-डिमांड सुविधा प्लैटफ़ॉर्म, 6 नवंबर, 2024 को अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (ऑफ़र) खोलने का प्रस्ताव करती है। बोली/ऑफ़र बंद होने की तिथि शुक्र वार, 8 नवंबर, 2024 होगी। एंकर निवेशक बोली तिथि बोली/ऑफ़र खुलने की तिथि से एक कार्य दिवस पहले अर्थात मंगलवार, 5 नवंबर, 2024 है। ऑफ़र का प्राइस बैंड 371 प्रति इक्विटी शेयर से लेकर 390 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 38 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियाँ लगाई जा सकती हैं। इस ऑफ़र में 4,499 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का एक नया इश्यू (ताजा इश्यू) और विक्रय शेयरधारकों द्वारा 175,087,863 इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (बिक्री के लिए प्रस्ताव) शामिल है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

बालाघाट में एसएएफ जवान ने कांस्टेबल पत्नी की हत्या के बाद आत्मसमर्पण किया

बालाघाट। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले मे विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के एक जवान ने अपनी कांस्टेबल पत्नी की कथित तौर पर हत्या करने के बाद आत्मसमर्पण कर दिया। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक सोनम झरवाड़े ने बताया कि एसएएफ जवान विशाल बघेल ने बालाघाट पुलिस लाइन में तैनात अपनी पत्नी उपासना की रविवार रात कथित तौर पर गला घोटकर हत्या कर दी।

2000 रुपए के 98% नोट वापस आए, 6,970 करोड़ के नोट अब भी जनता के पास

भाषा। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि 2000 रुपए के 98.04 प्रतिशत बैंक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए हैं और केवल 6,970 करोड़ रुपए के ऐसे नोट जनता के पास हैं। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2000 रुपए के बैंक नोट को प्रचलन से वापस लेने की घोषणा की थी। आरबीआई ने कहा कि 19 मई, 2023 को कारोबार बंद होने पर कुल 3.56 लाख करोड़ रुपए मूल्य के 2000 रुपए के बैंक नोट प्रचलन में थे। प्रचलन में शामिल नोटों का मूल्य 31 अक्टूबर, 2024 को कारोबार बंद होने पर 6,970 करोड़ रुपए रह गया था।

नागर विमानन क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही महिलाएं : राष्ट्रपति मुर्मू

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि देश के नागर विमानन क्षेत्र में महिलाएं परिचालन तथा तकनीकी क्षेत्रों में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर काम कर रही हैं। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यहां राष्ट्रपति भवन में भारतीय विमानन क्षेत्र की महिलाओं के एक समूह के साथ बातचीत में मुर्मू ने इस बात पर जोर दिया कि विमानन उद्योग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए समान अवसर पेश करना भी आवश्यक है।

बयान के अनुसार, मुर्मू ने कहा कि शिक्षा तथा उचित प्रशिक्षण के अलावा परिवार के सदस्यों का सहयोग भी जरूरी है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, अक्सर देखा जाता है कि कई महिलाएं उच्च शिक्षा हासिल करने के बावजूद परिवार से सहयोग न मिलने के कारण अपने सपने पूरे नहीं कर पाती हैं। राष्ट्रपति ने क्षेत्र में सफलता हासिल कर चुकीं महिलाओं से आग्रह किया कि वे अन्य महिलाओं के लिए मार्गदर्शक बनें तथा उन्हें अपना करियर चुनने व अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करें। मुर्मू ने कहा कि भारत के नागर विमानन क्षेत्र में महिलाएं परिचालन तथा तकनीकी क्षेत्रों में विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मुर्मू ने कहा, 15 प्रतिशत हवाई यातायात नियंत्रक महिलाएं हैं, 11 प्रतिशत फ्लाइट डिस्पैचर महिलाएं हैं और नौ प्रतिशत एयरोस्पेस इंजीनियर महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि पिछले साल वाणिज्यिक लाइसेंस हासिल करने वाले पायलट में से 18 प्रतिशत महिलाएं थीं। राष्ट्रपति ने सफलता हासिल करने वाली उन महिलाओं की सराहना की जो लीक से हटकर सोचती हैं और नए रास्ते पर चलने का साहस रखती हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के समावेशी प्रयासों से नागर विमानन क्षेत्र में महिलाओं की प्रगति को बढ़ावा मिला है। मुर्मू ने कहा, अधिकतर महिलाएं अब विमानन क्षेत्र में अपना करियर बना रही हैं।

वक्फ संपत्ति विवाद: कर्नाटक में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन

बेंगलुरु। कर्नाटक के कुछ हिस्सों में किसानों के एक वर्ग द्वारा उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किए जाने के आरोप लगाए जाने के बाद सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किया तथा सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार पर जमीन जिहाद में लिप्त होने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शनिवार को अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि किसानों को जारी सभी नोटिस तुरंत निरस्त किए जाएं और बिना उचित सूचना के भूमि रिकॉर्ड में किसी भी अनधिकृत संशोधन को भी रद्द किया जाए। मुख्यमंत्री के इस फैसले के बावजूद भाजपा ने विरोध प्रदर्शन जारी रखने का फैसला किया। विपक्षी दल ने वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की भी मांग की। विजयपुरा जिले के किसानों के एक वर्ग का आरोप है कि उनकी जमीन को वक्फ संपत्ति के रूप में चिह्नित किया गया है और कुछ अन्य स्थानों से भी इसी तरह के आरोप सामने आए हैं। बीजापुर (विजयपुरा) शहर से भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे के साथ सोमवार को विजयपुरा उपायुक्त कार्यालय के पास वक्फ गजट अधिसूचना को रद्द करने की मांग को लेकर धरना शुरू कर दिया। विधायक ने कहा, जब तक मुद्दा पूरी तरह से सुलझ नहीं जाता, हम हार नहीं मानेंगे। शोभा करंदलाजे और मैंने अपना अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है... अगर हम सभी मजबूत हैं, तो हमारे किसानों और मठों की जमीन हमारे पास रहेगी। यह विरोध

विपक्ष ने पाल पर एकतरफा फैसलों का आरोप लगाया

संसदीय समिति से अलग होने के संकेत दिए

भाषा। नई दिल्ली

वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति में शामिल विपक्षी सदस्यों ने सोमवार को इसके अध्यक्ष जगदंबिका पाल पर एकतरफा फैसले करने और पूरी प्रक्रिया को ध्वस्त करने का आरोप लगाया तथा इस समिति से खुद को अलग करने का संकेत दिया। विपक्षी सांसद मंगलवार को इस मामले पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात करने वाले हैं। उन्होंने बिरला के नाम लिखे पत्र में यह दावा भी किया कि समिति की कार्यवाई में उनको अनसुना किया गया तथा ऐसे में वे इस समिति से खुद को अलग करने के लिए मजबूर हो सकते हैं। विपक्षी सदस्यों ने अपने इस पत्र में प्रस्तावित कानून के खिलाफ आपत्तियों समेत अपनी चिंताओं का उल्लेख किया है। विपक्ष से जुड़े सूत्रों का कहना था कि वे मंगलवार को बिरला से मिलकर यह पत्र को सौंपेंगे।द्रमुक सांसद ए राजा, कांग्रेस के मोहम्मद जावेद और इमरान मसूद, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, आम आदमी पार्टी के संजय सिंह और तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी सहित विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष के नाम यह संयुक्त पत्र लिखा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के अनुभवी सांसद पाल पर आरोप लगाया कि समिति के अध्यक्ष ने बैठकों की तारीखें तय करने और समिति के समक्ष किसे बुलाया जाए,

यह तय करने में एकतरफा निर्णय लिया है। उनका कहना है कि वे कभी-कभी समिति की तीन दिनों की लगातार बैठक बुला देते हैं।उन्होंने कहा कि सांसदों के लिए बिना तैयारी के अपनी बात रखना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है। अपने संयुक्त पत्र में, विपक्षी सांसद बिड़ला से आग्रह करेंगे कि वह पाल समिति के सदस्यों के साथ औपचारिक परामर्श करने का निर्देश दें ताकि देश को भरोसा दिलाया जा सके कि समिति स्थापित संसदीय प्रक्रियाओं से विचलित हुए बिना तथा बिना किसी पूर्वाग्रह के तथा स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से काम कर रही है। पत्र में कहा गया है, अन्यथा, हम विनम्रतापूर्वक निवेदन करते हैं कि हमें समिति से हमेशा के लिए अलग होने के लिए विवश किया जा सकता है क्योंकि हमें अनसुना किया गया है। विपक्षी सदस्यों के अनुसार, विधेयक की छानबीन करने वाली संसद की संयुक्त समिति एक मिनी संसद की तरह है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून को उचित प्रक्रिया की अनदेखी करते हुए सरकार की मर्जी के मुताबिक पारित करने के लिए समिति को केवल वेंटिलेटिंग चैंबर के रूप में नहीं माना जाना चाहिए। उनके अनुसार, समिति के सदस्यों को उचित समय न देना संवैधानिक धर्म और संसद पर क्रूर हमले के अलावा और कुछ नहीं है। विपक्षी सांसदों ने भी विधेयक के खिलाफ अपनी कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है और दावा किया है कि सरकार का कदम 1995 और 2013 के पहले के कानूनों को कम करने का एक प्रयास है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधेयक में मौजूदा अधिनियम में 100 से अधिक संशोधन का प्रस्ताव है जबकि सरकार का केवल 44 संशोधनों का दावा है।जमात-ए-इस्लामी हिंद समेत कई मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधि विधेयक पर अपनी राय रखने के लिए सोमवार को समिति के सामने उपस्थिति हुए। जमात-ए-इस्लामी हिंद ने संशोधनों का विरोध किया तथा मुस्लिम वूमेन इंटेलेक्चुअल फोरम , विश्व शांति परिषद सहित कई अन्य समूहों ने संशोधनों का समर्थन किया।कई मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के लगातार विरोध के कारण समिति की कार्यवाही बाधित हुई है, जबकि भाजपा सदस्यों ने उन पर जानबूझकर इसके काम को बाधित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। पाल ने इस आरोप को खारिज कर दिया है कि उन्होंने विपक्षी सदस्यों को अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति नहीं दी। उनका कहना था कि उन्होंने सुनिश्चित किया है कि हर किसी की बात को सुना जाए।

कनाडा के हिंदू मंदिर में हिंसा के बाद भाजपा ने सख्त कदम का भरोसा दिया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कनाडा के एक मंदिर में हुए हमले पर सोमवार को कहा कि जब भी हिंदुओं के उत्पीड़न या उनके अधिकारों के हनन की बात आती है, तो पार्टी और उसकी सरकार ने सख्त कदम उठाए हैं।खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों की रविवार को ब्रैम्पटन के हिंदू सभा मंदिर में लोगों के साथ झड़प हुई, जिसके बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने एक कड़ा बयान जारी कर भारत विरोधी तत्वों द्वारा किए गए हमले की निंदा की।भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में इस घटना के बारे में पूछे जाने पर कहा, हम सभी ने देखा है कि भारत ने कनाडा को कितना कड़ा और स्पष्ट जवाब दिया है।ह्नोंने कहा कि जब भी हिंदुओं के उत्पीड़न या उनके अधिकारों के हनन की बात आती है तो भाजपा

और उसकी सरकार सख्त कदम उठाती है।भाटिया ने कहा, मुझे लगता है कि इस मामले का संज्ञान लेते हुए भारत अपना रुख बहुत दृढ़ता से रखेगा और जो भी जरूरी कदम हो वह उठाएगा। केनैडियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, पील क्षेत्रीय पुलिस ने रविवार को बताया कि ब्रैम्पटन के एक मंदिर के बाहर विरोध प्रदर्शन हुआ था और सोशल मीडिया पर प्रसारित घटना के कुछ अपुष्ट वीडियो में प्रदर्शनकारी खालिस्तान के समर्थन में बैनर पकड़े नजर आए।रिपोर्ट में कहा गया कि वीडियो में लोग एक-दूसरे पर घूंसे बरसाते और एक-दूसरे पर डंडों से हमला करते नजर आए। यह घटना हिंदू सभा मंदिर के आसपास के मैदान में होती प्रतीत हो रही है।इससे पहले, विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित है।मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम ओंटारियो के ब्रैम्पटन में हिंदू सभा मंदिर में कल चरमपंथियों और अलगाववादियों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हैं। बयान में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल के हवाले से कहा गया, हम कनाडा सरकार से यह सुनिश्चित करने की अपील करते हैं कि सभी धार्मिक स्थल इस तरह के हमलों से सुरक्षित हों। उ न् हों ने कहा, हम यह भी उम्मीद करते हैं कि हिंसा में शामिल लोगों पर मुकदमा चलाया जाएगा। हम कनाडा में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने कहा, भारतीयों और कनाडाई नागरिकों को समान रूप से सेवाएं प्रदान करने के लिए हमारे वाणिज्य दूतावास अधिकारियों के कदम धमकी, उत्पीड़न और हिंसा से नहीं डिगेंगे।

हिंदू श्रद्धालुओं पर हमले के मामले को कनाडा के समक्ष पुरजोर तरीके से उठाए सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कनाडा में एक हिंदू मंदिर में श्रद्धालुओं पर हमले को लेकर सोमवार को चिंता जताई और सरकार से आग्रह किया कि वह इस विषय को कनाडा की सरकार के समक्ष मजबूती से उठाए ताकि आगे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो। खालिस्तानी झंडे लिए प्रदर्शनकारियों की रविवार को कनाडा के ब्रैम्पटन के हिंदू सभा

मंदिर में लोगों के साथ झड़प हुई, जिसके बाद ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने एक कड़ा बयान जारी कर भारत विरोधी तत्वों द्वारा किए गए हमले की निंदा की। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक वीडियो जारी कर कहा, कनाडा से आए वीडियो को पूरा देश देख रहा है और परेशान है कि कैसे श्रद्धालुओं को मंदिर जाने से रोका जा रहा है, बाहर खालिस्तान समर्थक लोग नारेबाजी कर रहे हैं, हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। कनाडा की पुलिस उलटा श्रद्धालुओं के खिलाफ कार्वाई कर रही है। उन्होंने कहा, हमारी भारत सरकार से मांग है कि वह इस मामले को कनाडा की सरकार के समक्ष मजबूती से उठाए और यह सुनिश्चित करे कि आगे ऐसी घटनाएं नहीं हों।

भारत के साथ समझौता सुचारू रूप से जारी : चीनी विदेश मंत्रालय

लद्दाख में सैनिकों को पीछे हटाने का कार्य शुरू

भाषा। बीजिंग

चीन ने सोमवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में सैनिकों को पीछे हटाने के लिए, भारत के साथ समझौते का कार्यान्वयन इस समय सुचारू रूप से जारी है, लेकिन इसने देपसांग और डेमचोक में दो टकराव बिंदुओं पर गश्त फिर से शुरू होने के बारे में टिप्पणी नहीं की। चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल के जवाब में कहा, चीनी और भारतीय सैनिक उस समाधान को क्रियान्वित कर रहे हैं जिस पर दोनों पक्ष सीमा क्षेत्र से संबंधित मुद्दों पर पहुंचे हैं। यह इस समय सुचारू रूप से जारी है। हालांकि, उन्होंने भारतीय सैनिकों द्वारा दो क्षेत्रों में गश्त शुरू किए जाने से संबंधित विशिष्ट प्रश्न का उत्तर नहीं दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शनिवार को नई दिल्ली में मीडिया को बताया था कि भारतीय सेना ने पूर्वी लद्दाख में दूसरे टकराव बिंदु देपसांग में सत्यापन गश्त शुरू कर दी है। पूर्वी लद्दाख में दो टकराव बिंदुओं से भारतीय और चीनी सैनिकों के पीछे हटने के एक दिन बाद शुक्रवार को डेमचोक में गश्त शुरू हो गई थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 21 अक्टूबर को दिल्ली में कहा था कि पिछले कई हफ्तों की बातचीत के बाद भारत और चीन के बीच एक समझौते को अंतिम रूप दिया गया है जिससे 2020 में उत्पन्न हुए मुद्दों का समाधान निकलेगा। समझौते के तहत पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त और सैनिकों के पीछे हटने पर पर सहमति बनी थी, जिसे चार साल से अधिक समय से जारी गतिरोध को समाप्त करने में एक बड़ी सफलता माना गया। जून 2020 में गलवान घाटी में भीषण झड़प के बाद दोनों एशियाई शक्तियों के बीच संबंध खराब हो गए थे।

इजराइल ने गाजा में सहायता प्रदान करने के लिए संरा की एजेंसी के साथ समझौता समाप्त किया

यरूशलम। इजराइल ने सोमवार को कहा कि उसने फलस्तीनी शरणार्थियों के लिए किए जा रहे संयुक्त राष्ट्र (संरा) एजेंसी के कार्य को सुविधाजनक बनाने के समझौते को समाप्त कर दिया है। यह एजेंसी गाजा में सहायता प्रदान करने वाली प्रमुख प्रदाता है। ऐसा लगता है कि इजराइल ने यह कदम पिछले महीने पारित विधेयक को लागू करने की दिशा में उठाया है जिससे एजेंसी के काम करने से संबंधित समझौता समाप्त हो जाएगा और इसके इजराइल में काम करने पर रोक लग जाएगी। इजराइल का कहना है कि यूएनआरडब्ल्यूए के नाम से जानी जाने वाली एजेंसी में हमास द्वारा घुसपैठ की गई है। यूएनआरडब्ल्यूए ने आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि वह अपनी तटस्थता सुनिश्चित करने के लिए उपाय करता है। इजराइल ने रविवार को कहा कि उसके सैनिकों ने ईरान के लिए काम करने के आरोपी एक सीरियाई व्यक्ति को पकड़ने के लिए सीरिया में जमीनी हमला किया था।युद्ध में यह पहली बार था कि इजराइल ने सीरियाई क्षेत्र में अपने सैनिकों के सक्रिय होने की घोषणा की। गाजा और लेबनान में संघर्ष विराम के लिए अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के अन्य देशों के बढ़ते दबाव के बावजूद इजराइल हिजबुल्ला चरमपंथी समूह के खिलाफ हमलों का विस्तार लेबनान के सीमावर्ती क्षेत्रों से परे कर रहा है। इजराइल उत्तरी गाजा में हमास के खिलाफ एक अंतहीन युद्ध जैसी लड़ाई लड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल इजराइल और हिजबुल्ला के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद से लेबनान में कम से कम 2,900 लोग मारे गए हैं और 13,150 लोग घायल हुए हैं, जिनमें शुक्रवार की मौत शामिल नहीं है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि मरने वालों में एक चौथाई महिलाएं और बच्चे हैं।

पूर्व सिख मंत्री ने खालिस्तान मुद्दे पर ट्रूडो को मूर्ख बताया

ओटावा। कनाडा के एक पूर्व मंत्री ने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को सामाजिक और राजनीतिक रूप से मूर्ख व्यक्ति करार दिया। उन्होंने कहा कि ट्रूडो कभी समझ ही नहीं पाए कि ज्यादातर सिख धर्मनिरपेक्ष हैं और वे खालिस्तान से कोई सरोकार नहीं रखना चाहते। पूर्व प्रधानमंत्री पॉल मार्टिन की सरकार में संघीय कैबिनेट मंत्री रह चुके उज्जल दोसांझ (78) ने कनाडाई अखबार नेशनल पोस्ट के लिए रविवार को लिखे एक लेख में कहा कि ट्रूडो के रुख ने खालिस्तानी चरमपंथियों को मजबूत किया है और उदारवादी सिखों के बीच डर का माहौल बनाया है। दोसांझ ने ट्रूडो पर आरोप लगाया कि वह कनाडा में विशाल सिख आबादी के लिए जिम्मेदार हैं, जो दुनिया में सबसे बड़ा सिख प्रवासी समुदाय है, और खालिस्तानी इसका इस्तेमाल हर तरह फायदा उठा रहे हैं कि यह अलगाववादी आंदोलन अब एक कनाडाई समस्या बन गया है। उन्होंने कहा, ज्यादातर सिख खालिस्तान से कोई सरोकार नहीं रखना चाहते हैं। वे सिर्फ इसलिए चुप नहीं बोलते, क्योंकि उन्हें हिंसा और हिंसक धमकियों का डर है। दोसांझ ने कहा कि ट्रूडो कभी समझ ही नहीं पाए कि ज्यादातर सिख धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण रखते हैं, इस तथ्य के बावजूद कि वे मंदिर जाते हैं।

पाकिस्तान : अदालत में सुनवाई के दौरान रो पड़ी इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत में सोमवार को उस समय भावुक दृश्य देखने को मिला जब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी फूट-फूट कर रोने लगीं और उन्होंने न्याय प्रणाली को अधम ठहराते हुए जेल में बंद अपने पति को अन्यायपूर्ण तरीके से सजा दिए जाने के आरोप लगाए। बुशरा बीबी विभिन्न थानों में दर्ज छह मामलों में अपने पति और एक अन्य मामले में खुद के लिए जमानत के वास्ते इस्लामाबाद जिला मजिस्ट्रेट अफ़्ज़ल मजोका की अदालत में पेश हुईं। रावलपिंडी की अडियाला जेल में हुई सुनवाई के दौरान खान को अदालत में पेश नही किया गया। उन्हे वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए भी पेश होने की अनुमति नही दी गई। अदालती कार्यवाही के दौरान बुशरा भावुक हो गईं। उन्होंने कहा, मैं पिछले नौ महीनों से न्याय की जिम्मेदारी संभालने वालो द्वारा अन्याय का सामना कर रही हूं। मुझे और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक (इमरान खान) को अन्यायपूर्ण तरीके से सजा सुनाई गई।

मरयम नवाज स्वास्थ्य समस्याओं के चलते अस्पताल में भर्ती

लाहौर, चार नवंबर (भाषा) पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री मरयम नवाज़ को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते यहां के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रांतीय सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ मंत्री मरयम औरंगजेब ने एक्स पर पोस्ट किया कि मुख्यमंत्री मरयम नवाज़ को कल रात स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के चलते लाहौर स्थित शरीफ मेडिकल सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उन्होंने थायरॉइड की जांच कराई। मंत्री ने कहा, अल्लाह ने चाह तो मुख्यमंत्री जल्द ही शरीफ मेडिकल सिटी से घर के लिए रवाना होंगी। उनके स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

जेम्स वान डेर बीक बड़ी आंत के कैंसर से पीड़ित

लॉस एंजिलिस। डॉसन क्रीक के अभिनेता जेम्स वान डेर बीक का कहना है कि वह बड़ी आंत के कैंसर से पीड़ित है तथा इसका इलाज करा रहे है। अभिनेता (47) को सीएसआई: साइबर और पोज के साथ-साथ वर्सिटी ब्लूज , टेक्सास रेंजर्स और द रूल्स ऑफ अट्रैक्शन जैसी फिल्मो के लिए जाना जाता है।बीक ने पीपुल पत्रिका से कहा कि वह बड़ी आंत के कैंसर से पीड़ित है और इसका इलाज करा रहे है तथा उनका परिवार पूरी तरह से उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा, आशावाद के लिए कारण मौजूद है, और मै अच्छा महसूस कर रहा हूं। अभिनेता ने बाद में इंस्टाग्राम पर कहा, मैने जल्द ही पीपुल पत्रिका के साथ इस बारे मे विस्तार से बात करने की योजना बनाई है... ताकि जागरूकता बढ़ाई जा सके और अपनी कहानी अपने शब्दो मे कही जा सके। लेकिन आज सुबह-सुबह तब उस योजना को बदलना पड़ा जब मुझे बताया गया कि एक टैब्लॉयड (अखबार) इस खबर को प्रकाशित करने जा रहा है।

विमान हादसे में ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड जनरल की मौत

तेहरान। ईरान मे पाकिस्तान की सीमा के पास एक अभियान के दौरान एक ऑटोगाइरो (हेलीकॉप्टर के समान विमान) के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से उसमे सवार ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक कमांडर और उनके पायलट की सोमवार को मौत हो गई। सरकारी टीवी चैनल की रिपोर्ट मे रिपोर्ट मे कहा गया है कि जनरल हामिद मजांदरानी की मौत सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांत मे स्थित सिरकन सीमा क्षेत्र मे एक सैन्य अभियान के दौरान हुई। अर्द्ध-सरकारी तस्नीम समाचार एजेंसी ने बताया कि यह दुर्घटना सैन्य अभ्यास के दौरान हुई। ऑटोगाइरो रोटर डिजाइन क मामले मे हेलीकॉप्टर के समान होता है, लेकिन यह सरल और छोटा होता है।

जयशंकर ने ब्रिस्बेन में नए भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया

भाषा। ब्रिस्बेन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को ब्रिस्बेन में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया और इस बात पर जोर दिया कि इससे क्वींसलैंड राज्य के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने, व्यापार को बढ़ावा देने और प्रवासी समुदाय की सेवा करने में मदद मिलेगी। जयशंकर दो देशों की यात्रा के पहले चरण में रविवार को आस्ट्रेलिया पहुंचे, जहां से वे सिंगापुर जाएंगे। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जयशंकर ने लिखा,

गांधी को पुष्प अर्पित किया

आज ब्रिस्बेन में भारत के नए महावाणिज्य दूतावास का औपचारिक रूप से उद्घाटन करके मुझे खुशी हुई। यह क्वींसलैंड राज्य के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने, व्यापार को बढ़ावा देने, शैक्षणिक संबंधों को प्रोत्साहन देने और प्रवासी समुदाय की सेवा करने में योगदान देगा। उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए क्वींसलैंड की गवर्नर महामहिम डॉ. जेनेट यंग और मंत्रियों रोस बेट्स एवं फियोना सिम्प्सन का धन्यवाद। यह ऑस्ट्रेलिया में भारत का चौथा वाणिज्य दूतावास है। ब्रिस्बेन के अलावा सिडनी, मेलबर्न और पर्थ में भी भारत के वाणिज्य दूतावास हैं। विदेश मंत्री ने सोमवार को ब्रिस्बेन के रोमा स्ट्रीट पार्कलैंड्स में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। जयशंकर ने एक्स पर लिखा, शांति और सद्भाव का उनका (महात्मा गांधी का) संदेश दुनिया भर में गूंजता है। जयशंकर ने क्वींसलैंड की गवर्नर से भी सोमवार को ब्रिस्बेन में मुलाकात की। उन्होंने एक्स पर लिखा, क्वींसलैंड की गवर्नर महामहिम डॉ. जेनेट यंग से आज ब्रिस्बेन में मिलकर प्रसन्नता हुई। क्वींसलैंड राज्य के साथ आर्थिक, व्यापारिक और निवेश सहयोग को मजबूत करने के अवसरों और तरीकों पर चर्चा की। जयशंकर कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वोंग के साथ 15वीं विदेश मंत्री रूपरेखा वार्ता की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। वह ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में आयोजित होने वाले द्वितीय रायसीना डाउन अंडर के उद्घाटन सत्र में मुख्य संबोधन देंगे।

जर्मनी की विदेश मंत्री यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंची

भाषा। कीव

जर्मनी की विदेश मंत्री अन्नालेना बैरबॉक सोमवार को औचक यात्रा पर यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचीं। ऐसा प्रतीत होता है कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की पूर्व संध्या पर यूक्रेन के प्रति यूरोपीय समर्थन का प्रदर्शन है। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों से यूक्रेन पर हमला करने वाले रूस के प्रति अमेरिका की नीति में बदलाव आ सकता है। जर्मनी, अमेरिका के बाद यूक्रेन का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता है। बैरबॉक ने वादा किया है कि यूक्रेन का समर्थन करने की उनके देश की नीति में कोई बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने कहा, दुनिया भर के कई साझेदारों के साथ जर्मनी यूक्रेन के साथ मजबूती से खड़ा है।

इंडोनेशिया में ज्वालामुखी विस्फोट से 10 की मौत

कई मकानों को पहुंचा नुकसान

भाषा। मौमेरे (इंडोनेशिया)

इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप में ज्वालामुखी में हुए विस्फोटों के कारण कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। इंडोनेशिया की आपदा प्रबंधन एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी।माउंट लेवोटोबी लाकी लाकी के एक अधिकारी फरमान यूसुफ ने बताया कि सोमवार को आधी रात के बाद हुए विस्फोट के कारण 2,000 मीटर ऊंचाई तक राख हवा में फैल गई और गर्म राख ने पास के कई गांवों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे कैथोलिक ननों के एक कॉन्वेंट सहित कई मकान जल गए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी

ने बताया कि बचावकर्मी ज्वालामुखी विस्फोटों के कारण ढहे हुए मकानों के मलबे के नीचे दबे शवों की अब भी तलाश कर रहे हैं। मुहरी ने बताया कि इस घटना में सभी शव ज्वालामुखी के मुहाने के चार किलोमीटर के दायरे में पाए गए। उन्होंने बताया कि ज्वालामुखी विस्फोटों से वुलांगिटांग जिले के छह गांवों और इले बुरा जिले के चार गांव प्रभावित हुए हैं और यहां रह रहे कम से कम 10,000 लोगों पर इसका असर पड़ा। देश की ज्वालामुखी विज्ञान एजेंसी ने ज्वालामुखी विस्फोट बढ़ने के साथ ही चेतावनी की स्थिति को उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिया है और निषिद्ध क्षेत्र के दायरे को सोमवार को आधी रात के बाद बढ़ाकर सात किलोमीटर कर दिया।

न्यूयॉर्क के मतपत्रों पर बांग्ला एकमात्र भारतीय भाषा

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क मे 200 से ज्यादा भाषाएं बोली जाती हैं, जिसकी वजह से इसे अमेरिका का सबसे बड़ा बहुभाषी राज्य कहा जाता है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए कल पांच नवंबर को होने जा रहे चुनाव मे, मतपत्रो मे अंग्रेजी के अलावा सिर्फ चार अन्य भाषाएं होगी, जिसमे बांग्ला एकमात्र भारतीय भाषा है। न्यूयार्क के नगर नियोजन विभाग ने यह जानकारी दी।अमेरिका में मंगलवार को 47वें राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान होगा।न्यूयॉर्क स्थित बोर्ड ऑफ इलेक्शन के कार्यकारी निदेशक माइकल जे रयान ने बताया, हमें अंग्रेजी के अलावा चार अन्य भाषाओं को भी शामिल करना होता है। एशियाई भाषाओं मे चीनी, स्पेनिश, कोरियाई और बांग्ला शामिल है। टाइम्स स्क्वायर स्थित एक स्टोर में सेल्स एजेंट के तौर पर काम करने वाले सुभाशीष का ताल्लुक बंगाल से है। उन्हे खुशी है कि क्वीन्स इलाके मे रहने वाले उनके पिता को वोट डालने के लिए भाषाई सहायता मिलेगी।सुभाशीष ने कहा, मेरे जैसे लोग अंग्रेजी जानते है लेकिन हमारे समुदाय मे ऐसे कई लोग है, जिन्हें यह भाषा नही आती। इससे (मतपत्र में बांग्ला भाषा शामिल किए जाने से) उन्हे मतदान केंद्र पर मदद मिलेगी। मुझे यकीन है कि मेरे पिता को बांग्ला भाषा का मतपत्र देखने का विचार पसंद आएगा। मतपत्रो पर बांग्ला भाषा का इस्तेमाल सिर्फ शिष्टाचार नही बल्कि एक कानूनी आवश्यकता भी है। कानून के अनुसार, न्यूयॉर्क शहर के कुछ मतदान स्थलों पर बांग्ला मे मतदान सामग्री उपलब्ध कराना अनिवार्य है।

अंतरिक्ष स्टेशन में छह महीने बिताने के बाद चीनी अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे

बीजिंग। निचली कक्षा मे अंतरिक्ष स्टेशन विकसित करने के कार्य मे छह महीने बिताने वाले तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री सोमवार रात पृथ्वी पर सुरक्षित लौट आए। मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी चीनी एजेंसी ने यह जानकारी दी।अंतरिक्ष यात्री ए गुआंगफू, ली कांग और ली गुआंगसु को लेकर अंतरिक्ष यान शेनझोउ-18 का कैप्सूल रात।:24 बजे (बीजिंग समयानुसार) उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग स्थल पर उतरा।अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि 192 दिन तक कक्षा मे रहने के बाद तीनों अंतरिक्ष यात्रियों का स्वास्थ्य ठीक है और शेनझोउ-18 मानवयुक्त मिशन सफल रहा।शेनझोउ-18 के मिशन कमांडर गुआंगफू एक वर्ष से अधिक के संचई अंतरिक्ष उड़ान समय वाले पहले चीनी अंतरिक्ष यात्री बन गए है। उन्होंने एक चीनी अंतरिक्ष यात्री के रूप मे कक्षा में सबसे लंबे समय तक रहने का नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। उन्होने अक्टूबर 2021 से अप्रैल 2022 तक शेनझोउ-13 मिशन में अंतरिक्ष यात्री के रूप में कार्य किया था। गुआंगफू ने कहा, चीनी अंतरिक्ष यात्रियों ने क्रमिक अभियानो मे अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी है। मेरा मानना है कि निकट भविष्य मे कक्षा मे अवधि का रिकॉर्ड टूट जाएगा। वही, अन्य अंतरिक्ष यात्री ली गुआंगसु ने कहा कि उन्होंने चेरी टमाटर और सलाद पत्ता के रूप मे दो प्रकार के पौधे उगाए तथा भोजन के लिए कुछ सलाद पत्ते काटे। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने ली के हवाले से कहा, अंतरिक्ष में ताजी सब्जियाँ खाने मे सक्षम होना वास्तव मे एक आशीर्वाद है। ए हरे पौधे हमारे व्यस्त कार्य मे भी हरियाली की दमक और अच्छा उत्साह लेकर आए।

फुकुशिमा आपदा के 13 साल बाद चालू हुआ परमाणु संयंत्र फिर बंद

तोक्यो। फुकुशिमा में 2011 मे आए भीषण भूकंप और सुनामी झेलने वाला जापान का वह परमाणु संयंत्र सोमवार को फिर बंद कर दिया गया जो पिछले सप्ताह ही 13 साल बाद चालू किया गया था। इसका संचालन करने वाली कंपनी ने यह जानकारी दी। जापान के उत्तरी तट पर स्थित ओनागावा परमाणु ऊर्जा संयंत्र मे नंबर-दो रिएक्टर को 29 अक्टूबर को पुनः चालू किया गया था और नवंबर की शुरुआत मे बिजली उत्पादन शुरू होने की उम्मीद थी।संयंत्र का संचालन करने वाली फर्म तोहोकू इलेक्ट्रिक पावर कंपनी ने बताया कि रिएक्टर के अंदर न्यूट्रॉन डेटा से संबंधित उपकरण में रविवार को गड़बड़ी सामने आई जिसके कारण इसे पांच दिन बाद ही बंद करना पड़ा।कंपनी ने कहा कि रिएक्टर सामान्य रूप से काम कर रहा था और पर्यावरण मे कोई विकिरण भी नही फैल रहा था। इसने कहा कि उसने लोगों की सुरक्षा चिंताओ को दूर करने के लिए उपकरणो की फिर से जांच करने की खातिर इसे बंद करने का फैसला किया। हालांकि, यह दोबारा कब चालू होगा इस बारे मे कोई तिथि नही बताई गई है।

हैरिस और ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर : चुनावी सर्वेक्षण

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव संबंधी हालिया सर्वेक्षण में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। हैरिस (60) डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं और 78 वर्षीय ट्रंप राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार हैं।चुनाव जीतने के लिए किसी उम्मीदवार को निर्वाचक मंडल के 270 वोट की जरूरत होती है। हालिया सर्वेक्षणों से संकेत मिलता है कि चुनाव का फैसला सात राज्यों एरिजोना, नेवादा, विस्कॉन्सिन, मिशिगन, पेंसिल्वेनिया, उत्तरी कैरोलाइना और जॉर्जिया के नतीजों से होगा। इनमें से मिशिगन और पेंसिल्वेनिया 270 के आंकड़े तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स और सिएना कॉलेज के सर्वेक्षणों में पाया गया है कि हैरिस उत्तरी कैरोलाइना और जॉर्जिया में ताकत हासिल कर रही हैं, जबकि ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया में उनकी बढ़त का सिलसिला थाम दिया है और एरिजोना में अपनी बढ़त बनाए रखी है। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, सर्वेक्षण बताते हैं कि हैरिस अब नेवादा, उत्तरी कैरोलाइना और विस्कॉन्सिन में मामूली बढ़त पर हैं, जबकि ट्रंप एरिजोना में आगे हैं। अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षणों से पता चलता है कि मिशिगन, जॉर्जिया और पेंसिल्वेनिया में दोनों नेताओं के बीच कांटे की टक्कर है। सभी प्रमुख राष्ट्रीय और चुनाव के लिहाज से अहम राज्यों में सर्वेक्षणों पर नजर रखने वाले रियल क्लियर पॉलिटिक्स ने कहा कि ट्रंप और हैरिस के बीच बराबरी की स्थिति है।

ट्रंप ने मतदान प्रक्रिया में मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य करने की मांग की

वाशिंगटन। अमेरिका मे राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार एवं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मौजूदा मतदान प्रक्रिया के प्रति निराशा व्यक्त करते हुए रविवार को मांग की कि मतदान के दौरान मतदाताओं के पहचान पत्र अनिवार्य किए जाने चाहिए। इसके साथ ही ट्रंप ने अमेरिका के लोगो से चुनाव के अंतिम दौर मे अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील की। उन्होने आरोप लगाया कि डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता मतदाता पहचान पत्र का विरोध कर रहे है ताकि वे हेराफेरी कर सकें। पेन्सिलवेनिया में एक चुनावी रैली में ट्रंप ने अपने समर्थकों से कहा, पता नही हमारे पास मतदाता पहचान पत्र क्यों नही है।

मैं एक ऐसा राष्ट्र देखती हूं जो नफरत, भेदभाव को खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्पित है: हैरिस

वाशिंगटन। अमेरिका मे राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने रविवार को कहा कि पूरे देश मे अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने देखा कि लोग नफरत तथा भेदभाव को खत्म करने के लिए और आगे बढ़ने का नया रास्ता तैयार करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।हैरिस ने मिशिगन के डेट्रॉयट स्थित एक चर्च मे अपने भाषण मे कहा, जब मै अपने खूबसूरत देश मे एक राज्य से दूसरे राज्य और एक चर्च से दूसरे चर्च की यात्रा करती हूं तो मेरे मन को काफी सुकून मिलता है।

'आटा-साटा' प्रथा पर दुनिया में आएगा टीवी शो

मुंबई। जीटीवी जल्द ही अपना नया शो 'जाने अनजाने हम मिले' लेकर आ रहा है, जो गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में आज भी 'आटा-साटा' प्रथा पर आधारित है। यह कहानी रिश्तों की उलझनों को एक नए नजरिए से दिखाती है, जहां परिवार के प्यार और फर्ज को अहमियत दी गई है। इस शो में दो खास किरदार हैं - एक है आजाद ख्यालों वाली समझदार रिपोर्टर रीत (आयुषी खुराना) और दूसरा गुस्सैल लेकिन दिल से जज्बाती राघव (भरत अहलावत)। यह पूरे दुनिया में आएगा। रीत अपने भाई की खुशियों की खातिर प्यार के बिना एक समझौते के तहत शादी करने का फैसला करती है। इस शो में ये पता लगाने की कोशिश की गई है कि क्या परिवार के लिए किए गए समझौते से बने रिश्ते में प्यार हो सकता है या नहीं। किसी भी एक्टर के लिए अपने को-एक्टर के साथ सहजता से काम करना एक खूबसूरत अनुभव होता है, खासकर तब, जब साथी ऐसा हो कि हर सीन अपने-आप बहता चला जाए। भरत अहलावत के साथ भी ऐसा ही हुआ, जो इस शो में सहज राजपूत के किरदार उन्नति के ब? भाई बने हैं। भरत ने बताया कि सहज के साथ भाई-बहन का रिश्ता निभाना उनके लिए बेहद आसान है, क्योंकि उनकी खुद की एक छोटी बहन है। इस वजह से उनके लिए सहज के साथ जु?ाव और भी असली महसूस होता है। असल ि?दगी में भी भरत और सहज के बीच भाई-बहन जैसी ही बॉन्डिंग बन गई है, जो सेट पर भी नजर आती है। भरत ने कहा, किजब पहली बार मेरी सहज से मुलाकात हुई, तभी हमारे बीच एक दोस्ताना कनेक्शन बन गया था। सेट पर मैं उसी तरह उसका ख्याल रखता हूं जिस तरह मैं अपनी बहन की परवाह करता हूं। उसकी शरारतें, मजाकिया अंदाज और सेट पर मुझे परेशान करने का तरीका, सबकुछ ऐसा लगता है जैसे मैं अपनी ही बहन के साथ काम कर रहा हूं। जब हम भाई-बहन के सीन करते हैं, तो उसमें ज्यादा मेहनत नहीं लगती, सबकुछ अपने आप हो जाता है।

न्यू जर्सी में अक्षरधाम मंदिर भारतीय-अमेरिकियों के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक : समुदाय के सदस्य

न्यू जर्सी। भारतीय समुदाय के सदस्यों का कहना है कि न्यू जर्सी के रॉबिंसविले में स्थित अक्षरधाम मंदिर अमेरिका में भारतीय-अमेरिकियों के बढ़ते असर का एक शक्तिशाली प्रतीक बनकर उभरा है, जो उनके आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक प्रभाव को दर्शाता है। अमेरिका में स्थित इस सबसे बड़े हिंदू मंदिर की लंबी यात्रा इस बात का प्रतिबिंब है कि किस प्रकार भारतीय समुदाय देश में मजबूत हुआ है तथा वे महत्वपूर्ण अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में भी एक अहम ताकत बन गए हैं। अक्षरधाम मंदिर में दिवाली उत्सव के लिए पूरे सप्ताह भारतीय समुदाय के लोगों की भीड़ उमड़ी। बीएपीएस मंदिर में अक्सर स्वयंसेवक के तौर पर कार्य करने वालीं न्यू जर्सी निवासी स्वाति

पटेल ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने का अवसर मिलना खुशी की बात है। पटेल ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय समुदाय प्रभावशाली है। अब हम स्थानीय सरकार में और हर जगह कुछ दक्षिण एशियाई लोगों का प्रतिनिधित्व देख सकते हैं। मुझे लगता है कि सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा सिर्फ चुनावों में मतदान करना है। अमेरिका में जन्म लेना और बड़ा होना और यहां मतदान करने में सक्षम होना एक बहुत ही खुशी की बात है। उन्होंने कहा, बचपन में मेरे पिता मुझे मतदान केंद्र ले जाते थे। कोई फर्क नहीं पड़ता कि चुनाव कौन सा है, हमें बस इस अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए। यही हमारी आवाज को बुलंद करने का तरीका है। कई दशकों से बीएपीएस स्वामीनारायण अक्षरधाम से जुड़े विनोद पटेल ने कहा कि हिंदू समुदाय ने अपने सदस्यों को एक इकाई के रूप में आकार देने के लिए छोटे-छोटे कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, जब हमने 50 साल पहले शुरुआत की थी, तब हिंदू या भारतीय बहुत कम थे। उस समय दिवाली का माहौल अलग था, यह एक-दूसरे से मिलने और इस बात पर विचार करने के लिए था कि हम भारत में कैसे इस त्यौहार को मनाएंगे... हिंदुओं में एकजुटता बढ़ी है और भारतीय समुदाय का प्रभाव काफी बढ़ा है। उदाहरण के लिए, आज अगर आप प्रौद्योगिकी की दुनिया को देखें, तो बड़ी कंपनियों में भारतीय सीईओ हैं। उस समय ऐसा सुनने में नहीं आता था। रॉबिंसविले में 220 एकड़ में फैला अक्षरधाम मंदिर भारत की स्थापत्य कला और सांस्कृतिक विरासत का प्रमाण है।

टेक्सास के विभिन्न शहरों के सिटी हॉल में पहली बार मनाई गई दिवाली, हुई आतिशबाजी

भाषा। ह्यूस्टन

अमेरिका के टेक्सास राज्य में इस साल ऐतिहासिक तरीके से दिवाली मनाई गई और पहली बार ह्यूस्टन और हैरिस काउंटी और ह्यूस्टन सिटी हॉल में दिवाली उत्सव के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए गए। भारतीय महा वाणिज्यदूत डी.सी.मंजूनाथ द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत के समय पूरे राज्य में एकजुटता, खुशी और सांस्कृतिक गौरव को रेखांकित किया गया। हर साल दिवाली मनाने की परंपरा इस साल भी जारी रही और ऑस्टिन स्थित गवर्नर के आवास में भी दिवाली मनाई गई जहां पर गवर्नर ग्रेग एबॉट ने समावेशिता का संदेश देते हुए कार्यक्रम की मेजबानी की। गवर्नर एबॉट ने टेक्सास और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के बीच संबंधों को मजबूत करने में महावाणिज्यदूत मंजूनाथ के नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया और कहा, दिवाली एक त्योहार से कहीं अधिक हैअ यह उस प्रकाश की याद दिलाता है जो हम सभी को एकजुट करता है। यहां महापौर कार्यालय ने लेगेसी हॉल में समुदाय के सदस्यों, शहर के अधिकारियों और भारतीय-अमेरिकी समुदाय के नेताओं की मेजबानी की।महापौर जॉन व्हिटमायर ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया और त्योहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, यह ह्यूस्टन के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और हम दिवाली मनाने के लिए रोमांचित हैं। सभी को दिवाली की शुभकामनाएं। इस कार्यक्रम में आकर्षक पारंपरिक भारतीय नृत्य प्रस्तुतियां दी गईं, जिससे लीगेसी हॉल ऊर्जा, रंगों और सांस्कृतिक समृद्धि से सराबोर हो गया। इसमें कांग्रेस (अमेरिकी संसद) सदस्य लिजी फ्लेचर, अल ग्रीन और अन्य गणमान्य हस्तियों ने हिस्सा लिया।

पाक : पंजाब सूबे के मंत्रियों ने लाहौर में खतरनाक वायु गुणवत्ता के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराया

लाहौर। पाकिस्तान की सांस्कृतिक राजधानी लाहौर मे वायु गुणवत्ता की खतरनाक स्थिति के बीच सोमवार को पंजाब सूबे के मंत्रियो ने भारत की ओर से आने वाली हवाओं को जिम्मेदार ठहराते हुए भारत के अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। भारत की सीमा से लगे शहर लाहौर मे पिछले महीने से ही वायु की गुणवत्ता खराब होने लगी है, और विषैले धुएं से मुख्य रूप से बच्चो तथा बुजुर्गो समेत हजारो लोग बीमार होने लगे है। पंजाब पर्यावरण संरक्षण विभाग ने बताया कि हवा में पीएम 2.5 या सूक्ष्म कणो की सांद्रता 450 के करीब पहुंच गई है, जिसे खतरनाक माना जाता है। हवा भारत से पाकिस्तान की ओर बह रही है, फिर भी भारत इस समस्या को उतनी गंभीरता से नही ले रहा है जितना उसे लेना चाहिए। उन्होंने भारत के पंजाब राज्य से इस मामले को गंभीरता से लेने का आग्रह किया। इससे पहले, पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि प्रांत पाकिस्तान विदेश कार्यालय से भारत के साथ सीमा पार प्रदूषण के मुद्दे को उठाने का अनुरोध करेगा। उन्होंने कहा, अमृतसर और चंडीगढ़ से आने वाली हवाओं की वजह से गत दो दिन से लाहौर मे वायु गुणवत्ता सूचकांक,000 से अधिक दर्ज किया जा रहा है। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने भी भारत के साथ जलवायु कूटनीति का आह्वान किया और कहा कि वह प्रदूषण के मुद्दे पर संयुक्त रूप से विचार करने के लिए जल्द ही भारत के पंजाब राज्य के मुख्यमंत्री को पत्र लिखेंगी। इस बीच, वायु गुणवत्ता की बिगड़ती स्थिति के कारण लाहौर के अधिकारियो ने सोमवार को प्राथमिक स्कूलो को एक सप्ताह के लिए बंद करने की घोषणा की।

दिग्गज खिलाड़ियों का घरेलू मैचों से ही सुधरेगा खेल

● व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के बीच रणजी के लिए दिखानी होगी प्रतिबद्धता

भाषा। नई दिल्ली

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 0-3 की करारी शिकस्त के दौरान दिग्गज बल्लेबाजों के प्रदर्शन ने सबसे ज्यादा निराश किया और इन बड़े बल्लेबाजों पर सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि इन खिलाड़ियों ने रणजी और दलीप ट्रॉफी जैसे बड़े घरेलू आयोजनों में भाग लेना लगभग छोड़ दिया है। मौजूद दौर के खिलाड़ियों को घरेलू आयोजनों से दूर रहने की छूट कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए मिलती है लेकिन अतीत में ऐसी स्थिति नहीं थी। अगर हम साल 2007 की बात करें तो जनवरी में भारतीय टीम का दक्षिण अफ्रीका का लंबा दौरा खत्म हुआ था। टीम को इसके तुरंत बाद वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में भाग लेना था। भारत ने 21, 24, 27 और 31 जनवरी को नागपुर, चेन्नई, कटक और वडोदरा में चार वनडे मैच खेले। इसके बाद एक फरवरी को टीम के चार अनुभवी सदस्य सचिन तेंदुलकर, जहीर खान, अजीत अगरकर और सौरव गांगुली वडोदरा से मुंबई के लिए रवाना हो गए क्योंकि यह चारों दो से छह फरवरी तक खेले जाने वाले रणजी ट्रॉफी फाइनल में भाग लेना चाहते थे। इस मुकाबले में तेंदुलकर ने शतक जड़ा तो वहीं गांगुली ने 90 रन बनाए और जहीर ने भी कुछ अहम विकेट चटकाए। रणजी फाइनल के 48 घंटे के अंदर तेंदुलकर, गांगुली और जहीर को श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलनी थी और तब कार्यभार प्रबंधन चर्चा का विषय नहीं था। जसप्रीत बुमराह का मामला अपवाद हो सकता है जिनके चोटिल होने की संभावना अधिक होती है लेकिन उनके पास किसी भी परिस्थिति में बेहतरीन गेंदबाजी करने का असाधारण कौशल है। विराट कोहली, रोहित शर्मा, रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जड़ेजा जैसे खिलाड़ियों के दलीप ट्रॉफी से बाहर रहने पर सवाल उठ रहा है। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज देवांग गांधी ने पीटीआई-भाषा से कहा, वर्ष 2000 में अप्रैल के दूसरे सप्ताह की भीषण गर्मी में तेंदुलकर ने मुंबई के लिए तमिलनाडु के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल खेला और पहली पारी में लगभग 500 रनों का पीछा करते हुए दोहरा शतक बनाया। साल 2017 से 2021 के बीच राष्ट्रीय चयनकर्ता रहे इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, वह इस मैच के तीन दिन के बाद हैदराबाद टीम के खिलाफ रणजी फाइनल खेल रहे थे। हैदराबाद की टीम में मोहम्मद अजहरुद्दीन और वीवीएस लक्ष्मण जैसे खिलाड़ी थे। तेंदुलकर ने इस मैच में एक अर्धशतक और एक शतक बनाया। तेंदुलकर ने मार्च के आखिर में वनडे श्रृंखला में भाग लेने के बाद अप्रैल में दो सप्ताह के अंतराल में रणजी सेमीफाइनल और फाइनल खेला। दूसरी ओर कोहली ने अपना पिछला रणजी ट्रॉफी मैच 2013 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ गाजियाबाद में खेला था। इस मैच में वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर, आशीष नेहरा, ईशांत शर्मा, सुरेश रैना, मोहम्मद कैफ और भुवनेश्वर कुमार भी शामिल थे। यह शायद आखिरी रणजी ट्रॉफी मैच था जिसमें राष्ट्रीय टीम के इतने सारे खिलाड़ी एक साथ खेल रहे थे। रोहित ने मुंबई के लिए रणजी ट्रॉफी में अपना पिछला मैच साल 2015 में खेला था। उसके बाद दोनों ने एक-एक प्रथम श्रेणी मैच खेले। कोहली ने श्रीलंका दौरे (2017) से पहले भारत ए के लिए और रोहित ने दक्षिण अफ्रीका (2019) के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले भारत ए के लिए एक मैच खेला है। इस मुकाबले के बाद रोहित ने टेस्ट में पारी का आगाज करना शुरू किया। तेंदुलकर ने अपने करियर में 200 टेस्ट सहित 310 प्रथम श्रेणी मैच खेले। मास्टर ब्लास्टर ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के बावजूद 24 वर्षों में अभ्यास मैच सहित 110 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं।

न्यूजीलैंड से मिली हार का भारत पर असर

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का प्रदर्शन प्रभावित होगा: गिलक्रिस्ट, वार्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज खिलाड़ियों एडम गिलक्रिस्ट और डेविड वार्नर को इसमें कोई संदेह नहीं है कि न्यूजीलैंड के हाथों घरेलू सरजमीं पर मिली करारी हार से भारतीय खिलाड़ियों की मानसिकता आहत हुई होगी लेकिन उन्होंने कहा कि 22 नवंबर से पर्थ में शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में रोहित शर्मा की टीम को आसानी से हरा देने के बारे में सोचना नासमझी होगी। टॉम लैथम की अगुआई वाली न्यूजीलैंड की टीम ने भारत को 3-0 से हराया जो उसके टेस्ट इतिहास की सबसे करारी हार में से एक है और इसके साथ ही टीम की अगले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को भी झटका लगा। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज गिलक्रिस्ट ने फॉक्स स्पोर्ट्स से कहा, ऐसा होगा (श्रृंखला गंवाने का असर होगा), भारतीय खिलाड़ियों पर अधिक असर होगा और आंतरिक रूप से भारतीय टीम पर। उन्हें स्वयं से बेहद कड़े सवाल पूछने होंगे। लेकिन मैं उम्मीद नहीं करता कि उन्हें आसानी से हराया जा सकता है लेकिन इस हार को देखते हुए और इस तथ्य पर ध्यान देते हुए कि उनका सूपड़ा साफ हुआ- मुझे याद नहीं कि उनके साथ ऐसा कब हुआ, उन्होंने श्रृंखला कब गंवाई, सूपड़ा साफ होना तो भूल ही जाओ। मुझे लगता है कि इससे आंतरिक रूप से कुछ सवाल उठेंगे। गिलक्रिस्ट ने कहा कि भारत के पास इस झटके के बाद फिर से संगठित होने की क्षमता है। (भारतीय टीम में) कुछ उम्रदराज खिलाड़ी हैं जो खुद पर थोड़ा संदेह करना शुरू कर सकते हैं। भारतीय टीम में कुछ उच्च श्रेणी के क्रिकेटर हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि वे इस चुनौती से कैसे उबरते हैं। पूर्व सलामी बल्लेबाज वार्नर ने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में हार निश्चित रूप से भारतीय क्रिकेटरों के दिमाग में घूम रही होगी। इससे (श्रृंखला गंवाने से) ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को मदद मिलेगी। वे स्वदेश में 3-0 से श्रृंखला गंवाने के बाद यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट खेलने आएंगे जिसके पास तीन विश्व स्तरीय तेज गेंदबाज और एक विश्व स्तरीय स्पिनर है। अगर मैं उनके बल्लेबाजी क्रम का हिस्सा होता तो मैं नर्वस होता। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का मानना है कि आगामी श्रृंखला में बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का सामना कैसे करते हैं, यह ऑस्ट्रेलिया की सफलता में अहम भूमिका निभाएगा। ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को बुमराह और सिराज के खिलाफ रन बनाने की जरूरत है। मुझे लगता है कि अगर ऑस्ट्रेलिया इन दो खिलाड़ियों का अच्छी तरह से सामना करता है तो बड़ा स्कोर बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा, लेकिन हमें भारत के खिलाफ पूरी ताकत से खेलना होगा। हमने भारत के खिलाफ यहां अपनी पिछली दो श्रृंखलाएं गंवा दी हैं।

नवंबर में अंत में रियाद में होगी आईपीएल नीलामी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग की आगामी बड़ी नीलामी नवंबर के अंतिम हफ्ते में सऊदी अरब की राजधानी रियाद में होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम जाहिर नही करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, आईपीएल नीलामी रियाद में होगी और यह फ्रेंचाइजी को बता दिया गया है। संभावित तिथियां 24 और 25 नवंबर है। इस बार नीलामी बड़ी होगी जिसमे ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे भारत के स्टार खिलाड़ियो के लिए बोली लगेगी। दस फ्रेंचाइजी के पास 204 खिलाड़ियो को खरीदने के लिए 641.5 करोड़ रुपए की राशि है। इन 204 स्थानो मे से 70 स्थान विदेशी खिलाड़ियो के लिए है। अब तक 10 फ्रेंचाइजी ने 46 खिलाड़ियो को रिटेन (टीम मे बरकरार रखने) करने के लिए सामूहिक रुप से 558.5 करोड़ रुपए खर्च किए है।

संडे स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट 10 नवंबर को

लखनऊ। लखनऊ जिला चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के तत्वावधान में शिवानी पब्लिक स्कूल द्वारा 42वां शिवानी कप स्पेशल ओपन चेस टूर्नामेंट में इस बार कई आईएम भी आकर्षण का केंद्र होंगे। इसके साथ ही 10 नवंबर 2024 को मानसरोवर योजना शहीद पथ स्थित शिवानी पब्लिक स्कूल में होने वाले टूर्नामेंट में कुल 2ए22ए222 रुपए की ईनामी राशि दांव पर होगी जो लखनऊ में अब तक सबसे बड़ा पुरस्कार राशि वाला टूर्नामेंट हैं। लखनऊ जिला चेस स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर दुबे ने बताया कि इस टूर्नामेंट में कई इंटरनेशनल मास्टर भी अपने खेल का कमाल दिखाएंगे। इसमें आईएम दिनेश शर्मा व आर्यन वार्ष्णेय के अलावा 50 से भी ज्यादा रेटेड खिलाड़ी शामिल है। वहीं एक विदेशी प्रतिभागी दक्षिण अफ्रीका के बोत्सवाना के थूसो मलितस ने भी अपनी इंट्री भेजी है।

कर्नल एसएनमिश्र क्रिकेट 15 नवम्बर से

लखनऊ। 21 वीं कर्नल एस एन मिश्र ओबी ई मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का 15 नवम्बर 2024 को कर्नल एस एन मिश्र ओ बी ई मेमोरियल स्कूल साउथ सिटी के तत्वाधान में उत्तर रेलवे स्टेडियम में किया जा रहा है। सभी बोर्ड के प्रतिभाग हेतु इच्छुक विद्यालय -19 वर्षीय बालक 10 नवम्बर 2024 अपराह्न 4 बजे तक प्रतिभाग कर सकते है अत्यधिक जानकारी हेतु टूर्नामेंट सेक्रेटरी आलोक भारद्वाज.7007623062 व प्रधानाचार्य श्रीमती पूजा जी 7905236760 फ़ोन नम्बर पर संपर्क कर सकते है।

भारत की सीनियर टीम ने ब्रिज ओलंपियाड में रजत पदक जीता

ब्यूनस आयर्स। अपने पिछले मुकाबलो मे शानदार प्रदर्शन करने वाली भारत की सीनियर टीम को 16वे विश्व ब्रिज ओलंपियाड के फाइनल मे अमेरिका से 165-258 से हारने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम मे कमल मुखर्जी, विभास टोडी, बादल दास, प्रणब बर्धन, अरुण बापट, रवि गोरानका और गैर खिलाड़ी कप्तान गिरीश बिजूर शामिल थे।भारतीय टीम ने 96 बोर्ड के फाइनल मे शुरू मे अमेरिका की टीम के सामने कड़ी चुनौती पेश की। अमेरिका की टीम ने हालांकि दो दिन तक चल फाइनल मे आखिर तक अपनी लय बनाए रखी। इस बीच इसी प्रतियोगिता के साथ खेली गई युगल स्पर्धा मे संजीत डे और बिनोद साव की युवा भारतीय जोड़ी ने भी अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया।

खिलाड़ियों को रिटेन करने की प्रक्रिया में सैमसन की बड़ी भूमिका

रॉयल्स के मुख्य कोच द्रविड़ ने कहा

नई दिल्ली। मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने सोमवार को कहा कि निरंतरता, स्थिरता, अपने खिलाड़ियों पर अटूट विश्वास और कप्तान संजू सैमसन से मिले सुझावों ने पूर्व आईपीएल चैंपियन राजस्थान रॉयल्स को अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन (अपने साथ बरकरार रखना) करने का निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया।सभी फ्रेंचाइजी के पास रिटेन किए गए खिलाड़ियों का नाम सौंपने के लिए अंतिम तिथि 31 अक्टूबर थी।द्रविड़ ने जियो सिनेमा से कहा, हमने तय किया है कि हम सभी छह खिलाड़ियों को रिटेन करेंगे। हम संजू सैमसन, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, शिमरोन हेटमायर और संदीप शर्मा को रिटेन करेंगे। हमने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि हमें अपने खिलाड़ियों की प्रतिभा पर भरोसा है। हमें यह भी भरोसा है कि हम महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को बनाए रखना चाहते हैं और उनके साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। सभी टीम को अधिकतम छह खिलाड़ियों को रिटेन करने की स्वीकृति थी और खिलाड़ियों को रिटेन करने तथा बड़ी नीलामी के लिए कुल मिलाकर 120 करोड़ रुपए का बजट है। छह खिलाड़ियों को रिटेन करने के फायदे पर द्रविड़ ने कहा, जब आप छह खिलाड़ियों को रिटेन करते हैं तो निश्चित तौर पर स्थिरता मिलती है। हम सिर्फ छह खिलाड़ियों को अपने साथ बरकरार रख सकते हैं लेकिन अगर और अधिक को रिटेन कर पाते तो हम निश्चित तौर पर ऐसा करते। हमारा मानना है कि हमने जिन खिलाड़ियों को रिटेन किया वे इसके हकदार थे। बेशक नीलामी में आप कम पैसों के साथ उतरेंगे लेकिन कुछ विभागों में हमने स्थिरता तय की है और फिर आपको यह भी देखना होगा कि आपको पूरी टीम कैसे तैयार करनी है। रॉयल्स ने जोस बटलर, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों को रिटेन नहीं किया और अब वे नीलामी में उतरेंगे। बड़ी नीलामी इसी महीने होनी है। द्रविड़ का मानना है कि राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड नियम में बदलाव के कारण विभिन्न टीम को नीलामी के दौरान अधिक लचीलापन दिखाना होगा। द्रविड़ ने कहा, आरटीएम नियम में भी थोड़ा बदलाव हुआ है इसलिए इस नीलामी में हमें निश्चित तौर पर कुछ अलग देखने को मिलेगा। नीलामी में आपको तैयारी और योजना के साथ उतरना होता है लेकिन यहां आपको कुछ लचीलापन दिखाना होगा। हमने स्वयं के लिए एक मंच तैयार किया है, हमने एक आधार तैयार किया है, हमने मुख्य खिलाड़ियों को बरकरार रखा है। हमने इसके साथ आगे बढ़ेंगे और अच्छी टीम तैयार करेंगे।

न्यूजीलैंड की जीत के बाद पिता ने रवींद्र से कहा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है

मुंबई। न्यूजीलैंड के रचिन रवींद्र के पिता अक्सर उनकी प्रशंसा नही करते लेकिन भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला मे ऐतिहासिक जीत के बाद जब उन्होने अपने बेटे के लिए संदेश भेजा कि मुझे तुम पर बहुत गर्व है तो इस ऑलराउंडर के लिए वह बेहद खास बन गया।न्यूजीलैंड ने भारत को तीनो टेस्ट मैच मे हराकर नया इतिहास रचा। उसकी इस उपलब्धि मे भारतीय मूल के 24 वर्षीय खिलाड़ी रवींद्र ने भी अहम भूमिका निभाई। रवींद्र का जन्म वेलिंगटन मे हुआ लेकिन उनका परिवार बेंगलुरु से जुड़ा हुआ है।रवींद्र ने सेन रेडियो से कहा, मैंने अपने पिता को अक्सर यह कहते हुए नही सुना है कि मुझे तुम पर बहुत गर्व है, इसलिए हमारी जीत के बाद जब उनका यह संदेश मिला तो बहुत अच्छा लगा। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के माता-पिता दीपा और रवि कृष्णमूर्ति बेंगलुरु के रहने वाले है। उनके दादा-दादी अब भी इस भारतीय शहर मे रहते है। रवींद्र ने खुलासा किया कि बेंगलुरु मे खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान उनके पिता स्टेडियम मे मौजूद थे। रवींद्र ने इस मैच की पहली पारी मे शतक और दूसरी पारी मे नाबाद 39 रन बनाकर न्यूजीलैंड की आठ विकेट से जीत मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।उन्होने कहा, मेरे पिता बेंगलुरु मे पहला टेस्ट मैच देखने के लिए स्टेडियम मे मौजूद थे और उन्हे वहां देखकर बहुत अच्छा लगा। मुझे पूरा विश्वास है कि मेरी मां ने भी स्वदेश मे टीवी पर पूरा मैच देखा होगा। यह बेहद खास था और विशेष रुप से उस देश मे ऐसा करना शानदार रहा जहां मेरे माता-पिता का जन्म हुआ। रवींद्र ने कहा, हालांकि मै हमेशा कहता रहता हूं कि मै 100 प्रतिशत न्यूजीलैंड का रहने वाला हूं लेकिन

रणजी ट्राफी के वर्तमान सत्र के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगे साहा

भाषा। नई दिल्ली

भारत की तरफ से 40 टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने घोषणा की है कि रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सत्र के बाद वह क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। बंगाल के इस 40 वर्षीय विकेटकीपर ने 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण के बाद 40 टेस्ट के अलावा नौ एकदिवसीय मैच में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया। साहा ने पिछले तीन साल से भी अधिक समय से राष्ट्रीय टीम की तरफ से खेलने का मौका नहीं मिलने के बाद क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया। साहा ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा, क्रिकेट में एक शानदार सफर के बाद यह मेरा आखिरी सत्र होगा। मैं आखिरी बार बंगाल का प्रतिनिधित्व करने और संन्यास लेने से पहले केवल रणजी ट्रॉफी में खेलने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने रविवार देर रात जारी पोस्ट में कहा, आइए इस सत्र को यादगार बनाएं। साहा के पास महेंद्र सिंह धोनी जैसी आभा या ऋषभ पंत जैसा बेफिक्र अंदाज नहीं था लेकिन अपनी विकेटकीपिंग से उन्होंने भारतीय क्रिकेट में अपने लिए विशेष जगह बनाई। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में विकेटकीपर के रूप में 104 शिकार किए जिनमें 92 कैच शामिल हैं। साहा ने टेस्ट क्रिकेट में 1353 रन बनाए जिसमें तीन शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। साहा लंबे समय तक भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा रहे। इसके बाद उन्हें तत्कालीन मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने सूचित किया था कि वह चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की पहली पसंद नहीं है और वे उनसे आगे की सोच रहे हैं।

सीएपी ने जीती अंडर-19 इंटर अकादमी मैत्री क्रिकेट सीरीज

लखनऊ। अंकित सिंह-4 विकेट की गेंदबाजी के बाद 10 रन से शतक से चूके यशवर्द्धन 90 की उम्दा पारी से क्रिकेट अकादमी ऑफ पठान-सीएपी ने आदर्श भारतीय विद्यालय अंडर.19 इंटर अकादमी मैत्री क्रिकेट सीरीज का खिताब जीत लिया। आरआर क्रिकेट स्टेडियम पर हुए फाइनल में सीएपी ने टीएस अकादमी को दो विकेट से हराया। टीएस अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.2 ओवर में सभी विकेट गंवाकर 245 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज अक्षत पटेल 73 व कृष्णा साहू 53 के अर्धशतक के अलावा मोहित सिंह ने 29 व तौसीफने 28 रन जोड़े। सीएपी से अंकित सिंह ने चार जबकि पवन सिंह्ए नितिश चौधरी व शिखर चतुर्वेदी ने दो-दो विकेट चटकाए। जवाब में सीएपी ने 39.4 ओवर में 8 विकेट पर 248 रन बनाकर मैच जीत लिया। यशवर्द्धन ने 93 गेंदों पर 11 चौके व 1 छक्के से 90 रन की उम्दा पारी खेली। जीत में दिव्यांश सिंह्ए अतुल सिंह व सुहैल अख्तर ने 34.34 रन का योगदान किया। टीएस अकादमी से विनय यादव को तीन विकेट मिले। विशेष पुरस्कारों में प्लेयर ऑफद सीरीज अंकित सीएपी सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज अनिल यादव काल्विन अकादमी व सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज विनय यादव टीएस अकादमी चुने गए। समापन समारोह में मुख्य अतिथि विशाल मेहता ;निदेशक आदर्श भारतीय विद्यालय रहे।

लखनऊ के अयान मैनचेस्टर यूनाइटेड क्लब का दौरा करेंगे

भुवनेश्वर। लखनऊ के मोहम्मद अयान के लिए जीवन चुनौतियों से भरा रहा है, लेकिन वे फुटबॉल खिलाड़ी बनने के उसके सपने को नहीं डिगा पाए और अब वह प्रतिष्ठित फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड के घरेलू मैदानए ओल्ड ट्रैफर्ड का दौरा करेंगे। महान फुटबॉल खिलाड़ी गैरी नेविल की उपस्थिति में चंडीगढ़ में मैनचेस्टर यूनाइटेड के सहयोग से अग्रणी टायर निर्माता अपोलो टायर्स द्वारा आयोजित श्यूनाइटेड वी प्ले के चौथे सीज़न के ट्रायल के अंतिम दौर में जीत हासिल करने के बाद उन्हें यह मौका मिला है। यूनाइटेड वी प्ले यूडब्ल्यूपी के अब तक के सबसे बड़े सीज़न में 18 शहरों के 15000 से अधिक उभरते भारतीय फुटबॉल खिलाड़ियों ने भाग लिया और चंडीगढ़ में एक भव्य समारोह में इसका समापन हुआ। अयान और चार अन्य फुटबॉल खिलाड़ी पीसी लालछुआनावमा मिजोरम, श्रीजल किस्कू ओडिशा भक्त बहादुर परियार नेपाल और चानसोन चैयथम ;बैंकॉकद्ध को अब जीवन में एक बार मैच डे जैसी रोमांचक गतिविधियों में भाग लेने के लिए ओल्ड ट्रैफर्ड जाने का अवसर मिलेगा।अपोलो टायर्स लिमिटेड के कमर्सिअलए इंडिया और सार्क के उपाध्यक्ष राजेश दहिया ने कहा कि मैं आयन को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई देता हूं क्योंकि वह अब प्रतिष्ठित ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम जाएंगे। यूनाइटेड वी प्ले कार्यक्रम को साल.दर.साल बड़ा और बेहतर होते देखना हमें बेहद खुशी देता है और खेल के दिग्गज गैरी नेविल की उपस्थिति के कारण यह समापन समारोह अतिरिक्त विशेष था।

गॉफ़ ने डब्ल्यूटीए फ़ाइनल में पेगुला को हराया, स्वियातेक की संघर्षपूर्ण जीत

रियाद। अमेरिका की कोको गॉफ ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स मे हम वतन जेसिका पेगुला को 6-3, 6-2 से हराकर साल के इस अंतिम टेनिस टूर्नामेंट मे शानदार शुरुआत की।दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने अपने पहले मैच मे बारबोरा क्रेजिसिकोवा को 4-6, 7-5, 6-2 से हराया। यह उनकी पिछले दो महीने मे पहली जीत है। इस टूर्नामेंट मे विश्व की चोटी की आठ खिलाड़ी भाग ले रही है। नए कोच के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल मे पहुंची स्वियातेक ने सितंबर मे अमेरिकी ओपन के क्वार्टर फाइनल मे पेगुला से सीधे सेटो मे हारने के बाद से कोई मैच नही खेला था। शनिवार को शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेका ने अपने शुरुआती मैच मे झेंग किनवेन पर सीधे सेटो मे जीत दर्ज की।

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
शशिकांत मिश्रा बछरावां
प्रतिष्ठान मिश्रा धर्म कांटा
शिवांश कोल्डड्रिंक ऐजेंसी बछरावां
मिश्रा ट्रांसपोर्ट लातूर रोड लखनऊ

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
रमेश यादव
कुमार मशीनरी स्टोर
सुखई पुरवा तिराहा
महराजगंज

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
आरपी साहू
ग्राम प्रधान
प्रतिनिधि सलेथू
विकास खंड महराजगंज
जनपद- रायबरेली

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
सुनील मौर्या
ग्राम प्रधान ओथी
विकास खंड महराजगंज
जनपद- रायबरेली

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
प्रदीप चौधरी
कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष
महराजगंज
जनपद- रायबरेली

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
SJS PUBLIC SCHOOL, LALGANJ
Wishes You All
Happy Diwali
May the festival of lights illuminate your life with happiness and prosperity
MR. R.B. SINGH MANAGING DIRECTOR
MR. AGRAJ SINGH MANAGER
DR. ANUSHREE SINGH JOINT MANAGER
एस जे एस पब्लिक स्कूल
कानपुर रोड, लालगंज
विगत 12 वर्षों से
निरन्तर प्रगति की
ओर अग्रसर
नगर का अग्रणी
शिक्षण संस्थान
सी बी एस ई से
मान्यता प्राप्त
प्रधानाचार्य अन्जू सिंह
प्रबन्धक अग्रज सिंह
सह प्रबन्धक डा0 अनुश्री सिंह
प्रबन्ध निदेशक आर बी सिंह

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
राजेश सिंह फौजी
प्रदेश उपाध्यक्ष
भाजपा सैनिक प्रकोष्ठ
लालगंज रायबरेली
सुरेश सिंह 'आचार्य'
(समाजसेवी)

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
विश्वास बहादुर सिंह
(ब्लाक मंत्री)
प्राथमिक शिक्षक संघ
लालगंज रायबरेली
आशीष प्रताप सिंह
(जिला उपाध्यक्ष)
प्राथमिक शिक्षक संघ
रायबरेली

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
दु:खी लाल
ग्राम प्रधान
बहरामपुर

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं
दीप प्रकाश शुक्ला
समाजसेवी व वरिष्ठ भा0ज0पा0 नेता
182 सरेनी विधानसभा

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।